केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- घुसपैठियों को बचा रहीं ममता - 10

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी सेंसेक्स 753 अंक उछला - 10

कांग्रेस ने बिरला को दिया प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस - 11

लखनऊ सुपर जॉयंट्स के टॉप आर्डर को जोफ्रा आर्चर से रहना होगा सावधान - 12

आज का मौसम
39.0° अधिकतम तापमान
24.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.40 सूर्यास्त 06.41

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष षष्ठी 10:49 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 22 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 147, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

श्रद्धांजलि

न जायते म्रियते वा कदाचित्
नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।

स्व. डॉ. निशांत गुप्ता

वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर
गंगाशील ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स एवं इंस्टीट्यूशन्स

13 जून 1975 – 22 अप्रैल 2024

द्वितीय पुण्यतिथि पर

डॉ. एन.के. गुप्ता – डॉ. शशि बाला राठी, डॉ. शालिनी माहेश्वरी, डॉ. नंदिनी गुप्ता, श्री आर्यवर्धन गुप्ता
डॉ. मोनिका गुप्ता – डॉ प्रमेन्द्र माहेश्वरी, डॉ सोनिका गुप्ता – डॉ अनुज भसीन, डॉ प्रियंका गुप्ता – डॉ संदीप गुप्ता
श्री अजय माहेश्वरी, श्री मनोज माहेश्वरी, श्री चन्द्रकला माहेश्वरी, श्री विजय माहेश्वरी, श्री आर्येन्द्र माहेश्वरी, श्री वरूण माहेश्वरी
डॉ. अपूर्वा माहेश्वरी, डॉ. अनन्या भसीन, श्री आयुष माहेश्वरी, कु. रिया गुप्ता, श्री लव्य गुप्ता एवं समस्त मूंदड़ा परिवार
श्री मनीष कुमार वैष्णव – श्री संकेत बाली

GANGASHEEL · Shri Ganga Charan Aryawardhan Hospital · GANGASHEEL SCHOOL OF NURSING · GANGASHEEL PARAMEDICAL COLLEGE · GANGASHEEL CRICKET ACADEMY · MAVEN

चिकित्सकगण, सदस्य – गंगाशील परिवार, मित्रगण एवं शुभचिंतक, अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

मानव सेवा को समर्पित जीवन की प्रेरणा से आज भी यह संस्थान निरंतर आगे बढ़ रहा है। स्व. डॉ. निशांत गुप्ता जी, जिन्होंने 22,000 से अधिक हृदय प्रक्रियाओं का सफल इलाज किया, उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए, उनके जाने के दो वर्षों बाद भी यह संस्थान निरंतर हज़ारों हृदय सर्जरी एवं प्रक्रियाएँ सफलतापूर्वक कर रहा है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर

दिनांक: 22/04/2026 (बुधवार) **समय:** सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक

स्थान: गंगाशील अस्पताल सी-17, दीन दयाल पुरम, बरेली

कार्डियोलॉजी एवं कार्डियक सर्जरी

कैंप में उपलब्ध विशेषज्ञ

- **डॉ. विशाल अग्रवाल** – एम.एस., एम.सी.एच. - सी.टी.वी.एस.
- **डॉ. राहुल सिंह** – एम.डी., डी.एम. - कार्डियोलॉजी
- **डॉ. मोहम्मद कलीम** – एम.डी., डी.एम. - कार्डियोलॉजी

निशुल्क सेवाएं

- ओपीडी परामर्श
- ईसीजी (ECG)
- शुगर की जांच

इको (ECHO) – 50% की छूट | एक्स-रे (X-Ray) – 50% की छूट | पैथोलॉजी जांच – 25% की छूट | एंजियोग्राफी मात्र ₹6000 में

आयुष्मान भारत, ई.एस.आई.सी., एन.ई.आर., एफ.सी.आई., सी.जी.एच.एस., ई.सी.एच.एस., सी.ए.आर.आई. एवं टी.पी.ए. कार्ड धारकों हेतु कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें +91-8273254444, +91-8006818597

न्यूज ब्रीफ

दंपती से मारपीट की एफआईआर दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव मचवाखेड़ा की रहने वाली गीता देवी पत्नी मदनलाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 19 अप्रैल की रात आठ बजे गांव के सुदीप कुमार, पप्पू शर्मा, नरेश कुमार नशे की हालत में आए और घर पर ईंट पत्थर फेंकने लगे। विरोध करने पर धमकाया। 20 अप्रैल को तीनों ने उसकी व पति की पिटाई की। जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

घर में घुसकर युवती की पिटाई, रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना अमरिया क्षेत्र के ग्राम कैचूटांडा निवासी शबनम पत्नी मोहम्मद जहांगीर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पति मजदूरी करते हैं। वह गांव में किसी काम से वाहिद खान के घर गई हुई थी। 20 अप्रैल को सुबह 10 बजे इमरान और रेहान उसके घर आए और टिन डालने को लेकर उसकी पुत्री के साथ गाली गलौज करने लगे। विरोध पर मारपीट की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

मधवापुर मरौरी में आग से कई एकड़ नरई जली

बिलसंडा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव मधवापुर मरौरी में मंगलवार सुबह करीब ग्यारह बजे गेहूं की नरई मे आग लग गई। जब तक ग्रामीण कुछ समझ पाते आग बढ़ गई। ग्रामीण जमा हुए और ट्रैक्टर से आग़ पर काबू पाने के लिए खेतों को जोतने लगे। हवा तेज होने की वजह से आग़ पर काबू नहीं पा सके। जब तक आग बुझाते तब तक आग ने कई एकड़ नरई जलाकर राख कर दी।

प्रधानाचार्य सम्मेलन का आयोजन 28 अप्रैल से

बीसलपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के यूपी बोर्ड व सीबीएसई बोर्ड के तीन मंडलों के प्रधानाचार्यो का सम्मेलन नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में 28, 29 व 30 अप्रैल को आयोजित होगा। प्रधानाचार्य डॉ. रवि शरण सिंह चौहान ने बताया कि सम्मेलन में बरेली, अलीगढ़ और आगरा मंडल के के प्रधानाचार्य सहभागिता करेंगे। सम्मेलन को प्रांतीय संगठन मंत्री हरिशंकर, क्षेत्रीय संगठन मंत्री ढोमेश्वर साहू, ब्रज प्रांत के प्रदेश निरीक्षक यशवीर सिंह संबोधित करेंगे। सम्मेलन में कार्य योजना बैठक भी आयोजित की जाएगी।

वन्यजीव संरक्षण में सहभागी बनेंगे अन्नदाता हरियाली से ढका रहेगा गढ़ा-लालपुर कॉरिडोर

किसानों ने शुरू की कॉरिडोर की राह में गन्ने की खेती, पीटीआर और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ कर रहे मदद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

किसानों को नि :शुल्क वितरण के लिए गांव पहुंची गन्ना बीज से भरी ट्रालियां। ● अमृत विचार

अमृत विचार : वन्यजीव संरक्षण की मुहिम में अब पीलीभीत के किसान भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व और विश्व प्रकृति निधि के साझा प्रयास से गढ़ा-लालपुर वन्यजीव कॉरिडोर को हरा-भरा करने की कवायद शुरू हो गई है। खास बात यह है कि कॉरिडोर के जिस 10 किमी के जंगल विहीन हिस्से में वन्यजीवों की आवाजाही में बाधा आती थी, वहां अब किसान गन्ने की फसल उगा रहे हैं। इससे न केवल वन्यजीवों के आवागमन की राह आसान हो सकेगी, बल्कि किसानों की आय में बढ़ोत्तरी होगी।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व 73 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में फैला हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में यहां के जंगलों में बाघों और अन्य वन्यजीवों की संख्या में खासी वृद्धि हुई है। वन्यजीवों के स्वच्छंद आवाजाही के लिए कॉरिडोर प्रबंधन अनिवार्य है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में मुख्य रूप से दो कॉरिडोर हैं। पहला लग्गाभग्गा-टाटरगंज-बराही कॉरिडोर है, जो नेपाल की शुक्ला फांटा सेंचुरी से लेकर दुधवा की किशनपुर सेंचुरी तक वन्यजीवों को रास्ता देता है। वहीं दूसरा माला रेंज की गढ़ा बीट से लालपुर होते हुए दियोरिया रेंज तक जाने वाला गढ़ा-लालपुर कॉरिडोर है। इसमें गढ़ा-लालपुर कॉरिडोर काफी पुराना है, लेकिन बीच में करीब 10 किमी का इलाका जंगल विहीन होने के कारण वन्यजीव असुरक्षित महसूस करते थे। इसी बाधा को दूर करने के लिए टाइगर रिजर्व प्रशासन और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ने एक माइक्रोप्लान तैयार किया। विभाग की ओर से किसानों को निशुल्क गन्ना बीज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसकी बुवाई किसानों ने शुरू कर दी है।

● एक जंगल से दूसरे में आसानी से जा सकेंगे वन्यजीव, मानव-वन्यजीव संघर्ष पर लगेगा अंकुश

"गन्ने की खेती से जहां किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी, वहीं गन्ने के खेतों से होते हुए वन्यजीव भी सुरक्षित और स्वच्छंद तरीके से एक जंगल से दूसरे जंगल में जा सकेंगे। यह कदम मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने में मील का पत्थर साबित होगा।
– **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

नि:शुल्क बीज उपलब्ध कराने से 40 एकड़ में लहलहाएगी गन्ने की फसल

विश्व प्रकृति निधि (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार के मुताबिक कॉरिडोर क्षेत्र में पिछले वित्तीय वर्ष में किसानों को निशुल्क गन्ना बीज वितरित किया गया था। जिसके फलस्वरूप करीब 18 एकड़ में गन्ने की पैदावार की थी। इस बार लक्ष्य को बढ़ाते हुए 1200 क्विंटल निशुल्क गन्ना बीज वितरण का प्लान बनाया गया है, जिससे करीब 40 एकड़ क्षेत्रफल कवर होगा। अब तक 300 क्विंटल बीज वितरित किया जा चुका है। इधर मंगलवार को भी किसानों को करीब 200 क्विंटल निशुल्क गन्ना बीज का वितरण किया गया।

जन आक्रोश यात्रा को लेकर भाजपा ने तय की रूपरेखा

बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर विपक्ष द्वारा लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध में किए मतदान की वजह से प्रस्तावित जन आक्रोश यात्रा के संदर्भ में कार्ययोजना तैयार की गई। इसे लेकर बैठक जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

जिलाध्यक्ष ने बताया कि संगठन के निर्देशानुसार जनपद में जन आक्रोश यात्रा का आयोजन होगा। 22 अप्रैल को जिला कार्यालय पर प्रेस वार्ता की जाएगी। 23 अप्रैल को गांधी प्रेक्षागृह में जन आक्रोश महिला सम्मेलन एवं जन आक्रोश महिला पदयात्रा निकाली जाएगी। 23 अप्रैल से 30 अप्रैल तक जिला पंचायत, नगर पालिका, नगर पंचायत विकास खंड, ग्राम पंचायतों में निंदा प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। इस मौके पर जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा, जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती, रेखा सिंह परिहार, नमन प्रताप राजपूत, विकास श्रीवास्तव, अतेंद्र पाल सिंह, मनोज गुप्ता, जिला मंत्री सत्यपाल वर्मा, सृष्टि गुप्ता, विकास वाल्मीकि, जिला कोषाध्यक्ष विकास पाल सिंह, अभिमन्यु गंगवार, हर्षित चौधरी, गोविंद पासवान, विवेक शुक्ला, प्रेम सागर, अनूप वाल्मीकि, सूरज प्रकाश, मनोज शर्मा आदि मौजूद रहे।

● 23 अप्रैल को निकाली जाएगी पदयात्रा

बीसलपुर मार्ग पर कार की टक्कर से चीतल की मौत

संवाददाता, बरखेड़ा

मार्ग पर पड़ा चीतल का शव।

अमृत विचार : पीलीभीत -बीसलपुर मार्ग पर मंगलवार सुबह बोलेरो की टक्कर से चीतल की मौत हो गई। चालक वाहन लेकर भाग गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने जानकारी कर अधिकारियों को अवगत कराया। चीतल के शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ। बोलेरो बरखेड़ा की तरफ तेज गति से आ रही थी। इस दौरान बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव गाजीपुर मुगल के पास स्थित गाजीपुर गौटिया की तरफ चीतल मार्ग पार कर रहा था। बोलेरो की टक्कर से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुछ ही देर में लोग जमा हो गए। सूचना मिलने पर गाजीपुर मुगल के रहने वाले न्यूनतम वेतनभोगी भूपराम मौके पर पहुंचे और चीतल की मौत की सूचना अधिकारियों को दी। चीतल के शव को कस्बा बरखेड़ा लाया और फिर राजकीय पशु चिकित्सालय पर डॉ.हरपाल सिंह ने पोस्टमार्टम किया। वन दरोगा इकबाल अहमद ने बताया चीतल की मौत हादसे में हुई है।

पति समेत सात के खिलाफ एफआईआर

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव खमरिया पंडरी की रहने वाली फरीदा बी पुत्री इसरार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 12 अक्टूबर 2025 में थाना जहानाबाद के गांव सेमरखेड़ा निवासी नाजिम अली पुत्र जाहिद अली से हुई थी। आए दिन पति व उसका भाई कासिम अली, नजिर अली, ननद याजदा बी, नंदोई अकरम, शेर मोहम्मद, सास रफीकन प्रताड़ित करते हैं। अतिरिक्त दहेज में पांच लाख रुपये और कार की मांग की जा रही है। इसे पूरा करने में असमर्थता जताने पर मारपीट की। वह किसी तरह जान बचाकर भाग आई। पुलिस ने पति समेत सात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

प्रारंभिक जांच में संविदा एएनएम दोषी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● जन्म के कुछ देर बाद ऑक्सीजन नहीं मिलने पर नवजात की मौत का मामला

● जांच कमेटी ने परिजनों के दर्ज किए बयान, एमओआईसी का जवाब तलब

अमृत विचार : प्रसव के कुछ देर बाद नवजात की मौत के मामले में सीएमओ की ओर से गठित कमेटी की प्रारंभिक जांच में संविदा एएनएम दोषी मिली। अन्य जिम्मेदारों की भी लापरवाही उजागर हुई है। नवजात की हालत गंभीर होने के बाद उसे रेफर नहीं किया गया। हालांकि ऑक्सीजन कंसंट्रेटर न चलने की बात गलत पाई गई। प्रारंभिक जांच के आधार पर एएनएम का तबादला करने के आदेश किए गए हैं। साथ ही एमओआईसी को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

बता दें कि बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम ज्योराह कल्यानपुर के सुनील कुमार ने 19 अप्रैल की रात 9 बजे गर्भवती पत्नी गीता देवी को प्रसव पीड़ा होने पर सीएचसी बरखेड़ा में भर्ती कराया गया था। जहां देर रात करीब दो बजे प्रसव के बाद बेटे का जन्म हुआ। आरोप है कि चंद मिनट बाद ही नवजात की मौत हो गई थी। बिजली जाने के बाद जनरेटर नहीं चलाया गया और ऑक्सीजन न मिलने से दम तोड़ दिया। मंगलवार को जांच कमेटी के एसीएमओ डॉ. ज्ञान प्रकाश बरखेड़ा सीएचसी पहुंचे। एमओआईसी डॉ. लोकेश गंगवार से नवजात की बीएचटी की जांच की गई। इसके बाद मृतक नवजात के परिजनों को बुलाया गया। सभी के बयान दर्ज किए गए। जिम्मेदारों का तर्क है कि बिजली चली गई थी। मगर ऑक्सीजन कंसटेंटर इनवर्टर पर चलाया गया। जांच में सामने आया कि प्रसव के बाद नवजात गंभीर स्थिति में था। मगर एएनएम ने परिजनों को इसकी जानकारी नहीं दी और न ही किसी जिम्मेदार को इसकी सूचना दी। एनएम से सवाल जवाब किए गए। मगर वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी। रिपोर्ट के आधार पर सीएमओ ने संविदा पर कार्यरत दोनों एएनएम को सीएचसी से हटाकर अन्य जगह से संबद्ध करने के आदेश दिए हैं। चेतावनी दी गई है कि अगर दोबारा लापरवाही सामने आई तो बर्खास्त कर दिया जाएगा। इसके अलावा एमओआईसी को भी नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया है।

नदी के संबंध में डीएम को सौंपा पत्र

बरखेड़ा, अमृत विचार : राष्ट्रीय पंचायत राज ग्राम प्रधान संगठन के जिला प्रभारी संजीव कुमार गंगवार ने डीएम को मांग पत्र सौंपा। जिसमें कहा कि पूरनपुर रोड पर बिठौराकलां से निकलने वाली अमेड़ी नदी विलुप्त के कगार पर है।

वर्ष 2005 से उपरोक्त नदी की अविरल धारा लगभग समाप्त हो चुकी है। माइनर के जल से उपरोक्त नदी को जीवित करके रखा गया है। मिल का गंदा पानी मुख्य कारण बना है। भू माफियों के कारण अविरल बहने वाली नदी आज बिलुप्ती के कंगार पर खड़ी है। उन्होंने डीएम से खंड विकास अधिकारी बरखेड़ा व एसडीएम बीसलपुर को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किए जाने की मांग की है।

कॉलेज में नारी शक्ति दीवार स्थापित कर किए हस्ताक्षर

कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 प्रचार अभियान के सन्दर्भ में नारी शक्ति दीवार स्थापित की गई। प्राध्यापिकाओं और छात्राओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में हस्ताक्षर किए।

निदेशिका सरोज जगोता ने कहा कि नारी समाज का एक महत्वपूर्ण अंग है। उसके बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। नारी का सम्मान करना एवं उसके हितों की रक्षा करना हमारे देश की सदियों पुरानी संस्कृति है। नारी ने भिन्न-भिन्न रूपों में अत्याधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संचालन प्राध्यापिका संगीता गंगवार ने किया। इस मौके पर सोनी, श्वेता, अंजलि, प्रिया, राशिका, हीराकली, अपर्णा, साक्षी, अनुष्का, जैसमिन, आशी आदि मौजूद रहे।

बाइक गिरने से तीन लोग घायल

उचौलिया, अमृत विचार: हरदोई जिले की पिहानी कोतवाली के गांव महमदपुर भगत निवासी सोहन पुत्र यशपाल, नरेंद्र पुत्र कल्लू और अशोक पुत्र मंगू, शाहजहांपुर से अपने गांव लौट रहे थे। उचौलिया के पश्चिम माइनर के पास गलत साइड से अचानक आई बाइक से इनकी बाइक हल्की सी टकराकर डिसबैलेंस होकर फिसलकर गिर गई जिससे तीनों को चोटें आई। मौके पर सेवा का जुनून टीम के संजीत सिंह सनी और उनके साथी पहुंचे। इन लोगों ने प्राथमिक ट्रीटमेंट देते हुए मलहम पट्टी की। इसी बीच पुलिस भी मौके पर पहुंची। तीनों घायलों को 1033 एंबुलेंस से जिला हॉस्पिटल शाहजहांपुर भेजा गया है। घायल बाइक चालक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

उपाधि महाविद्यालय के डॉ. मनोज को मिला ब्रिटिश पेटेंट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मनोज गुप्ता।

● पोर्टेबल हाइड्रो बायोलॉजिकल डोमेस्टिक सीवेज ट्रीटमेंट डिवाइस को मिला पेटेंट

अमृत विचार : उपाधि महाविद्यालय के नाम एक बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ी है। महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मनोज गुप्ता द्वारा तैयार किए गए पोर्टेबल हाइड्रोबायोलॉजिकल डोमेस्टिक सीवेज ट्रीटमेंट डिवाइस को यूके (ब्रिटेन) सरकार ने पेटेंट प्रदान किया है। इस सफलता से न केवल महाविद्यालय बल्कि पूरे जनपद का मान वैश्विक पटल पर बढ़ा है।

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मनोज गुप्ता ने बताया कि उनके द्वारा विकसित यह डिवाइस सीवेज वॉटर को उपचारित करने में सक्षम है। इसमें एक्वाटिक ऑर्गेनिज्म का उपयोग कर हाइड्रोबायोलॉजिकल प्रक्रिया के जरिए पानी से कार्बनिक कचरे को दूर किया जाता है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. दुष्यंत कुमार, विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों डॉ. केपी सिंह, डॉ. अमित कुमार, डॉ. राखी मिश्रा, डॉ. कविता कनौजिया, डॉ. जितेंद्र नाथ मिश्रा और डॉ. दुर्गेशधर द्विवेदी सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी है।

बढ़ा तापमान

चार दिन से बड़ी गर्मी, हीट वेब का दिख रहा असर, अब साढ़े सात बजे से चलेंगी क्लास

भीषण गर्मी से बेहाल हुए बच्चे, बदला स्कूलों का समय

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

छाते के सहारे गर्मी से बचाव करते हुए जाती महिला।

अमृत विचार : अप्रैल के आखिर में गर्मी प्रचंड होने लगी है। लगातार बढ़ते तापमान और हीट वेव के असर ने जनजीवन को बेहाल कर दिया है। एक ओर चिलचिलाती धूप और गर्म हवाएं लोगों को झुलसा रही हैं, वहीं बदलता मौसम बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। हालात को देखते हुए प्रशासन ने स्कूलों का समय बदल दिया है, जबकि अस्पतालों में भी मरीजों की बढ़ती संख्या ने चिंता बढ़ा दी है। चिकित्सक भी लगातार लोगों को सतर्क रहने की अपील कर रहे हैं।

बता दें कि तराई क्षेत्र पीलीभीत में गर्मी का प्रचंड रूप दिखना शुरू हो गया है। सूर्य के रौद्र रूप और पछुआ हवाओं की तपिश ने अप्रैल माह के आखिरी में विकराल रूप ले लिया है। मंगलवार को सुबह से ही प्रचंड गर्मी देखने को मिली। पछुआ हवाओं के साथ तापमान में सामान्य दिनों की तुलना तीन से चार डिग्री की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है, जो तापमान दो दिन पहले 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास था, वह मंगलवार को उछल कर 38.1 डिग्री पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री के आसपास बना हुआ है। गर्मी के चलते लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। सड़कों पर लोग तेज धूप से बचने के लिए छाता, दुपट्टा और गमछा लपेट कर चल रहे हैं। उमस अधिक होने से जगह-जगह जूस और ठंडे पानी की दुकानों पर लोग अपना गला तर करते दिखे। मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ फिजीशियन व सीएमएस डॉ. रमाकांत सागर के अनुसार तापमान में उतार-चढ़ाव और खानपान में लापरवाही के कारण वायरल संक्रमण, डिहाइड्रेशन, उल्टी, दस्त, बुखार और गले में खराश के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ओपीडी में रोजाना करीब 1285 मरीज पहुंच रहे हैं, जिनमें लगभग 300 मरीज पेट दर्द, दस्त और उल्टी से पीड़ित हैं। इसके अलावा वायरल बुखार, सूखी खांसी, टाइफाइड, डायरिया और पीलिया जैसे रोग भी तेजी से फैल रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि गर्मी में दूषित पानी और बासी भोजन का सेवन गंभीर बीमारियों को न्योता देता है। लोगों को दिनभर में कम से कम 3 से 4 लीटर स्वच्छ पानी पीने, हल्का और सुपाच्य भोजन करने और तेज धूप से बचने की सलाह दी गई है। आवश्यक होने पर ही बाहर निकलें और शरीर को पूरी तरह ढककर रखें। बच्चों और बुजुर्गों की विशेष देखभाल करने पर भी जोर दिया गया है। हीट बेव को लेकर आईसोलेशन वार्ड भी तैयार किया जा रहा है। साथ ही हीट बेव में जरुरत पड़ने वाले आईस पैक भी स्टोर कर लिए गए हैं। हालांकि अभी तक हीट बेव का कोई भी मरीज सामने नहीं आया है।

आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश

इधर, बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने कक्षा एक से आठ तक के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त विद्यालयों के समय में बदलाव कर दिया है। अब स्कूल सुबह 7 :30 बजे से दोपहर 12 :30 बजे तक संचालित होंगे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने बताया कि बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि तेज धूप में स्कूल आने-जाने में होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश सरकारी और निजी सभी स्कूलों पर लागू होगा और दोपहर बाद किसी भी प्रकार की गतिविधि संचालित नहीं की जाएगी। सिर्फ शिक्षक डेढ़ बजे तक शिक्षक स्कूल में रहकर कामकाज करेंगे। आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

● अस्पतालों में शुरू हुई तैयारी आइस पैक भी किए गए स्टोर, बन रहा आईसोलेशन वार्ड

न्यूज डायरी

जिला अधिकारी ने निरीक्षण कर परखे हालात, दिए निर्देश

पीलीभीत, अमृत विचार : डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने गांधी स्टेडियम में निर्माणाधीन हॉकी के एस्टोटर्फ खेल मैदान का निरीक्षण किया। उन्होंने अन्य खेल अवस्थापना सुविधाओं को भी देखा। सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी राजेश चौधरी, कार्यदायी संस्था के अधिशासी अभियंता उमेश दुबे, ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अनिल महेंद्रु, सुमित पटेल, दीपक सरकार ,जगदीश सक्सेना मौजूद रहे। डीएम ने निरीक्षण के दौरान स्टेडियम में मुहैया की जा रही खेल सुविधाओं की जानकारी जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह से ली। गांधी स्टेडियम में पुराना एथलेटिक्स ट्रैक को उत्तर दक्षिण दिशा में बनाए जाने के निर्देश दिए गए। जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने बताया कि बीच में फुटबॉल का मैदान बनाया जाएगा और उसी के निकट क्रिकेट खेल के लिए क्रिकेट मैदान तैयार किया जाएगा। खेल मैदान के चारों ओर वाकिंग ट्रेक बनाया जाएगा।

चेयरमैन ने किया एक और सीसी मार्ग का लोकार्पण

पीलीभीत, अमृत विचार : नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने शहर के वार्ड नम्बर सात में बाबूराम शर्मा के मकान से माधोटांडा रोड तक बनी नई सीसी सड़क का मंगलवार को लोकार्पण किया। ये सड़क लंबे समय से जर्जर थी और स्थानीय नागरिक सुधार की मांग कर रहे थे। सड़क की खराब स्थिति के कारण राहगीरों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। खासकर बरसात के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते थे। सीसी सड़क बनने से अब आवागमन सुगम होगा। जलभराव की समस्या से भी राहत मिल सकेगी। चेयरमैन ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में विकास कार्य कराना उनकी प्राथमिकता है और नागरिकों को बेहतर सड़क, जल निकासी व अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना पालिका की जिम्मेदारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगे भी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान कराया जाएगा। सभासद सुनीता सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

विज्ञान के सिद्धांतों को स्पष्ट किया

पीलीभीत, अमृत विचार : समाधान आईएपीटी अंवेषिका के तत्वाधान में मंगलवार को अवध पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विज्ञान के सिद्धांतों को स्पष्ट किया गया। बहुमुखी प्रतिभा प्रदर्शन के लिए कुमारी अर्चिता को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य आरती मिश्रा ने बताया कि रचनात्मकता नए और मौलिक विचारों को उत्पन्न करने की क्षमता है,जबकि नवाचार उन विचारों का व्यावहारिक,उपयोगी समाधान या सुधारो में बदलने की प्रक्रिया। लीक से हटकर सोचना समस्याओं के नए हल खोजना और व्यक्तिगत या व्यावसायिक विकास के लिए मौलिकता लाना,आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। प्रबंध निदेशक आशीष मिश्रा ने बताया कि कल्पना सेल सोच मौलिकता एवं प्रक्रिया रचनात्मकता के विभिन्न तत्व हैं। समन्वयक लक्ष्मीकांत शर्मा ने रचनात्मक और नवाचार के महत्व को बताया।

क्षतिग्रस्त नहर पुलिया से हादसे का खतरा

बिलसंडा, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के गांव रौतापुर से निकली निगोही ब्रांच नहर पुलिया क्षतिग्रस्त होने से हादसों की आशंका बनी है। दिन ही नहीं रात्रि के वक्त अधिक खतरा रहता है। किसानों को बड़े वाहन निकालने में दिक्कत होती है। कई बार वाहन फंसने से यातायात भी बाधित रहता है। बता दें कि नहर पुलिया से ब्लॉक क्षेत्र के गांव सिसैया साहब,नवदिया मरौरी,पस्तोर कुइयां, फिरसाह समेत कई गांवों के राहगीरों का आवागमन रहता है। ग्रामीणों ने पुलिया की मरम्मत कराए जाने को नगर स्थित कार्यालय नहर कोठी पर कई बार संपर्क किया लेकिन सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि रात्रि के समय घूमने वाले पशुओं को भगाते समय कई बार पुलिया की रेलिंग न होने से किसान चोटिल हो जाते हैं। एसडीओ सिंचाई विभाग सियाराम ने बताया कि जल्द ही पुलिया का निरीक्षण कर मरम्मत का कार्य शुरू कराया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- घुसपैठियों को बचा रहीं ममता - 10

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी सेंसेक्स 753 अंक उछला - 10

कांग्रेस ने बिरला को दिया प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस - 11

लखनऊ सुपर जॉयंट्स के टॉप आर्डर को जोफ्रा आर्चर से रहना होगा सावधान - 12

आज का मौसम
39.0° अधिकतम तापमान
24.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.40
सूर्यास्त 06.41

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष षष्ठी 10:49 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 22 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 147, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बरेली, पीलीभीत और बदायूं में घट रहा हरित क्षेत्र, शाहजहांपुर बचा रहा लाज

महिपाल गंगवार, बरेली

फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट बढ़ा रही टेंशन, प्लांटेशन पर हर साल भारी खर्च के बाद भी सिकुड़ रहे वन

अमृत विचार : शहर से देहात तक विकास और विस्तार की हवा वन एवं पर्यावरण संतुलन पर किस हद तक प्रभाव डाल रही है, ये सच अब सामने लगा है। वन सिकुड़ रहे हैं और कंकरीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के सर्वे में हरित चिंताएं बढ़ती दिख रही हैं। ग्रीनरी के लिए पहचाने जाने वाले पीलीभीत, बरेली, बदायूं जैसे राज्य के 28 जिलों में हरियाली का ग्राफ तेजी से गिर रहा है। यह स्थित तब है, जब हर साल प्लांटेशन पर सरकार भारी-भरकम बजट खर्च कर रही है, लेकिन परिणाम फिर भी उम्मीद के मुताबिक नहीं सामने आ रहे।

बरेली मंडल की बात करें तो राज्य के इस मध्य क्षेत्र को कुदरत ने जल, जंगल, जमीन के साथ नदियों का भरपूर उपहार दिया है। दिल्ली-लखनऊ के मध्य में बसे इलाके को गंगा, रामगंगा, शारदा, देवहा, बहगुल, सांख, गर्रा, कैलाश जैसी नदियां सिंचित करती हैं। दो दशक पहले तक रुहेलखंड के इस हिस्से पर अद्भुत चाद बिछी नजर आती थी, जिसमें साल दर साल कमी रिकॉर्ड की जा रही है। एफएसआई सर्वे 2023 में ही वन आच्छादित पीलीभीत जिले के 730 वर्ग किमी. में से 21.61 वर्ग किमी यानी 2162 हेक्टेयर फॉरेस्ट कवर कम पाया गया था। बरेली में 5.44 हेक्टेयर और बदायूं में 2.81 हेक्टेयर जंगल कम होने की बात सामने आई थी। हालांकि, शाहजहांपुर ने 2.25 हेक्टेयर की आंशिक ग्रीन बढ़ोत्तरी कर थोड़ी उम्मीद कायम रखी है। विशेषज्ञों का कहना है कि सड़कों के चौड़ीकरण, एक्सप्रेस वे बनने और शहरी-कस्बाई विस्तार ग्रीन कवर में कमी आने के प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। 2023 के बाद से बागों के नामोनिशान मिट रहे हैं। यही वजह है कि सर्वे रिपोर्ट 2025 के रुझानों में भी उम्मीद पर नाउम्मीदियों का साया घना होने के संकेत मिल रहे हैं।

बदलती तस्वीर

जनपद	2021 का क्षेत्र (हेक्टेयर)	2023 में कमी	वर्तमान स्थिति
पीलीभीत	68,943	21.61 हेक्टेयर	भारी गिरावट
बरेली	4,152	5.44 हेक्टेयर	चिंताजनक
बदायूं	1,938	2.81 हेक्टेयर	गिरावट
शाहजहांपुर	1,565	2.25 हेक्टेयर	आंशिक सुधार

बढ़ता तापमान खतरा

पहले हरी-भरी तराई का मौसम खुशगवारी के लिए पहचाना जाता था। मगर यहां भी असहनीय गर्मी और बेतहाशा सर्दी के हालात बनने लगे हैं। तापमानी बदलाव जैव विविधता के लिए संकट माना जा रहा है। वन प्रशासन धरातलीय सत्यापन कर कम होती हरियाली के कारक तलाशने में जुटा है।

यहां कम हुआ फॉरेस्ट कवर

पीलीभीत, बरेली, बदायूं, रामपुर, आगरा, आजमगढ़, बागपत, बलिया, बांदा, चंदौली, एटा, फतेहपुर, गौतमबुद्ध नगर, गाजीपुर, गोरखपुर, हरदोई, हाथरस, जौनपुर, कन्नौज, कानपुर देहात, कासगंज, खीरी, कुशीनगर, महराजगंज, मथुरा, मिर्जापुर, सीतापुर, सुल्तानपुर।

> बरेली मंडल में हरियाली घटना चिंता का विषय है। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की ताजा रिपोर्ट अभी नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलते ही विस्तृत अध्ययन कराएंगे और जमीनी स्तर पर हरियाली बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। सभी जिलों में लक्ष्य के अनुरूप प्लांटेशन भी उसी कड़ी का हिस्सा है, जिस पर लगातार काम चल रहा है। **-डा. अरुण कुमार सक्सेना**, वन एवं पर्यावरण मंत्री

ब्रीफ न्यूज

शरद पवार मुंबई में अस्पताल में भर्ती

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य शरद पवार को स्वास्थ्य जांच के लिए मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि 85 वर्षीय पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार को दो दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक सूत्र ने बताया, उन्हें जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोई गंभीर बात नहीं है। हाल ही में, पवार ने व्हीलचेयर पर बैठकर राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने दिल्ली में मीडिया को भी संबोधित किया था। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पवार को इस साल फरवरी में, सीने में संक्रमण और शरीर में पानी की कमी के कारण दो बार पुणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

20 महिला कर्मियों के उत्पीड़न का आरोप

चंडीगढ़। एक सरकारी स्कूल की 20 से अधिक महिला कर्मियों ने एक पुरुष शिक्षक के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई और उस पर कामकाज का प्रतिकूल वातावरण बनाने का आरोप लगाया है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। महिला कर्मियों ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के तहत शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में, महिलाओं ने अपने पुरुष सहकर्मी पर प्रतिकूल, असुरक्षित और अपमानजनक वातावरण बनाने का आरोप लगाया।

विपक्ष के खिलाफ मुख्यमंत्री संग सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में पदयात्रा, हजारों महिलाओं की भागीदारी

- योगी ने विपक्ष पर लगाया महिला विरोधी होने का आरोप, कहा- सबक सिखाएंगी महिलाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सड़कों पर उतरकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में पद यात्रा का नेतृत्व संभाला, तो कड़ी धूप के बावजूद जनसैलाब उमड़ पड़ा। तिरंगा हाथ में लहराते समूचा मंत्रिमंडल, भाजपा और सहयोगी दलों के शीर्ष नेता भी कदमताल करते दिखे।

हजारों महिलाओं का हुजूम कांग्रेस-सपा समेत विपक्षी दलों के खिलाफ बैनर-पोस्टर और तख्तियों के साथ आक्रोशित नजर आया। मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर महिला विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आधी आबादी अब सबक सिखाएगी।

मुख्यमंत्री आवास से प्रारंभ होकर सिविल हॉस्पिटल होते हुए विधान भवन तक पहुंची इस रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को विधानसभाओं और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, किंतु कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके सहित इंडी गठबंधन के दलों द्वारा इसे बाधित करने का प्रयास उनके अलोकतांत्रिक और महिला-विरोधी चेहरे को उजागर करता है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इन दलों को अपनी नकारात्मक छवि सुधारने का अवसर दिया गया था, किंतु इन्होंने उसका दुरुपयोग करते हुए महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय किया।

उन्होंने कहा कि देशभर में महिलाएं इस अन्याय के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रही हैं और लखनऊ की यह पदयात्रा उसी जनभावना का प्रतीक है।

लखनऊ में आयोजित 'जन आक्रोश महिला पद यात्रा' में सम्मिलित मुख्यमंत्री योगी।

धधक रहा था महिलाओं का आक्रोश

सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री आवास से प्रारंभ हुई इस पदयात्रा के समय भी चुभने वाली तेज धूप थी, लेकिन महिलाओं का आक्रोश उससे कहीं अधिक धधक रहा था। सुबह 7 बजे से ही मुख्यमंत्री आवास पर महिलाओं का जुटना शुरू हो गया था। हाथों में विपक्ष की कुत्सित राजनीति की निंदा करते हुए स्लोगन लिखी हुई तख्तियां और 'बहन- बेटियों का अपमान-नहीं सहेगा हिंदुस्तान, महिला अधिकारों पर वार-सपा-कांग्रेस जिम्मेदार, कांग्रेस का हाथ-नारी शक्ति के खिलाफ, नारी के सम्मान में-एनडीए मैदान में' जैसे गूंजते नारों के साथ यह रैली विपक्ष को बेनकाब करती हुई आगे बढ़ी। हर कदम पर महिलाओं का हुजूम साफ संदेश दे रहा था कि आधी आबादी के सम्मान और अधिकारों पर कोई समझौता नहीं, कोई चुप्पी नहीं, कोई माफी नहीं। महिलाओं ने सपा और कांग्रेस के विरुद्ध नारेबाजी की और महिला-विरोधी मानसिकता को खुलकर चुनौती दी।

अभूतपूर्व दृश्य, सरकार ही सड़क पर

लखनऊ के लिए यह एक अभूतपूर्व दृश्य था, जब पूरी सरकार ही सड़क पर थी। हजारों महिलाओं संग मुख्यमंत्री योगी सबसे आगे थे। उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, सहयोगी दलों के नेता, मंत्रिमंडल के सदस्यों और भाजपा की विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी अग्रिम पंक्ति में चल रहे थे। रैली के दौरान पूरे मार्ग पर अनुशासन और उत्साह का अद्वितीय संगम देखने को मिला। युवा, वृद्ध, छात्राएं और कामकाजी महिलाएं, हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी रही। आम जनता ने भी तालियों और नारों से इस पदयात्रा का समर्थन कर फूल बरसाए।

वार्ता में शामिल होगा ईरान, ट्रंप बोले समझौता नहीं हुआ तो करेंगे बमबारी

इस्लामाबाद, एजेंसी

- सीजफायर पर आर या पार, आज संघर्षविराम की समय सीमा हो रही खत्म
- पाकिस्तान में नए दौर की युद्धविराम वार्ता से जुड़े क्षेत्रीय अधिकारियों ने दिए संकेत

अमेरिका और ईरान ने संकेत दिया है कि वे इस्लामाबाद में नए दौर की युद्धविराम वार्ता में शामिल होंगे। दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब न तो अमेरिका और न ही ईरान ने सार्वजनिक रूप से वार्ता के समय की पुष्टि की है। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर तेहरान बुधवार को समाप्त हो रहे दो सप्ताह के युद्धविराम से पहले अमेरिका के साथ किसी समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो वह ईरान पर बमबारी शुरू कर देंगे।

अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के नेतृत्व वाले मध्यस्थों को इस बात की पुष्टि की गई है कि शीर्ष वार्ताकार, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर कलिबाफ, वार्ता में अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए बुधवार तड़के इस्लामाबाद पहुंचेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम समाप्त होने वाला है। दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अड़े हुए हैं।

ईरान के मुख्य वार्ताकार ने कहा है कि तेहरान के पास युद्ध के मैदान में ऐसे नए पत्ते हैं, जिनका खुलासा अभी तक नहीं किया गया है। अगर बातचीत फिर से शुरू होती है तो युद्धविराम की अवधि बढ़ने की संभावना है। 'व्हाइट हाउस' ने कहा है कि वेंस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, लेकिन ईरान ने यह नहीं बताया है कि वह किसे भेजेगा। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने मंगलवार को एक संदेश प्रसारित किया जिसमें कहा गया कि ईरान से कोई प्रतिनिधिमंडल अभी तक इस्लामाबाद नहीं गया है। होर्मुज पर नियंत्रण वार्ता की कुंजी है।

अमेरिकी सेना का ईरान के पूर्व में प्रतिबंधित पोत पर कब्जा

वाशिंगटन। रक्षा विभाग ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी सेना के जवान एक तेल टैंकर पर धावा बोलकर उसपर सवार हो गए और उसे अपने कब्जे में ले लिया है। इस टैंकर पर पहले एशिया में ईरानी कच्चे तेल की तस्करी के आरोप में प्रतिबंध लगाया गया था। पेंटागन ने कहा कि अमेरिकी सेना ने यात्रा के अधिकार के तहत समुद्री अवरोध उत्पन्न किया और एम/टी टिफानी नामक टैंकर पर उसके जवान बिना किसी प्रतिरोध के सवार हो गए। जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि टिफानी श्रीलंका और इंडोनेशिया के बीच हिंद महासागर में था। घोषणा के अनुसार यह घटना रात में घटित हुई।

मुन्नापुरवा गांव में लगी आग, दो दर्जन घर जले

मझगईं के मुन्नापुरवा में अग्निकांड में जले घर।

- बिजली के तारों में हुई स्पार्किंग से हुआ हादसा
- करीब दो दर्जन घर एवं सामान जलकर राख

संवाददाता, मझगईं (खीरी)

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव मुन्ना पुरवा में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे बिजली के तारों में हुई स्पार्किंग से भीषण आग लग गई। आग की शुरुआत गंगाराम के घर से हुई और तेज हवा के चलते देखते ही देखते लपटें फैलकर पूरे मोहल्ले को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि लोग जान बचाकर घरों से बाहर भागे, जबकि घरों में रखा सामान जलकर राख हो गया। वहीं, हुलासी राम का 20 वर्षीय पुत्र रोहित गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे एंबुलेंस से निघासन सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों सिसवारा गदियाना, भादुरैहिया गदियाना, बोटन पुरवा, मोती पुरवा और पतिया से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने में जुट गए। पशुबाड़ों में बंधे जानवरों को भी रस्सियां काटकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। सूचना के बावजूद दमकल विभाग की टीम करीब एक घंटे की देरी से मौके पर पहुंची, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।

मौके पर केवल एक फायर ब्रिगेड मशीन पहुंचने पर ग्रामीणों और कर्मचारियों के बीच नोकझोंक भी हुई। बाद में पुलिस कर्मियों एसआई राम सुमेर साहनी और दीवान महेंद्र सिंह ने समझाकर स्थिति को शांत कराया। इसके बाद पलिया से अतिरिक्त दमकल वाहन बुलवाया गया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों और दमकल टीम ने आग पर काबू पाया।

खरगे ने पीएम को बोला आतंकवादी, भाजपा ने कहा-माफी मांगें, ईसी को दी शिकायत

चेन्नई। भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष खरगे द्वारा प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहे जाने की निंदा करते हुए इसे देश के लोगों का अपमान बताया और विपक्षी दल से माफी की मांग की। इस संबंध में निर्वाचन आयोग को शिकायत दी है।

सत्तारूढ़ दल ने दावा किया कि खरगे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इशारे पर मोदी के खिलाफ इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी की है क्योंकि प्रधानमंत्री लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 % आरक्षण देना चाहते हैं। चेन्नई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, खरगे ने अन्नाद्रमुक के भाजपा के साथ गठजोड़ की आलोचना करते हुए शुरुआत में प्रधानमंत्री को 'आतंकवादी' कहा। जब संवाददाताओं ने उनसे टिप्पणी के संदर्भ को स्पष्ट करने का आग्रह किया, तो खरगे ने कहा कि उनका मतलब था कि पीएम देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को 'आतंकित' कर रहे हैं।

एप्पल के सीईओ पद से हटेंगे टिम कुक जॉन को सौंपेंगे कमान

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने अपने पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी है और उनके बाद कंपनी के हार्डवेयर इंजीनियरिंग प्रमुख जॉन टर्नस यह जिम्मेदारी निभाएंगे। स्टीव जॉब्स के बाद यह जिम्मेदारी संभालने वाले टिम कुक का सीईओ के रूप में लगभग 15 साल का कार्यकाल सितंबर में समाप्त हो जाएगा। उनके कार्यकाल में आईफोन की बढ़ती मांग के कारण कंपनी का बाजार मूल्य 3,600 अरब डॉलर से भी अधिक पहुंच गया। कुक (65) एक सितंबर को सीईओ की जिम्मेदारियां जॉन टर्नस को सौंप देंगे लेकिन वह कैलिफोर्निया के क्यूपर्टिनो स्थित इस कंपनी में कार्यकारी चेयरमैन के तौर पर जुड़े रहेंगे।

दो साल से कम अंतर पर भी दूसरा मातृत्व अवकाश मान्य

विधि संवाददाता, लखनऊ

हाईकोर्ट का फैसला

- कहा, सरकार की वित्तीय हैंड बुक मातृत्व लाभ कानून के ऊपर नहीं

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि पहली मातृत्व अवकाश लेने के दो वर्ष के भीतर दूसरे मातृत्व अवकाश पर रोक नहीं लगाई जा सकती।

कोर्ट ने यह भी कहा कि इस विषय में वित्तीय हैंडबुक के प्रावधान मातृत्व लाभ कानून के ऊपर नहीं हो सकते। उक्त आदेश न्यायमूर्ति करुणेश की एकल पीठ ने मनीषा यादव की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका में 4 अप्रैल 2026 को पारित उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसके जरिए याची की दूसरी मातृत्व अवकाश की मांग को अस्वीकार कर दिया गया था। याची की ओर से अधिवक्ता चिन्मय मिश्रा ने दलील दी कि मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 एक लाभकारी कानून है और इसके प्रावधानों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वहीं, राज्य की ओर से वित्तीय हैंडबुक के नियम 153(1) का हवाला देते हुए कहा गया कि दो प्रसूति अवकाश के बीच कम से कम दो वर्ष का अंतर होना आवश्यक है। कोर्ट ने पूर्व के निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि मातृत्व लाभ अधिनियम संसद द्वारा बनाया गया कानून है और यह किसी भी कार्यपालिका निर्देश या वित्तीय हैंडबुक के प्रावधानों से ऊपर है। ऐसे में, यदि दोनों में कोई विरोधाभास हो, तो अधिनियम के प्रावधान ही प्रभावी होंगे। कोर्ट ने पाया कि याची की पहली संतान 2021 में हुई थी और इसके बाद उन्होंने वर्ष 2022 में दूसरी प्रसूति अवकाश के लिए आवेदन किया था, जिसे गलत आधार पर खारिज कर दिया गया।

सबरीमाला मामला

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा – क्या जन्म या वंश के आधार पर भगवान को छूने से रोकना संवैधानिक है

क्या संविधान उस श्रद्धालु की रक्षा नहीं करेगा जिसे मूर्ति छूने की अनुमति नहीं

- नौ जजों की संविधान पीठ भेदभाव व धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से संबंधित मामले पर कर रही सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने मंगलवार को सबरीमाला अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी से पूछा कि क्या संविधान उस श्रद्धालु की रक्षा नहीं करेगा जिसे मूर्ति छूने की अनुमति नहीं है। कोर्ट की यह टिप्पणी मुख्य पुजारी के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि जब कोई श्रद्धालु पूजा के लिए मंदिर जाता है तो यह किसी देवता की विशेषताओं के विरोध में नहीं हो सकता।

नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव व विभिन्न आस्थाओं को मानने वाले लोगों द्वारा पालन की जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और सीमा से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई कर रही है। पीठ ने 'तंत्री' की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता वी गिरि ने कहा कि किसी भी मंदिर में संपन्न होने वाले समारोहों और अनुष्ठानों की प्रकृति धर्म का अभिन्न अंग है और इसलिए यह एक धार्मिक प्रथा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रथा का जारी रहना, जो एक आवश्यक धार्मिक प्रथा है, पूजा के अधिकार का एक हिस्सा होगा जो धर्म या धार्मिक संप्रदाय में विश्वास रखने वाले प्रत्येक सदस्य के लिए है।

गिरि ने कहा, जब कोई भक्त पूजा के लिए मंदिर जाता है, तो वह देवता के गुणों के विरुद्ध नहीं जा सकता, क्योंकि उसका उद्देश्य देवता की पूजा करना है। भक्त देवता में निहित दिव्य ओज के प्रति समर्पण करता है। उसे देवता के मूल गुणों को स्वीकार करना होता है।

सृष्टिकर्ता और सृष्टि में कोई अंतर नहीं हो सकता : न्यायमूर्ति अमानुल्ला

न्यायमूर्ति अमानुल्ला ने प्रश्न किया, जब मैं किसी मंदिर में जाता हूं, तो मेरी मूल मान्यता यह होती है कि वह भगवान है, वह मेरा सृष्टिकर्ता है, उसने मुझे बनाया है, है ना? न्यायमूर्ति अमानुल्ला ने कहा, मैं वहां शत प्रतिशत आस्था के साथ जाता हूं। मैं पूरी तरह समर्पित हूं, मेरे हृदय में कोई अशुद्धता नहीं है और वहां मुझे बताया जाता है कि जन्म, वंश या किसी विशेष परिस्थिति के कारण, आपको देवता को छूने की अनुमति नहीं है। अब, क्या संविधान मेरी मदद नहीं करेगा? उन्होंने कहा कि सृष्टिकर्ता और सृष्टि में कोई अंतर नहीं हो सकता। इस पर गिरि ने उत्तर दिया कि यदि किसी के पुजारी बनने पर पूर्ण प्रतिबंध है, तो इसका ध्यान या तो अनुच्छेद 25(2)(बी) कानून द्वारा रखा जाए या इसका ध्यान स्वयं राज्य द्वारा रखा जाए। यदि पुजारी का अर्थ वह व्यक्ति है जिसे शास्त्रों में पूजा-अर्चना करने और देवता की आराधना करने का निर्देश दिया गया है, यदि किसी व्यक्ति के जन्म के आधार पर पुजारी बनने और फिर 'सेवा' करने पर पूर्ण प्रतिबंध है, तो इसका समाधान या तो अनुच्छेद 25(2)(ख) के तहत कानून बनाकर किया जाएगा या राज्य द्वारा स्वयं किया जाएगा।" मामले में सुनवाई जारी है।

फजीहत होने के बाद भी अव्यवस्थाएं हावी

बरखेड़ा सीएचसी : दिनभर गुल रही बिजली के बाद भी जनरेटर बंद, जांचें प्रभावित, मरीज-तीमारदार बेहाल

संवाददाता, बरखेड़ा (पीलीभीत)

अमृत विचार : नवजात की मौत के बाद बरखेड़ा सीएचसी की व्यवस्थाओं पर सवाल उठ चुके हैं। इसकी जांच के आदेश करने के साथ ही टीम गठित की जा चुकी हैं। मगर, इन सबका कोई खास असर स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों पर पड़ता नहीं दिख रहा। दूसरे ही दिन छह घंटे से अधिक समय तक बरखेड़ा सीएचसी में बिजली गुल रही। स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई। मरीज-तीमारदार के साथ ही स्टाफ तक भीषण गर्मी में परेशान होता रहा। मगर, इसके बावजूद जनरेटर नहीं चलाया गया। आलम ये रहा कि लैब में अंधेरा बढ़ा तो खिड़कियां खोलकर रोशनी तलाशनी पड़ी। हर कोई परेशान हुआ लेकिन जिम्मेदार यही दावा करते रहे कि सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा। दोपहर बाद सप्लाई सुचारू होने पर कुछ राहत मिल सकी। हालांकि तब तक ओपीडी का समय निकल चुका था।

सीएचसी-पीएचसी पर पहुंचने वाले मरीजों की सहुलियत के लिए व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने के लिए शासन स्तर से गंभीरता बरती जा रही है। स्टाफ के साथ ही संसाधनों को मुहैया कराने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रसव की सुविधाएं भी सीएचसी स्तर पर की गई है। हालांकि लारवाही से जुड़े मामले भी अक्सर उजागर होते रहे हैं। बरखेड़ा सीएचसी की बात करें तो अभी दो दिन पहले ही एक बड़ा मामला सामने आया। एक नवजात की मौत के बाद परिवार की ओर से ये आरोप लगाए गए कि अचानक बिजली गुल होने के बाद स्टाफ ने जनरेटर चालू नहीं किया और ऑक्सीजन न मिलने से नवजात की जन्म के चंद मिनट बाद ही मौत हो गई। इसे लेकर सीएचसी के जिम्मेदार तर्क दे रहे थे कि जनरेटर की सुविधा मुहैया है। आरोपों को भी गलत करार दिया जा रहा था।

मगर, अव्यवस्थाओं से जुड़ी तस्वीर मंगलवार को भी खुलकर सामने आई। बताते हैं कि बरखेड़ा सीएचसी में बिजली सप्लाई के लिए तीन फेस है। दो फेस की सप्लाई सुबह से ही बाधित रही और एक फेस आने के बाद उसका भी कोई लाभ नहीं मिल पा रहा था। ऐसे में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से बाधित और बेपटरी दिखाई दी। यहां पर सीएचसी के कमरे को छोड़ अन्य कक्षों के अधिकांश पंखे लाइटें बिजली न आने के चलते बंद रही। कंप्यूटर, जांच मशीनें आदि भी शोपीस बनकर रह गए। दोपहर करीब दो बजे बिजली सप्लाई चालू हो सकी। मगर, ओपीडी के समय में बिजली गुल रही और जनरेटर चलाने की जहमत नहीं उठाई गई। इसके पीछे कुछ जिम्मेदार ये तर्क देते नजर आए कि जनरेटर चलाने की समय सीमा तय है। इसे अधिक देर तक नहीं चलाया जा सकता। नतीजतन बिना बिजली के मरीज तीमारदार और स्टाफ को परेशान होना पड़ा।

बिना बिजली के बंद पड़े पंखे के बीच मरीज देखते चिकित्सक।

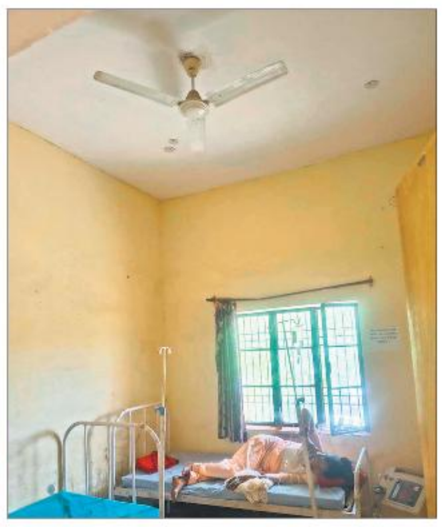
बिना बिजली के गर्मी में इमरजेंसी में भर्ती महिला मरीज।

> तीन में से दो फेस की बिजली सप्लाई नहीं आ रही थी। सीएचसी में सोलर पैनल लगा है। इनवर्टर की भी व्यवस्था है। ऐसे में कार्य प्रभावित नहीं हुआ है। जनरेटर भी जरूरत पड़ने पर चलवाया जाता है। पर्चे मैन्युअल तरीके से बनवा लिए गए थे। जांच के लिए सैंपल एकत्र किए जाते रहे थे। – **डॉ. लोकेश गंगवार**, एमओआईसी

पर्चा बनवाने के लिए सीएचसी बरखेड़ा में लगे तीमारदार। ● अमृत विचार

लैब में पसरा अंधेरा तो खिड़की खोल चलाया काम

बिजली न आने के बाद जनरेटर नहीं चलाया गया। ऐसे में लैब में भी कामकाज बाधित नजर आया। बिना बिजली के न तो सीबीसी मशीन चल सकती है, न ही माइक्रोस्कोप। ऐसे में लैब कक्ष में अंधेरा पसरा रहा। यहां पर मौजूद कर्मचारियों को काम करने के लिए रोशनी की जरूरत पड़ी तो बताते है कि कक्ष की पीछे की तरफ की खिड़की खोलकर काम चलाना पड़ा। दिनभर में गर्भवती व जनरल मरीजों के कुल 50 सैंपल लिए गए ।हालांकि उनकी स्लाइड बनाई गई थी, जिनकी बाद में सैंपल की जांच होती रही।

15 ऑनलाइन, 119 पर्चे बने मैन्युअल

मंगलवार को बरखेड़ा सीएचसी की ओपीडी में कुल 134 पर्चे बने। बिजली न आने के चलते महज पंद्रह पर्चे ही ऑनलाइन बनाए गए। बकाया 119 पर्चे मैन्युअल तरीके से बनवाए गए। दंत रोग चिकित्सक डॉ. अरविंद गंगवार ने ओपीडी में सभी बीमारियों के मरीजों को देखा। बताते हैं कि यहां वैसे तो तीन से चार एमबीबीएस चिकित्सक भी हैं। मगर वह ओपीडी नहीं करते हैं। उनके द्वारा सिर्फ इमरजेंसी ड्यूटी की जाती है।

सीएम के आगमन से पहले लगीं चौपालें, सुनीं समस्याएं

जनचौपाल में ग्रामीणों की समस्या सुनते डीपीआरओ रोहित भारती। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं के बारे में भी बताया

अमृत विचार : मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। डीएम के निर्देश पर तहसील सदर के न्यूरिया कॉलोनी के पांच किमी दायरे में आने वाले सभी गांवों में जनचौपाल का आयोजन शुरू किया गया है। चौपाल में अधिकारियों ने सरकार की योजनाओं के बारे में बताने के साथ ग्रामीणों की शिकायतों को भी सुना और उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

जनपद में मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ का कार्यक्रम प्रस्तावित है। हालांकि अभी कोई निर्धारित तिथि तय नहीं की गई है। संभवता मुख्यमंत्री इसी माह जनपद का दौरा करेंगे। इधर मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देशानुसार कार्यक्रम स्थल के पांच किमी दायरे में आने वाले गांवों में जन चौपाल का आयोजन किया गया है। मंगलवार को ग्राम पंचायत भरतपुर, टांडा विजैसी, उल्करी ढकिया, न्यूरिया हुसैनपुर, हरईया उर्फ हरकिशनापुर, गौहर, भमौरा एवं विथरा में चौपालें लगाई गईं।

इसमें डीपीआरओ रोहित भारती समेत एडीओ पंचायत मरौरी एवं अमरिया, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी और पंचायत सचिवों की मौजूदगी में योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया। चौपाल के दौरान भरतपुर के ग्रामीणों ने गांव में आंगनबाड़ी केंद्र और सीएससी के लिए पर्याप्त जगह न होने की बात कही। इसके अलावा जर्जर सड़कों और नालियों के निर्माण की मांग भी की गई।

पेंशन की समस्या को लेकर भी कई पात्र लाभार्थियों ने अधिकारियों को बताया कि उनके खातों में लंबे समय से धनराशि नहीं पहुंची है।

मौके पर मौजूद अधिकारियों ने इन शिकायतों को नोट कर जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया है।

घनी आबादी के बीच बिना लाइसेंस चलता मिला कोल्ड स्टोरेज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- उद्यान विभाग की टीम ने की छापेमारी, संचालक नहीं दिखा सके कोई अभिलेख
- नोटिस जारी कर दो दिन में जवाब दाखिल न करने पर दी कार्रवाई करने की चेतावनी

अमृत विचार : शहर के रिहायशी इलाके में बिना अनुमति और बिना लाइसेंस के संचालित हो रहे एक निजी कोल्ड स्टोरेज पर जिला उद्यान विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। विभाग के निरीक्षण के दौरान मिली भारी अनियमितताओं के बाद विभाग ने संचालक को नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

मामला शहर के मोहल्ला डालचंद स्थित मेसर्स अग्रवाल कोल्ड स्टोरेज एंड आइस फैक्ट्री का है। बताते हैं कि यह कोल्ड स्टोर अवैध तरीके से बिना लाइसेंस ही संचालित किया जा रहा है।

मामले की जानकारी लगने पर बीते 17 अप्रैल को प्रभारी जिला उद्यान अधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने कोल्ड स्टोर में छापेमारी की थी। टीम में उद्यान निरीक्षक फूल कुमार और सहायक उद्यान निरीक्षक रामेश्वर दयाल गंगवार आदि ने निरीक्षण के दौरान पाया कि पूर्व में आइस फैक्ट्री के रूप में पंजीकृत इस परिसर में अब गुप्त रूप से एक चेंबर बनाकर उसे निजी कोल्ड स्टोरेज के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां भारी मात्रा में आलू के साथ-साथ संतरा, अंगूर और बेल जैसे कृषि उत्पादों का भंडारण पाया गया। बताते हैं कि टीम ने इससे संबंधित अभिलेख कोल्ड स्टोर संचालक से मांगे तो संचालक के पास न तो कोल्ड स्टोरेज संचालन का लाइसेंस मिला और न ही अग्निशमन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या विद्युत विभाग की एनओसी आदि अभिलेख दर्शाए गए। इस मामले में प्रभारी जिला उद्यान अधिकारी मृत्युंजय सिंह द्वारा कोल्ड स्टोरेज संचालक को नोटिस जारी किया गया है।

जारी नोटिस में कहा गया कि बिना लाइसेंस कोल्ड स्टोरज संचालित करना उत्तर प्रदेश कोल्ड स्टोरेज अधिनियम-1976 के नियमों का खुला उल्लंघन है। बिना अभिलेखीय प्रक्रिया पूरी किए ही जनपद के घनी आबादी वाले क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज में कूलिंग के लिए अमोनिया गैस का प्रयोग किया जा रहा है। गैस रिसाव की स्थिति में यहां बड़ी जनहानि की आशंका हो सकती है। जोकि अपराध की श्रेणी में आता है। नोटिस में पत्र प्राप्ति के दो दिन के अंदर साक्ष्य समेत स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं। अन्यथा की स्थिति में विधिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। उन्होंने बताया कि बिना लाइसेंस और बिना अनुमति के कोल्ड स्टोरेज का संचालन करना गंभीर अपराध है।

निरीक्षण के दौरान संचालक कोई भी वैध दस्तावेज या लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सके। रिहायशी इलाके में बिना सुरक्षा मानकों के अमोनिया गैस का उपयोग करना जनता की जान से खिलवाड़ है। संचालक को दो दिन का समय दिया गया है, यदि वे अपना पक्ष नहीं रखते हैं तो अधिनियम की धारा 37/38 के तहत विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

छात्रा को दूसरे समुदाय के युवक ने छेड़ा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- शोर मचाने पर भीड़ ने शोहदे को पकड़ा, जमकर पीटा

अमृत विचार : स्कूल जाने के लिए घर से निकली 13 वर्षीय छात्रा को दूसरे समुदाय के युवक ने रास्ते में रोक लिया और छेड़छाड़ कर दी। छात्रा के शोर मचाने पर भीड़ ने आरोपी को मौके पर पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की। पुलिस मौके पर पहुंच गई। आरोपी को हिरासत में ले लिया है। परिजन भी मौके पर पहुंच गए और आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के एक गांव की निवासी कक्षा आठ की छात्रा मंगलवार सुबह रोजाना की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। आरोप है कि मोहम्मद आदिल नाम का युवक पिछले कई दिनों से उसका पीछा कर रहा था और रास्ते में परेशान करता था। मंगलवार को भी आरोपी छात्रा के पीछे लग गया और रास्ते में उसके साथ छेड़छाड़ की। छात्रा ने साहस दिखाते हुए एक राहगीर से फोन लेकर अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग आसपास के स्थानीय लोगों के साथ मौके पर पहुंच गए। लोगों ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। इस दौरान गुस्साए लोगों ने आरोपी की पिटाई भी कर दी। मामले की जानकारी मिलते ही सुनगढ़ी पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को भीड़ से छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। पुलिस उसे थाने ले गई, जहां पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला फीलखाना निवासी मोहम्मद आदिल बताया है। प्रभारी निरीक्षक सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

समस्या का निस्तारण नहीं होने पर भड़की भाकियू

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की मासिक पंचायत मंगलवार को मंडी समिति परिसर स्थित कृषक भवन में हुई। पंचायत में जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा ने कहा कि जनपद में किसानो के गेहूं खरीद के लिए सरकारी क्रय केंद्र खोले गए है, मगर क्रय केंद्रों पर बारदाना भुगतान आदि की कोई व्यवस्था नहीं है जिसके कारण किसानों का गेहूं नहीं तौला जा रहा हैं।

प्रशासन तत्काल गेहूं खरीद व्यवस्था को दुरुस्त करें। साथ ही छुट्टा पशुओं, जंगली जानवरों एवं बाघों के आतंक से निजात दिलाने, नहरों में सफाई कराकर अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की मांग की गई। कहा कि यदि समस्याओं का समाधान शीघ्र नहीं किया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। मंडल उपाध्यक्ष नरेश मिश्रा ने कहा कि इस समय स्मार्ट मीटर की वजह से उपभोक्ता परेशान है। तकनीकी खराबी को तत्काल ठीक कराया जाए। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्यारेलाल वर्मा ने नकली दवाएं बेचने वालों के विरुद्ध छापामार कार्यवाही करने की मांग की। पंचायत में जिला मीडिया प्रभारी गुरजीत सिंह विर्क आदि मौजूद रहे।

किशोरी को अगवा करने वाला गिरफ्तार

पीलीभीत, अमृत विचार : किशोरी को फुसलाकर ले जाने वाले आरोपी को जहानाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बता दें कि जहानाबाद क्षेत्र की एक किशोरी का सोशल मीडिया इंस्टाग्राम के माध्यम से राजस्थान के बाडमेर जिले के कोतवाली क्षेत्र के ग्राम आरटी बाखासर निवासी टीकराम पुत्र बच्चूलाल से दोस्ती हो गई थी। इसके बाद आरोपी किशोरी को फुसलाकर ले गया था। इस मामले में किशोरी के परिजनों ने कोतवाली जहानाबाद में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने एक सूचना के आधार पर किशोरी को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

शांतिकुंज हरिद्वार से पहुंची ज्योति कलश यात्रा का किया स्वागत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में आयोजित पावन श्री ज्योति कलश यात्रा का मंगलवार को गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के जन सहयोग कार्यालय पर स्वागत किया गया। ललौरीखेड़ा ब्लाक प्रमुख अजय सिंह गंगवार समेत अन्य लोगों ने पुष्प वर्षा एंव पूजन अर्चन कर अभिनन्दन किया। बता दें कि अखण्ड दीप शताब्दी वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में ज्योति कलश यात्रा की शुरुआत 12 अप्रैल से 16 मई तक की गई है, जोकि विभिन्न जनपदों में होकर गुजरेगी। गायत्री शक्ति पीठ परिवार के सदस्यों की सहभागिता के साथ ज्योति कलश यात्रा का गौहनिया चौराहे से शुरू होकर गन्ना राज्यमंत्री के जन सहयोग कार्यालय पर पहुंची। वहां कलश यात्रा का स्वागत किया गया। इस मौके पर कार्यालय प्रभारी सुनील मिश्रा, भाजपा नगर महामंत्री अमरीश शर्मा उर्फ अम्बू, पूर्व भाजपा नगर महामंत्री मनोज मिश्रा, शान्ति स्वरूप शर्मा, ऋषि श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। प्रसाद वितरण कर कलश यात्रा को आगे के लिए रवाना किया गया। गायत्री शक्तिपीठ नकटादाना के प्रमुख प्रबंधक पीएल गंगवार ने बताया कि कलश यात्रा रात्रि विश्राम करने के बाद 22 अप्रैल को बरखेड़ा के लिए प्रस्थान करेगी।

कलश यात्रा के स्वागत के मौके पर ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार।

- गन्ना राज्यमंत्री के जन सहयोग कार्यालय पर लोगों ने किया पूजन

अग्निपीड़ितों का जाना हाल, मदद भी की

पीलीभीत, अमृत विचार : पूरनपुर तहसील क्षेत्र के शारदापार ग्राम राणाप्रताप नगर में सोमवार को भीषण आग लग गई थी। घरों में रखा सामान जल गया था और प्रभुनाथ गौतम, कासिम अली और साहिवा बेगम झुलस गए थे।

मंगलवार को समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू गांव पहुंचे। पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान उन्होंने अपने स्तर से आर्थिक सहायता भी की। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

पीड़ितों का हाल जानने पहुंचे राजकुमार राजू।

शहर में आज

- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे से।
- ज्योति कलश यात्रा का बरखेड़ा को प्रस्थान सुबह 08 बजे से।
- श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर में आरती शाम 07 बजे।
- मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम सुबह 09 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

ओवरलोडिंग पर नहीं कस सका शिकंजा

बिलसंडा, अमृत विचार : वाहनों में की जा रही ओवरलोडिंग पर सख्ती नहीं हो सकी है। मार्ग से गुजरते राहगीरों को ओवरलोड वाहनों से हादसे का डर बना हुआ है। मुख्य मार्गों पर ऐसे वाहन दौड़ रहे हैं, लेकिन उन पर कार्रवाई नहीं हो रही है। भूसा लदे वाहनों का हाल सबसे खतरनाक है। चलते वक्त उड़ता भूसा भी राहगीरों की आंख में पहुंचता है। इसके अलावा कई बार तो वाहन पलटते से दिखाई देते हैं।

घर के बाहर खड़े युवक को पीटा, एफआईआर

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव करनापुर निवासी पोपीराम पुत्र मोतीराम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 20 अप्रैल को रात करीब साढ़े दस बजे उसका पुत्र दिनेश कुमार घर के बाहर खड़ा था। आरोप है कि गांव के छुट्टका, महावीर, देबू, रामू ने पुत्र से मारपीट की। पत्नी सुनीता देवी बचाने गई तो उनको भी पीटा। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

मरीज को शराब देने पहुंचा युवक, मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला अस्पताल में मरीज इमरजेंसी वार्ड में भर्ती था। बताते हैं कि एक व्यक्ति शराब की बोतल लेकर पहुंचा और मरीज को गिलास में शराब देने की कोशिश की। सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोका तो वह भिड़ने लगा। अन्य लोग भी शोर पर जमा हो गए और फिर संबंधित युवक की बताते हैं कि कुछ लोगों ने पिटाई कर दी। हालांकि बाद में मामला शांत करा दिया गया।

करंट से झुलसकर संविदा कर्मचारी कंबाइन से कुचलकर महिला की मौत

घुंघचिहाई और बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में हुए हादसे, पोस्टमार्टम के लिए भेजे शव

संवाददाता, घुंघचिहाई/बीसलपुर

इसी बाइक पर सवार थीं महिला।

इसी स्थान पर मोटर ठीक करते वक्त करंट लगने से हुआ हादसा।

दिनेश राठौर।

- घायल को उपचार के लिए सीएचसी में कराया भर्ती

अमृत विचार : घुंघचिहाई क्षेत्र में खेत पर लगे मोटर को ठीक करते वक्त करंट लगने से पावर कॉरपोरेशन के संविदा कर्मचारी की मौत हो गई। वहीं, बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में पति संग आ रही शाहजहांपुर की एक महिला की कंबाइन की टक्कर लगने से जान चली गई। संबंधित थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी की। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसों के बाद दोनों परिवारों में चीख पुकार मची रही।

घुघचिहाई थाना क्षेत्र के ग्राम सिमरिया ताल्लुके अजीतपुर बिल्हा के रहने वाले 36 वर्षीय दिनेश राठौर पुत्र रुपलाल पावर कॉरपोरेशन में संविदाकर्मी थे। वह पूरनपुर डिवीजन में कार्यरत थे। सोमवार देर शाम वह घर से करीब एक किमी दूरी पर खेत पर लगी मोटर को ठीक करने के लिए गए थे। इस दौरान उन्हें करंट लग गया और उनकी मौत हो गई। इसकी सचूना मिलने पर घुंघचिहाई पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। इंस्पेक्टर घुंघचिहाई जयशंकर सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के तीन बच्चे हैं। मृतक के करीब तीन बीघा जमीन थी। उसी से बह गुजर बसर करता था। उसकी मौत के बाद परिवार वालों का रोकर बुरा हाल रहा।

उधर, दूसरा हादसा बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में हुआ। कंबाइन की चपेट में आकर बाइक सवार महिला की जान चली गई। मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे शाहजहांपुर जनपद के तिलहर थाना क्षेत्र के ग्राम बाबूपुर निवासी अक्षय कुमार अपनी 25 वर्षीय पत्नी बीरोजा देवी के साथ बाइक से ग्राम कटकवारा से बीसलपुर की तरफ आ रहे थे। गांव स्थित देसी शराब की दुकान के पास पहुंचते ही सामने से आ रही कंबाइन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि पति घायल हो गया। कंबाइन चालक हादसे के बाद मौके से भाग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी की। कंबाइन को पुलिस ने कब्जे में ले लिया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। घायल को सीएचसी भर्ती कराया गया है।

सड़क हादसे में घायल दो लोगों की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार: : सड़क हादसे में कार की टक्कर से घायल बाइक सवार युवक की बरेली ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई।

कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के गांव सिमरा अकबरगंज निवासी 35 वर्षीय गिरीश चंद्र पुत्र चंद्रपाल मजदूरी करते थे। सोमवार शाम नल ठीक कराने के लिए बीसलपुर बाजार गए थे। चचेरा भाई हरीश भी साथ था। इस दौरान कार टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गए। जिला अस्पताल से बरेली ले जाते वक्त उनकी मौत हो गई। पत्नी कुसुमा देवी और बच्चों का रोकर बुरा हाल रहा। गजरौला थाना क्षेत्र में दो दिन पहले हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल 55 वर्षीय बेनीराम की मौत हो गई। वह पेट में दर्द होने पर बेटे रमेश के साथ बाइक पर सवार होकर दवा लेने के लिए जिला अस्पताल आ रहे थे। रास्ते में बस ने उनकी बाइक को साइड मार दी, इससे पिता-पुत्र दोनों घायल हो गए थे। बेनीराम को जिला अस्पताल लाया गया, वहां से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डाक्टरों ने उन्हें बरेली रेफर कर दिया था। सोमवार रात बरेली में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

कूड़े के ढेर से उठी चिंगारी से छह छप्पर जलकर राख

छतों पर चढ़कर आग बुझाने का प्रयास करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

- एसडीएम पुलिस और राजस्व टीम संग पहुंचे, जुटाई जानकारी

अमृत विचार : खनंका उचसिया गांव में कूड़े के ढेर से उठी चिंगारी ने नजदीक के ही आधा दर्जन छप्परों को चपेट में ले लिया। तेज हवा के चलते आग भीषण हो गई और जब तक काबू किया जाता काफी नुकसान हो गया। एसडीएम ने पुलिस और राजस्व टीम के साथ पहुंचकर हादसे के बारे में जानकारी की।

ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम खनंका उचसिया में बलराम पुत्र बेनी राम के छप्पर के पास कूड़े के ढेर पर कुछ लकड़ियां सुलग रही थी। मंगलवार को अचानक तेज हवा चली तो कूड़े के ढेर से उठती चिंगारी छप्पर तक पहुंच गई। कुछ ही देर में आग भीषण हो गई। इसके बाद जब तक ग्रामीण आग बुझाने का प्रयास करते तब तक नजदीक के सत्यपाल पुत्र राजाराम, श्यामा चरण पुत्र पूरन लाल, जावित्री देवी पत्नी कमलेश कुमार, अजय पाल पुत्र छोटेलाल और देवकी पत्नी मंगली प्रसाद के छप्परों को भी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन आग बढ़ती चली गई। इसकी सूचना मिलने पर दमकल टीम मौके पर पहुंची और उन्होंने आग पर काबू किया। छप्परों में रखा भूसा, गेहूं, ईंधन, बिस्तर, चारपाई, बर्तन आदि सामान जल गया। हादसे की जानकारी पर एसडीएम नागेंद्र पांडे राजस्व टीम के साथ पहुंचे। नुकसान का आकलन कर राजस्व टीम से रिपोर्ट मांगी गई।

साहब मकान पर कब्जा करने के लिए कराई जा सकती है हत्या

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- एसपी के समक्ष पेश होकर पिता पुत्री ने की शिकायत, लगाई गुहार

अमृत विचार : मकान के विवाद में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में पूरनपुर पुलिस एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। वहीं, एक पक्ष ने एसपी से शिकायत कर दूसरे पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गणेशगंज पूर्वी के अमरजीत सिंह ने एसपी को दिए शिकायत पत्र में बताया कि उनकी उम्र 90 वर्ष है। उन्होंने छह दशक पूर्व मकान खरीदा था। उसके बाद से अभी तक काबिज रहे। दोनों पुत्रियों सुखवंत कौर और मनमिंदर कौर बाजवा को रजिस्टर्ड दान पत्र तीन अप्रैल 2025 को मकान दान कर दिया। इसका विधिवत नगरपालिका के अभिलेखो में नाम दर्ज हो गया और उन्होंने टैक्स भी अदा कर दिया। छह दिसंबर 2025 को अमेरिका गए थे और मकान में ताले लगा गए थे। 19 अप्रैल को शाम करीब सवा छह बजे मकान के भीतर पुत्री मनमिंदर कौर बाजवा के साथ बैठेथे। आरोप है कि इसी बीच कुलवीर सिंह जिसे संपत्ति से बेदखल कर रखा है। वह साथियों संग घुस आया और बेटी पर हमला कर दिया। आपत्तिजनक हरकत भी की। ये भी बताया कि आरोपी की पत्नी ने उनके दामाद व पुत्री पर कनाडा में एक मुकदमा दर्ज कराया था, जोकि साक्ष्य के अभाव में छूट गया। आरोप लगाया कि उक्त लोग मकान हड़पने के लिए हत्या कर सकतके हैं। एसपी ने सीओ पूरनपुर को मामले की जांच दी है।

अलग-अलग सड़क हादसों में 10 लोग घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : विभिन्न स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दस लोग घायल हो गए। ग्राम टिकरी के पास बाइकों की टक्कर में मोहल्ला ग्यासपुर निवासी आशीष, आदित्य और दूसरी बाइक पर सवार फरीदपुर बरेली के नरेश व कल्याण घायल हो गए। ग्राम सिमरा अकबरगंज निवासी हरीश व गिरीश बाइक से बीसलपुर से अपने गांव जा रहे थे। गांव के पास पहुंचते ही चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी और दोनों घायल हो गए। बीसलपुर पीलीभीत मार्ग पर ग्राम पौटा खमरिया के पास शाहजहांपुर जनपद के ग्राम चंदगोई निवासी बाइक सवार मनीष कुमार, उनकी पत्नी मीना देवी, तीन वर्ष की बेटी बैसाखी व नीरज कुमारी घायल हो गई। घायलों को सीएचसी भर्ती कराया गया है।

खेत में पराली जलाई तो खैर नहीं, लगेगा जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पराली जलाने पर किसानों से 2500 से 15 हजार तक वसूल किया जाएगा जुर्माना
- फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों का प्रयोग कर खाद बनाने की दी सलाह

अमृत विचार: जनपद में गेहूं की कटाई के बाद फसल अवशेष (पराली) जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। पराली जलाने वाले किसानों से 2500 रुपये से लेकर 15 हजार रुपये तक का जुर्माना वसूला जाएगा। उप कृषि निदेशक ने किसानों से किसानों ने पराली न जलाने की अपील की है।

जनपद में बड़े पैमाने पर गेहूं की पैदावार की गई है। जनपद में अधिकांश गेहूं की फसल की कटाई हो चुकी है। पाया गया है कि कटाई के बाद किसान खेतों में ही पराली को जला देते हैं, ताकि अगली फसल की बुवाई जल्द की जा सके।

पांच एकड़ से ऊपर 15 हजार देना होगा जुर्माना

पराली जलाने की घटनाओं पर अर्थदंड वसूलने की व्यवस्था की गई है। विभागीय अफसरों के मुताबिक 02 एकड़ से कम भूमि वाले किसानों पर 2500 रुपये प्रति घटना जुर्माना वसूला जाएगा। इसके अलावा 02 से 05 एकड़ तक 5000 रुपये एवं 05 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों पर 15000 रुपये प्रति घटना का जुर्माना लगाया जाएगा।

हालांकि पराली जलाना दंडनीय अपराध है। हर साल ही इसको लेकर सख्ती बरती जाती है। पराली जलाने वाले किसानों से जुर्माना भी वसूला जाता है। इसके बावजूद पराली जलाने की घटनाएं प्रकाश में आती रहती है। कृषि विभाग के मुताबिक फसल अवशेषों को जलाने से मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीव और लाभदायक मित्र कीट जलकर मर जाते हैं। इससे मिट्टी की भौतिक और रासायनिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। साथ ही धुएं के कारण आंखों में जलन, त्वचा रोग और फेफड़ों की गंभीर बीमारियां होने का खतरा बना रहता है। विभाग ने किसानों को सुझाव दिया है कि वे पराली को जलाने के बजाय खाद के रूप में परिवर्तित करें, जिससे मिट्टी में कार्बन का अंश बढ़ेगा। किसानों की सुविधा के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर और फार्म मशीनरी बैंक स्थापित किए गए हैं। यहां से किसान सुपर एसएमएस, हैप्पी सीडर, मल्चर, श्रब मास्टर और रोटरी स्लेशर आदि यंत्र किराये पर लेकर फसल अवशेषों का प्रबंधन कर सकते हैं। इसके अलावा गोशालाओं में पराली को चारे और बिछावन के लिए दान करने की भी अपील की गई है।

> पराली जलाने की घटनाओं की सेटेलाइट के माध्यम से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। यदि किसी खेत में आग लगी पाई गई, तो संबंधित किसान के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई और जुर्माना वसूली की जाएगी। किसान फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों का प्रयोग करें और मिट्टी का स्वास्थ्य बचाएं। – **राममिलन सिंह परिहार**, उप कृषि निदेशक

मादक पदार्थ तस्कर की 48.19 लाख की संपत्ति जब्त

संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई करने पहुंची पुलिस। ● अमृत विचार

बरखेड़ा, अमृत विचार : मादक पदार्थ तस्कर पर बरखेड़ा पुलिस ने शिकंजा कसा। अधिकारियों के आदेश पर तस्कर की 48.19 लाख रुपये की संपत्ति पुलिस ने जब्त की है।

बता दें कि बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पौटाकलां निवासी जाबिर पुत्र छोटे बख्श शातिर मादक पदार्थ तस्कर है। उसके खिलाफ पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसके पास से चरस बरामद हुई थी। बरखेड़ा पुलिस ने आरोपी की अवैध संपत्तियों का गहन वित्तीय एवं तकनीकी विश्लेषण कराया और जब्तीकरण के लिए रिपोर्ट भेजी थी। प्रभावी पैरवी और साक्ष्य के आधार पर संपत्ति जब्त करने के आदेश कर दिए गए थे। इसी क्रम में आरोपी की 48 लाख 19 हजार 966 रुपये की अचल संपत्ति (मकान) को एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त किया गया है।

अब फार्मर रजिस्ट्री के बिना भी होगी गेहूं खरीद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- 50 हजार से अधिक किसानों को राहत, बारिश- ओलों ने दिया था झटका

अमृत विचार : जनपद के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। गेहूं खरीद व्यवस्था को और अधिक सुगम बनाने के लिए प्रशासन ने महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब किसान बिना अपनी किसान आईडी के भी सरकारी केंद्रों पर गेहूं बेच सकेंगे।

पूर्व में फार्मर आईडी वाले किसानों का ही गेहूं क्रय केंद्रों पर खरीदने का फरमान जारी किया गया था। सरकार के इस फैसले से जनपद के करीब 50 हजार से अधिक किसानों को लाभ मिल सकेगा।

शासन के निर्देशानुसार जनपद में बीते 30 मार्च से गेहूं की खरीद शुरू की गई है। जनपद भर में छह क्रय एजेंसियों के 123 क्रय केंद्रों के माध्यम से गेहूं खरीद की जा रही है। इधर बीते दिनों खाद्य एवं रसद विभाग के आयुक्त ने आठ अप्रैल को फार्मर आईडी वाले किसानों से ही सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद करने के आदेश जारी किए थे।

कहा गया कि जिन किसानों की फार्मर आईडी होगी, केवल उन्हीं किसानों का गेहूं सरकारी क्रय केंद्रों पर खरीदा जाएगा। बगैर फार्मर आईडी के सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद नहीं की जाएगी। इस फैसले से जनपद के वे किसान मुसीबत में आ गए, जिन्होंने फार्मर आईडी तैयार नहीं कराई थी।

मजबूरन इन किसानों को सस्ती दामों पर खुले बाजार में गेहूं को बेचना पड़ रहा था।

इधर किसानों को हो रही परेशानी को देखते फार्मर आईडी के बिना सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं न खरीदने का आदेश वापस ले लिया गया। अब सरकारी क्रय केंद्रों पर बिना फार्मर आईडी धारक किसानों से भी गेहूं की खरीद की जाएगी।

इस फैसले से फार्मर आईडी न रखने वाले जनपद के करीब 50 हजार से अधिक किसानों को लाभ मिलेगा। जिला खाद्य विपणन अधिकारी के मुताबिक जनपद में अब तक क्रय केंद्रों के माध्यम से 4000 मीट्रिक टन गेहूं खरीद की गई है। यह खरीद करीब 600 किसानों से की गई है। इधर वर्तमान में किसानों के पंजीकरण के सत्यापन की प्रक्रिया भी तेजी से शुरू हो चुकी है।

राजस्व गांवों के पंजीकरण का सत्यापन लेखपाल, तहसीलदार, एसडीएम और एडीएम अपनी लॉगिन आईडी के माध्यम से अपनी अधिकारिता सीमा के भीतर करेंगे।

वहीं चकबंदी गांवों के लिए बंदोबस्त अधिकारी की लॉगिन से चकबंदी अधिकारी और लेखपाल की लॉगिन आईडी व पासवर्ड सृजित किए जाएंगे। यदि किसी लेखपाल का स्थानांतरण हो गया है, तो उनके प्रोफाइल को रिसेट कर नई तहसील में मैपिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

> किसानों की सुविधा के लिए इस बार गेहूं खरीद प्रक्रिया को और सरल बनाया गया है। अब बिना फार्मर आईडी के भी गेहूं खरीद की जाएगी। पंजीकरण सत्यापन का कार्य तेजी से चल रहा है और सभी क्रय केंद्रों पर बोरों की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है। – **विजय कुमार शुक्ला**, जिला खाद्य विपणन अधिकारी

डॉक्टर न मिलने से मरीज की मौत का आरोप

डॉक्टर व स्टॉफ पर नाराजगी जताते विधायक विनोद शंकर अवस्थी और परिजन।

संवाददाता, खमरिया

- सीएचसी में हंगामा, चेस्ट पेन के बाद अस्पताल लाए थे परिजन

अमृत विचार: सीएचसी खमरिया में डॉक्टर के समय पर न पहुंचने का आरोप लगाते हुए परिजनों ने एक मरीज की मौत को लापरवाही बताया है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सीतापुर जिले के थाना तंबौर क्षेत्र के बरसिंघवा निवासी मिलन सिंह (55) फूलपुर गोनिया में रिश्तेदारी में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। इसी दौरान उन्हें अचानक सीने में दर्द हुआ। परिजन उन्हें शाम करीब 8 बजे सीएचसी खमरिया लेकर पहुंचे। आरोप है कि अस्पताल पहुंचने के बाद काफी देर तक कोई डॉक्टर मौजूद नहीं मिला। परिजन करीब एक घंटे तक इलाज की उम्मीद में इंतजार करते रहे, लेकिन इसी बीच मिलन सिंह की हालत बिगड़ती गई और करीब 9 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक के बेटे उमेश सिंह ने क्षेत्रीय विधायक विनोद शंकर अवस्थी को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही विधायक मौके पर पहुंचे। इससे पहले सीएचसी अधीक्षक भी अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लेते नजर आए।

मिलन सिंह को अस्पताल लाने वाले ब्रजकिशोर (निवासी गोनिया) ने बताया कि जब वे अस्पताल पहुंचे, तब मरीज बात कर रहा था। उन्होंने कई बार आवाज लगाई, लेकिन कोई स्वास्थ्यकर्मी समय पर नहीं आया। परिजनों का आरोप है कि करीब 9 बजे डॉक्टर पहुंचे और औपचारिकताएं पूरी कर वापस चले गए। मौके पर पहुंचे विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने कहा कि डॉक्टरों की लापरवाही के कारण मरीज की मौत हुई है। उन्होंने मामले को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाकर कड़ी कार्रवाई की बात कही।

बीमार बेटे की मदद को धुंधली हो रही थी आस, मिली राहत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बीमार युवक के घर जानकारी करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह और साथ में सीएमओ।

- जनसुनवाई के दौरान महिला ने डीएम से लगाई थी गुहार
- सीएमओ संग घर पहुंचे डीएम कराया अस्पताल में भर्ती

अमृत विचार : बीमार बेटे के इलाज के लिए दर-दर भटकने के बाद मदद की आस खो चुकी एक वृद्धा को डीएम से गुहार लगाने के बाद राहत मिल सकी है। जनप्रतिनिधि की लिखी चिट्ठी लेकर राजधानी के अस्पताल तक लगाई गई दौड़ के बाद भी जहां बीमार बेटे को भर्ती तक नहीं किया जा सका था। अब उसी बेटे को प्रशासनिक स्तर से मदद का हाथ बढ़ाते हुए इलाज कराया जा रहा है। वहीं, आर्थिक समेत अन्य मदद भी कराई जा रही है।

बता दें कि शहर के बल्लभनगर कॉलोनी की रहने वाली रामकली का पुत्र श्यामसुंदर किडनी की बीमारी से ग्रसित है। उसने पहले एक जनप्रतिनिधि से मदद की गुहार लगाई थी। इसके बाद जनप्रतिनिधि की ओर से केजीएमयू लखनऊ के निदेशक के नाम पर पत्र लिखा गया था। इस पर बेटे का राजधानी के अस्पताल में इलाज की आस लिए महिला ने दौड़ भी लगाई, लेकिन बताते हैं कि ये सिफारिशी पत्र सिर्फ कागज का टुकड़ा बनकर रह गया। पुत्र को न तो इलाज मिल सका न ही अस्पताल में बेड। इतना ही नहीं, लखनऊ से वापस बेटे को पीलीभीत लाने के लिए महिला ने अपनी पायलें बेच दी थी। इससे जुड़ा वीडियो पीड़ित परिवार का बीते दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। हालांकि इसके बाद संबंधित जनप्रतिनिधि की ओर से कहा गया था कि वह इसके बारे में जानकारी कराएंगे कि आखिर ऐसा हुआ तो क्यों हुआ। इधर, बीमार बेटे के इलाज के लिए मदद की आस धुंधली पड़ रही थी। इसी बीच महिला बीते दिनों कलेक्ट्रेट पहुंची और डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को अपना दुखड़ा सुनाया। इस मामले से जुड़ा वीडियो भी पूर्व में वायरल था तो समझने में देर भी न लगी। डीएम ने इसका संज्ञान लिया और संबंधित परिवार की मदद के लिए कदम बढ़ाया। सोमवार देर शाम डीएम परिवार के पास पहुंचे।

निजी अस्पतालों से भी किया संपर्क

घायल श्यामसुंदर को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया है। उसका आयुष्मान कार्ड भी बनवा दिया गया है, जिससे पांच लाख रुपये तक के इलाज की व्यवस्था हो गई है। वहीं, डीएम से इस संबंध में कुछ निजी अस्पतालों के चिकित्सकों से भी वार्ता की है। ताकि जरूरत पड़ने पर बीमारी से ग्रसित युवक को वहां पर भी इलाज मुहैया कराया जा सके।

> बीमार युवक को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कर इलाज शुरू करा दिया गया है। उसका आयुष्मान कार्ड भी बनवा दिया गया है। निजी अस्पतालों से भी वार्ता की गई है। युवक के इलाज में प्रशासन की ओर से किसी तरह की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। – **ज्ञानेंद्र सिंह**, डीएम

घर पहुंचकर डीएम ने महिला से उसके बेटे की बीमारी की जानकारी ली। सीएमओ डॉ.आलोक कुमार भी साथ थे। उनको निर्देश दिए कि बीमारी से ग्रसित श्याम सुन्दर को समुचित इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाएं। उन्होंने मरीज की माता को हरसंभव मदद करने का भरोसा दिलाया। इसके बाद युवक को मेडिकल कॉलेज में फिलहाल भर्ती करा दिया गया। रेड क्रॉस सोसायटी से भी पचास हजार रुपये की आर्थिक मदद कराई गई है। इसके अलावा राशन कार्ड की भी सुविधा दिलाई जा रही है। वहीं, महिला के पायल बेचकर लखनऊ से लौटने की बात वायरल हो चुकी थी। ऐसे में महिला को पायल भी दिलाई गई है। एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह ने पहुंचकर महिला को पायलें भी दीं। फिलहाल बेटे के इलाज के लिए परेशान महिला को प्रशासन की मदद से बाद काफी राहत मिली है।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र की एक विवाहिता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी चार साल पूर्व थाना बरखेड़ा के गांव पौटाकलां निवासी जाहिद से फेसबुक पर जान पहचान हुई। निकाह करने का झांसा दिया। करीब तीन माह पूर्व जाहिद ने उसे पौटा बुलाकर एक खाली मकान में रखा और जबरन शारीरिक संबंध बनाए। जब वह निकाह करने के लिए कहती थी, तो वह कुछ ना कुछ बहाना करके टाल देता था। उसने उसके कहने पर अपने पति से तलाक भी ले लिया। एक बार जाहिद निकाह का बहाना करके जयपुर भी ले गया। वहां पर भी शारीरिक संबंध बनाए। जाहिद के घर पौटा कला पहुंचकर उसके परिवार के मोहम्मद कफील, अरशद व राशिद से बात की तो सभी ने गाली व धमकी दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

।। ॐ नमः शिवाय।।
पाँचवीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि
स्व. श्रीमती राम खिलौना वर्मा
04.05.1953-22.04.2021
आपके द्वारा निभाये गये आदर्शों पर चलने का संकल्प ही हम सबकी श्रद्धांजलि है।
आप अपना आर्शीवाद हम सब पर बनाये रखें यही कामना करते हैं।
श्रद्धावनत : राजकुमार ''प्रिन्स''
आशीष-रचना, अभिषेक-शिवानी, अपर्णा-मनजीत, अनिकेत, अक्षज, अनिका, अनंत्या
श्रद्धावनत : 378, रोहिली टोला, बरेली मो. 9411004293, 9410431972

आधा गांव तबाह कर गई बांसबेरिया की आग, कई जानवर झुलसे

लाखों का नुकसान, खुले आसमान के नीचे आ गए पीड़ित

संवाददाता, रोशननगर

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र बांकेगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत ग्रंट नंबर 18 के गांव बांसबेरिया में भीषण आग लगने से आधे गांव के 20 घर जल गये। आग की चपेट में आकर आठ पशु झुलस गये। आग से नकदी सहित लाखों का नुकसान हुआ है।

बांसबेरिया गांव में दोपहर जेजेराम के घर से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पड़ोस के बाबूराम, राजेंद्र प्रसाद, चंद्रिका प्रसाद फूल सिंह, राजीव कुमार, मोबीन, जगदीश प्रसाद, शोभाराम, रामकिशुन, तौलेराम, सुरेश कुमार, रज्जब अली, जबर अली, मुन्ना सिंह, रामसहाय सहित 20 घरों को अपने आगोश में ले लिया। तेज हवाओं और लू के कारण ग्रामीण अथक प्रयास में जुटे रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग का रूप इतना विकराल था कि लोगों को अपने घर बार, जरूरी सामान और बंधे पशुओं को छोड़कर जान बचाने के लिए गांव से बाहर भागना पड़ा। ग्रामीणों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया। गोला से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां, थानाध्यक्ष सुनील मलिक, तहसीलदार भेमचंद दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। तब फायर ब्रिगेड द्वारा काफी मशक्कत कर आग पर काबू पाया जा सका। इस अग्निकांड में रामकिशुन की बाइक, फूलचन्द की तीन गाय, जेजेराम भार्गव की पांच बकरी झुलस गईं। जगदीश का लिंटर चटक गया, मोवीन् के घरेलू नुकसान में वाशिंग मशीन फ्रिज आदि जल गये। तहसीलदार के निर्देश पर कोटेदार ने तत्काल पीड़ितों के लिये राशन की व्यवस्था की है।

बांसबेरिया में जले घर निहारते लोग। ● अमृत विचार

झुलसी गाय का गांव में उपचार करते पशु चिकित्सक। ● अमृत विचार

आग से जली रामकिशुन की बाइक।

देखते-देखते आग ने विकराल रूप धरा

मझगई (खीरी), अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव मुन्ना पुरवा में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे हुए भीषण अग्निकांड में गंगाराम, बबलू, आशीष, जयलाल, सोहन, शारदा प्रसाद, महावीर, सोनेलाल, श्रीकेशन, राजेश, कौशल कुमार, तोताराम, रामनरेश, नरेश कुमार, सुरेश कुमार, प्रेमीलाल, रामगोपाल, केशवराम, पंकज, अनिल कुमार, शिवकुमार समेत लगभग दो दर्जन परिवारों के घर जलकर राख हो गए। आग में घरों में रखा राशन, नगदी, जेवर, कपड़े, बिस्तर और दैनिक उपयोग की सभी वस्तुएं नष्ट हो गईं। वहीं हुलासी राम का 20 वर्षीय पुत्र रोहित गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे एंबुलेंस से निघासन सीएचसी में भर्ती कराया गया है। सूचना पर निघासन एसडीएम राजीव निगम और तहसीलदार दिव्यांशु शाही मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। तहसीलदार ने लेखपाल अभिषेक कुमार को तत्काल राहत सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि दमकल समय पर पहुंच जाती, तो इतना बड़ा नुकसान नहीं होता। उनका कहना है कि मौके पर पहुंची दमकल गाड़ी में पर्याप्त पानी नहीं था, जिसके कारण करीब 20 मिनट तक गाड़ी खड़ी रही। बाद में बोरिंग से पानी भरकर और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका।

जहदीपुरवा में अग्निकांड, 16 परिवार बेघर

संवाददाता, नकहा/खीरी

अमृत विचारः थाना खीरी क्षेत्र के नकहा चौकी अंतर्गत ग्रामसभा सकेथू के मजरा जहदीपुरवा में मंगलवार तड़के करीब चार बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते 16 परिवारों के घर इसकी चपेट में आ गए और घरों में रखा अनाज, कपड़े, बिस्तर सहित रोजमर्रा का पूरा सामान जलकर राख हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही नकहा चौकी प्रभारी सत्येंद्र कुमार वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। फायर ब्रिगेड टीम के पहुंचने के बाद कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया गया। आग लगने की सूचना पर राजस्व विभाग की टीम भी सक्रिय हो गई। सदर तहसीलदार मुकेश कुमार वर्मा एवं क्षेत्रीय लेखपाल मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन कर रहे हैं। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन आग से प्रभावित परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। प्रशासन द्वारा राहत सामग्री उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

ग्राम पंचायत सकेथू के मजरा गांव जहदीपुरवा में अग्निकांड में जलकर राख हुआ घर।

- **अनाज, कपड़े और बिस्तर सहित रोजमर्रा का पूरा सामान जलकर हो गया राख**
- **पुलिस और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू**

आग लगने से छप्पर के साथ दो बकरी, भूसा व अनाज जला

उचौलिया अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम कंजा में एक घर मे अचानक आग लगने से छप्पर और उसमें मौजूद दो बकरियां, भूसा व अनाज जल गया। कंजा गांव में विधवा विद्यावती पत्नी पतिराखन के घर में अचानक आग लगी। उस समय विद्यवती घर में नहीं थी। जानकारी के अनुसार वह बाहर गईं थीं। उसका बेटा आदि भी मौजूद नहीं था। आग ने घर में पड़े छप्पर को पकड़ा और लपटें फैलने लगी। इससे छप्पर में रखा भूसा जल गया और उसमें बंधी दो बकरियों की भी जलकर मौत हो गई। इसके अलावा अनाज और कुछ सामान भी जलकर राख हो गया है। गांव वालों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जिससे पूरा घर जलने से बच गया। गौरतलब है कि इन्ही के घर में पिछले वर्ष भी आग लगी थी हालांकि तब भी जानमाल की क्षति नहीं हुई थी। आग लगने की खबर पाकर सेवा का जुनून की टीम भी मौके पर पहुंची।

छप्पर वाले दो मकानों में लगी आग

पलिया कलां, अमृत विचार : गांव फुलवरिया में मंगलवार दोपहर अचानक दो छप्परदार मकानों में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया, जिससे घरों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। गांव निवासी निसार अहमद पुत्र बन्दे अली और सरताज अली पुत्र गेंद अली के छप्परदार घरों में आग लग गई। आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन तेज लपटों के कारण आग पर काबू नहीं पाया जा सका। निसार अहमद के अनुसार उनके घर में भूसा खरीदने के लिए रखे 15 हजार रुपये, करीब 60 हजार रुपये के जेवरात, एक फ्रिज, सोलर पैनल, बैटरी और बक्सा समेत करीब एक लाख रुपये का सामान जल गया। सरताज अली के घर में नुकसान का आकलन नहीं हुआ है, क्योंकि वे परिवार सहित बाहर हैं। सूचना पर राजस्व विभाग की टीम पहुंची और नुकसान का जायजा लिया। लेखपाल विनीत सिंह ने बताया कि अग्निकांड में हुए नुकसान की रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी है।

न्यूज ब्रीफ

गोली लगने से घायल महिला का हो रहा इलाज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर से सटे भवानीगंज गांव में पुलिस में दरोगा पद से रिटायर्ड रामासरे सिंह के पुत्र जगत बहादुर सिंह ने किसी बात को लेकर शराब के नशे में अपनी पत्नी निर्दोष सिंह पर ही पिता की लाइसेंसी बंदूक से फायर झोंक दिया था। महिला के सिर में छर्रे लगे हैं, जिसका इलाज लखनऊ के अस्पताल में हो रहा है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई है। कोतवाली पुलिस की अभिरक्षा में मौजूद आरोपी पति से पुलिस पूछताछ कर रही है। कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि मामले में अभी तक तहरीर नहीं मिली है। पुलिस जांच कर रही है।

जलालपुर गांव में ट्रैक्टर से दबकर बच्चे की मौत

उचौलिया, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में एक पांच वर्षीय बच्चे की ट्रैक्टर से दबकर मौत हो गई। बच्चा ट्रैक्टर के पास खेल रहा था और ढलान पर खड़े ट्रैक्टर अचानक क्लच दबने से चल पड़ा। ग्रामवासी विमलेश उर्फ छोटकई का पांच वर्षीय पुत्र कान्हा गांव में खड़े एक ट्रैक्टर के पास खेल रहा था। इसी दौरान उसके भाई कल्लू का लड़का आयुष ट्रैक्टर पर बैठ गया। ट्रैक्टर ढाल पर खड़ा था। धोखे से आयुष से ट्रैक्टर का क्लच दब गया, जिससे ढाल पर खड़ा ट्रैक्टर पीछे हट गया। ट्रैक्टर के पीछे हटते ही कान्हा उसके टायर के नीचे आ गया और दबने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। हादसे को देखने के लिए पूरा गांव इकट्ठा हो गया। इस अप्रिय घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जान से मारने की धमकी, रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदाबाद निवासी लल्लूराम पुत्र रामसनेही ने थाना में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि गांव के ही श्याम कुमार पुत्र दुर्गीलाल से उनका मेड़ का विवाद चल रहा है। पूर्व में पीड़ित और उनके भाई ओरीलाल को श्याम कुमार ने मारा पीटा था, जिसकी रिपोर्ट श्याम कुमार और उसके भाई शिवपूजन के नामजद दर्ज होने पर पुलिस ने उसे जेल भेज दिया था। जमानत पर छूटकर आये श्याम कुमार ने 16 अप्रैल को पुन: परिवारियों से गाली गलौज कर मारपीट और जान से मार देने की धमकी दी है, जिससे लल्लूराम का परिवार दहशत में हैं। उन्होंने जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाते हुये पुन: रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

राजकीय महाविद्यालय की रजत जयंती 24 को

पलिया कलां, अमृत विचार : श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज राजकीय महाविद्यालय के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह एवं पुरस्कार वितरण सहित सम्मान एवं सांस्कृतिक समारोह का आयोजन 24 अप्रैल को होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा निदेशक प्रो. बीएल शर्मा एवं मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक रोमी साहनी होंगे।

नहर में पानी की कमी से सिंचाई हो रही प्रभावित

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचारः बड़ी शारदा नहर में पर्याप्त पानी न छोड़े जाने से क्षेत्र के किसानों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौजूदा समय में डीजल संकट के चलते किसान पंपिंग सेट का उपयोग भी ठीक से नहीं कर पा रहे हैं, ऐसे में नहर का पानी ही उनके लिए सहारा बन सकता है।

महासिल नहर से निकली दो बड़ी शारदा नहरों में से एक पसगवां क्षेत्र से होकर गुजरती है। इस नहर से मछेछा, सिसोरा नासिर, बढ़ैया, छोलाबारी, एकघरा, पसगवां, जसमढ़ी समेत कई गांव जुड़े हुए हैं। इसके अलावा नहर से निकले माइनरों और कुलावों के जरिए भी दर्जनों गांवों की सिंचाई होती है। किसानों का कहना है कि इस समय नहर में पानी का स्तर इतना कम है कि उससे खेतों की सिंचाई संभव नहीं हो पा रही है। बढ़ैया के महबूब, किशनपुर अजीत के ओम प्रकाश, खड़सरा के प्रधान प्रतिनिधि नरेंद्र यादव, पसगवां के रामदयाल और जसमढ़ी के पहाड़ी सिंह सहित कई किसानों ने बताया कि डीजल की किल्लत के कारण पंप चलाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में नहर का पानी किसानों के लिए राहत बन सकता है।

किसानों का आरोप है कि जब नहर में पर्याप्त पानी छोड़ा जाता है, तब सिंचाई विभाग द्वारा माइनर और कुलावों को यह कहकर बंद कर दिया जाता है कि आगे के क्षेत्रों तक पानी पहुंचाना है, जिससे किसानों को पूरा लाभ नहीं मिलता। किसानों ने नहर में पर्याप्त पानी छोड़ने और सिंचाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

अग्निकांड में घायलों को निकाला

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः बजाज हिन्दुस्थान शुगर यूनिट, पलिया में मुख्य अतिथि अग्निशमन अधिकारी राहुल कुमार वर्मा की मौजूदगी में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का सफलतापूर्वक समापन किया गया। मंगलवार को हुई मॉक ड्रिल में अग्निकांड में घायलों को बचाकर स्ट्रेचर से ले जाने, अस्पताल पहुंचाने आदि का रिहर्सल किया गया। इस दौरान कर्मचारियों को आपात स्थिति में आग पर काबू पाने के तरीके बताए गए।

अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाने का उद्देश्य 14 अप्रैल 1944 को विक्टोरिया डॉकयार्ड, मुंबई में सेना के मालवाहक जहाज में लगी भीषण आग के दौरान उसे बुझाने में शहीद हुए मुंबई फायर सर्विस के 66 अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि देना है। उनकी स्मृति में हर वर्ष 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक यह सप्ताह मनाया जाता है। समापन अवसर पर इकाई प्रमुख ओपी चौहान व आसवनी यूनिट हेड उदय प्रताप सिंह ने अग्नि सुरक्षा सप्ताह के महत्व और आग से बचाव के उपायों के बारे में कर्मचारियों को विस्तार से जानकारी दी। अग्निशमन अधिकारी राहुल कुमार वर्मा ने शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सभी ने दो मिनट का मौन धारण किया। मिल के संरक्षा अधिकारी ने कर्मचारियों को सुरक्षा की शपथ दिलाई।

अग्निकांड में घायल को स्ट्रेचर पर ले जाते अग्निशमन कर्मचारी। ● अमृत विचार

- **अग्निशमन सेवा सप्ताह के समापन पर किया मॉकड्रिल**

अवैध खनन कर भरी जा रहीं दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ीं

सीज कर थाने में खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली। ● अमृत विचार

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचारः क्षेत्र में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने अवैध खनन के खिलाफ मंगलवार सुबह कार्रवाई की। थाना क्षेत्र के मोतीपुर गांव के पास खनन विभाग की टीम ने छापेमारी कर बालू से लदी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़ लिया और सिंगाही पुलिस को सौंप दिया। इस कार्रवाई से अवैध खनन में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया।

जौरहा नदी के भौका घाट पर लंबे समय से अवैध बालू खनन की शिकायतें मिल रही थीं। ग्रामीणों का आरोप था कि रात के समय धड़ल्ले से खनन किया जाता है और सुबह होते ही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से बालू की ढुलाई की जाती है। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान होने के साथ-साथ पर्यावरण पर भी गंभीर असर पड़ रहा था। इन्हीं शिकायतों पर खनन इंस्पेक्टर आशीष सिंह ने टीम के साथ छापेमारी की। मोतीपुर और भौका गांव के बीच निगरानी के दौरान दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रोका गया, जिनमें बालू भरी थी। चालक वैध कागजात नहीं दिखा सके, जिसके बाद दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

खनन इंस्पेक्टर ने बताया कि दोनों वाहनों को सीज कर नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी अभियान जारी रहेगा।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से भौका घाट पर अवैध खनन का खेल चल रहा था, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हो रही थी। इस कार्रवाई के बाद लोगों में उम्मीद जगी है कि अब प्रशासन इस पर लगाम लगाएगा। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि अवैध खनन से नदी का स्वरूप बदल रहा है, जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है। साथ ही कृषि भूमि पर कटान तेज हो रहा है, जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

- **सीज कर पुलिस को सौंपा, अवैध खनन में लिप्त लोगों में मचा हड़कंप**

मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न पर सख्ती

बाइक चालक को जागरूक करते एआरटीओ शांति भूषण पांडेय। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः हाईकोर्ट के आदेशों के अनुपालन में मॉडिफाइड साइलेंसर, हूटर, सायरन और प्रेशर/मल्टीटोन हॉर्न के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। एआरटीओ शांति भूषण पांडेय ने मोटर्स गैराजों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्रवर्तन कार्रवाई के साथ ही जनजागरूकता अभियान भी चलाया।

एआरटीओ ने बताया कि 14 से 21 अप्रैल के बीच चलाए गए अभियान में मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करते पाए जाने पर 11 वाहनों का चालान किया गया, जबकि नौ वाहनों को निरुद्ध किया है। परिवहन विभाग द्वारा प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग लगाए जा रहे हैं और पंपलेट के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि ऐसे अवैध उपकरणों के उपयोग पर रोक लगाई जा सके। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत मॉडिफाइड साइलेंसर, हूटर, सायरन और मल्टीटोन हॉर्न की बिक्री या फिटिंग करने वाले गैराज/वर्कशॉप संचालकों पर अधिकतम एक वर्ष का कारावास या एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। वहीं, ऐसे उपकरण लगवाने वाले वाहन स्वामियों पर 5,000 रुपये तथा ध्वनि प्रदूषण फैलाने पर 10,000 रुपये तक का जुर्माना निर्धारित है। परिवहन विभाग ने सभी वाहन स्वामियों, स्पेयर पार्ट्स विक्रेताओं और गैराज संचालकों से अपील की है कि वे न्यायालय के आदेशों और मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करें और अवैध रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर, हूटर, सायरन और प्रेशर हॉर्न का प्रयोग न करें।

- **11 वाहनों के चालान, 9 वाहन किए गए निरुद्ध, हाईकोर्ट के आदेश पर परिवहन विभाग की कार्रवाई**

दिनदहाड़े धड़ल्ले से अवैध मिट्टी खनन जारी

संवाददाता, बिलहरी

अमृत विचारः हैदराबाद थाना की ढकबा पुलिस चौकी से चंद कदम दूर केशवापुर ढकबा मार्ग पर नियमों को ताक पर रखकर खनन किया जा रहा है। ओवरलोड डंपरों से बाजार में हादसे का खतरा बढ़ गया है।

हैदराबाद थाना क्षेत्र की ढकबा पुलिस पिकेट के निकट हर्निया गांव के पास केशवापुर से ढकबा को जाने वाले मार्ग पर अवैध मिट्टी का खनन धड़ल्ले से चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस की नाक के नीचे जेसीबी से मिट्टी खोदी जा रही है और ओवरलोड डंपर फर्राटा भरते निकल रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसी मार्ग से नन्हे मुन्ने बच्चे सुबह स्कूल जाते हैं और दोपहर को लौटते हैं। ओवरलोड डंपरों से उड़ने वाली धूल से बच्चों की ड्रेस गंदी हो जाती है, जिसके कारण उन्हें स्कूलों में डांट भी सुननी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि तेज रफ्तार डंपरों से सड़क पर चल रहे राहगीरों पर मिट्टी गिरती है, जिससे कभी बड़ा हादसा हो सकता है।

रेलवे क्रासिंग के पास से निकलता खनन की मिट्टी भरा डंपर। ● अमृत विचार

- **जेसीबी गरज रही, बच्चे जान जोखिम में डालकर जा रहे स्कूल**

> बिना परमीशन किसी भी प्रकार का मिट्टी का खनन नहीं हो रहा है, यदि कहीं हो रहा है तो उसके जिम्मेदार खनन विभाग है। – **सुनील कुमार मलिक**, थानाध्यक्ष हैदराबाद।

बताया जाता है कि केशवापुर में ढकबा रोड पर स्थित भट्ठे से नियमों को ताक पर रखकर अवैध खनन हो रहा है। केशवापुर में सप्ताह में दो दिन बड़ी बाजार लगती है। बाजार के दिन भी भीड़भाड़ के बीच ओवरलोड मिट्टी के डंपर गुजरते रहते हैं। स्थानीय दुकानदारों और ग्राहकों में हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है।

लापता किशोर को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

संवाददाता, भानपुर। थाना भीरा क्षेत्र के पौधेपुरवा निवासी मधुराम सिंह का पुत्र रवि सिंह सोमवार शाम करीब चार बजे घर से कहीं गया था। रवि बोल और सुन नहीं सकता है, जिससे उसकी तलाश में परिजनों को काफी परेशानी हुई। काफी खोजबीन और रिश्तेदारों से संपर्क करने के बावजूद जब कोई जानकारी नहीं मिली तो परिजनों ने सोशल मीडिया पर उसकी फोटो साझा कर दी। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस सक्रिय हो गई। मंगलवार को पीआरवी 7923 गोला को गदियाना चौराहे पर एक किशोर अकेला मिला, जो बोल और सुन नहीं पा रहा था तथा मानसिक रूप से भी अस्वस्थ प्रतीत हो रहा था। पुलिस टीम उसे अपने साथ थाना भीरा ले आई। थाना भीरा पुलिस ने पूछताछ व प्रयासों के बाद किशोर की पहचान रवि सिंह के रूप में की। इसके बाद उसके परिजनों से संपर्क कर सूचना दी गई। पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत कार्रवाई करते हुए रवि को सकुशल उसके पिता मधुराम सिंह के सुपुर्द कर दिया। किशोर के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार जताया।

खखरा-मैगलगंज के राजकीय हाईस्कूलों में कक्षाएं शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः जिले में ग्रामीण क्षेत्र में माध्यमिक शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में लिए गए फैसलों का असर अब जमीन पर दिखने लगा है। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही राजकीय हाईस्कूल खखरा और राजकीय हाईस्कूल मैगलगंज में कक्षा 9 की पढ़ाई शुरू हो गई है। दोनों विद्यालयों में छात्रों के प्रवेश भी तेजी से हो रहे हैं, जिससे आसपास के गांवों के विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में पढ़ाई का अवसर मिलने लगा है।

शिक्षा विभाग द्वारा उच्चीकृत किए गए इन दोनों विद्यालयों में इस सत्र से पहली बार हाईस्कूल स्तर की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। कक्षाएं शुरू होते ही छात्रों का रुझान भी सामने आने लगा है। राजकीय हाईस्कूल मैगलगंज में अब तक 27 विद्यार्थियों ने कक्षा 9 में प्रवेश लिया है, जबकि राजकीय हाईस्कूल खखरा में 10 छात्रों का नामांकन हो चुका है। दोनों विद्यालयों में नियमित रूप से कक्षाएं संचालित हो रही हैं और शिक्षण कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

स्थानीय स्तर पर इन विद्यालयों में कक्षाएं शुरू होने से छात्रों को दूरदराज के स्कूलों में जाने की मजबूरी से राहत मिली है। अभिभावकों में भी इस फैसले को लेकर संतोष नजर आ रहा है, क्योंकि अब बच्चों की पढ़ाई गांव के पास ही संभव हो रही है। विभागीय स्तर पर भी इन विद्यालयों में संसाधनों को और बेहतर करने की प्रक्रिया जारी बताई जा रही है, ताकि छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सके।

- **दोनों विद्यालयों में तेजी से हो रहे छात्रों के प्रवेश**

> ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से जिले के दो राजकीय हाईस्कूलों को उच्चीकृत किया गया था, जिनमें अब नए सत्र से कक्षाएं भी शुरू हो गई हैं। वर्तमान में दोनों विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है और छात्र-छात्राओं का नामांकन किया जा रहा है। फिलहाल शिक्षण कार्य अटैच अध्यापकों के माध्यम से कराया जा रहा है। उम्मीद है कि आने वाले समय में शिक्षक भर्ती के बाद पद सृजन के बाद नियमित शिक्षकों की तैनाती भी जल्द होगी। – **विनोद कुमार मिश्र**, जिला विद्यालय निरीक्षक।

पर्यटन विकास को मिलेगा बढ़ावा, सात परियोजनाओं के लिए 4.83 करोड़ स्वीकृत

धार्मिक स्थलों पर सुविधाएं बढ़ेंगी, स्थानीय रोजगार को मिलेगा प्रोत्साहन, यूपीएसटीडीसी कार्यदायी संस्था नामित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः पर्यटन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत राज्य योजना में लखनऊ मंडल के जिले की पर्यटन विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए बड़ी धनराशि स्वीकृत की है। कुल 662.21 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति के सापेक्ष 7 प्रमुख परियोजनाओं के लिए 483 लाख रुपये जारी किए गए हैं। इन कार्यों के क्रियान्वयन के लिए यूपीएसटीडीसी को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। संस्था को निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्य गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरे कराए जाएं।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में स्थित प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास पर यह धनराशि खर्च की जाएगी। बताया कि प्रदेश के प्राचीन और धार्मिक स्थलों के पर्यटन विकास के तहत सौंदर्यीकरण के साथ श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसका उद्देश्य धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करना और अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को इन स्थलों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राज्य सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

शहर से सटा देवकली स्थित पौराणिक तीर्थ। ● अमृत विचार

ढखेरवा के पास स्थित अंतरवेद स्थित राधाकृष्ण मंदिर। ● अमृत विचार

इन परियोजनाओं को मिली स्वीकृति

मोहम्मदी विधानसभा में महाभारत कालीन ओछ्वानाथ शिव मंदिर का विकास व सौंदर्यीकरण –	111 लाख रुपये
निघासन क्षेत्र में स्थित प्राचीन अंतर्वेद स्थल का विकास –	81 लाख रुपये
गोला गोकर्णनाथ में चौसन्दे बाबा स्थान का विकास –	96 लाख रुपये
सदर क्षेत्र के अटकोनवा स्थित माता बेलहिया धाम का विकास –	60 लाख रुपये
पलिया के संपूर्णानगर स्थित बालाजी मंदिर का विकास –	20 लाख रुपये
श्रीनगर ब्लॉक के प्राचीन देवकली तीर्थ मंदिर का विकास –	70 लाख रुपये
कस्ता क्षेत्र के बेहजम स्थित बाबा गौरीशंकर स्थल का विकास –	45 लाख रुपये

धार्मिक पर्यटन से बदलेगी तस्वीर, स्थानीय युवाओं को मिलेगा रोजगार

पर्यटन विकास की स्वीकृत परियोजनाएं सिर्फ धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाली पहल भी मानी जा रही हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से स्थानीय स्तर पर होटल, ढाबा, परिवहन, गाइड सेवा और छोटे व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित मंदिरों और तीर्थ स्थलों के आसपास स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जिससे युवाओं को अपने ही क्षेत्र में काम मिल सकेगा। इसके अलावा, बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और स्वच्छता के विकास से स्थानीय निवासियों का जीवन स्तर भी बेहतर होगा। धार्मिक स्थलों के व्यवस्थित विकास से जिले की पहचान भी प्रदेश और देश स्तर पर मजबूत होगी।

गोशालाओं में लगाए जाएंगे बायोगैस संयंत्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- मिलेगा सस्ता ईंधन, दूर होगी रसोई गैस की किल्लत
- बायोगैस संयंत्र लगाने के लिए शासन को भेजा प्रस्ताव

अमृत विचारः जिले में गैस की किल्लत से लोग परेशान हैं। गैस की बढ़ती किल्लत के बीच ऊर्जा के नए स्रोत विकसित किए जाएंगे। जिले की गौशालाओं में बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। जिसकी कवायद प्रशासन द्वारा शुरू कर दी गई है। गोशालाओं में संयंत्र स्थापित करने के लिए शासन में प्रस्ताव भेजने की तैयारी हो रही है।

जिले की उझानी स्थित गोशाला में बायोगैस संयंत्र बनकर तैयार हो चुका है। जिसका अब संचालन किया जाएगा। यहां बने बायोगैस संयंत्र के बाद अब अन्य गौशालाओं में भी बायोगैस संयंत्र स्थापित किया जाएगा। बायोगैस संयंत्र बनने से गौशालाएं की आय में वृद्धि होगी। साथ ही गौशालाओं के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती गैस की आपूर्ति भी संभव हो जाएगी। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि गौशालाओं में बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के लिए गौशालाओं का चयन किया जा रहा है। गौशालाओं के चयन के बाद प्रस्ताव बनाकर शासन में मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। शासन से उपलब्ध बजट के अनुसार गौशालाओं में संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

> स्थाई गोशालाओं में बायोगैस संयंत्र स्थापित किया जाएगा। गौशालाओं का चयन किया जा रहा है। चयन के बाद प्रस्ताव शासन में भेजा जाएगा। जिसकी मंजूरी मिलने के बाद संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। – **समदर्शी सरोज**, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी।

जिले में संचालित हैं 300 से अधिक गोशालाएं : जिले में 300 से अधिक गौशालाएं संचालित हैं। इनमें सात गौशालाएं स्थाई और शेष गौशालाएं अस्थाई हैं। गोशालाओं में करीब 32 हजार से अधिक गोवंशीय पशु संरक्षित हैं। बड़ी मात्रा में गोबर निकलता है, जिसका वैज्ञानिक तरीके से उपयोग कर बायोगैस का उत्पादन किया जा सकता है।

बायोगैस के साथ बनेगा जैविक खाद

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया बायोगैस संयंत्र में गोबर से गैस बनाई जाएगी। इससे निकलने वाला कचरा जैविक खाद के रूप में प्रयोग किया जाएगा। जिसकी बिक्री की जाएगी। बायोगैस संयंत्र से निकलने वाली जैविक खाद को किसानों में बेचा जाएगा। जिससे गौशाला की आमदनी में इजाफा होगा। बताया कि जैविक खाद की वजह से किसानों की रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होगी।

न्यूज ब्रीफ

सड़क पार कर रहा युवक बस की टक्कर से घायल

पसगवां, अमृत विचार : जंगबहादुरगंज मोहम्मदी मार्ग पर एक बस की टक्कर से एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। हादसा सोमवार की रात नौ बजे जंगबहादुरगंज मोहम्मदी मार्ग पर ग्राम ग्राम मड़वा में हुई। गांव का निवासी निवासी विकास (22) पैदल सड़क पार कर रहा था कि तेज रफ्तार से आ रही एक बस ने उसे टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे बेहोशी की हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पसगवां लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। बस का पता नहीं चल सका, उसका चालक उसे भगा ले गया।

पहचान छिपाकर युवती से दुष्कर्म और लूट का आरोप

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : लखनऊ निवासी एक युवती ने पुलिस अधीक्षक को भेजे शिकायती पत्र में कहा है कि मैलानी थाना क्षेत्र के कुकरा गांव निवासी एक युवक ने खुद को राहुल राजपूत बताकर पहले उससे दोस्ती की, फिर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया और जेवरात, नगदी लूट ली। आरोप है कि 17 मार्च को युवक ने उससे शादी का वादा कर अपने गांव कुकरा ले गया, वहां पहुंचने पर युवती को आरोपी की असली पहचान का पता चला। आरोप है कि वह अपने साथ सोने की झुमकी, चांदी की पायल और 10 हजार रुपये नगद, आधार कार्ड लेकर आई थी, वह भी उसने और उसके घर वालों ने छीन लिए। विरोध पर जान से मारने की धमकी दी। उसने पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर कार्यवाही की मांग की है। इस संबंध में सीओ रमेश कुमार तिवारी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की है। प्रकरण की जांच कराई जा रही है।

ताला तोड़कर लाखों के जेवर व नगदी चोरी

पलिया कलां, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला थारूपुरवा, निराला नगर में गृहस्वामी आदर्श वर्मा पत्नी के साथ आजमगढ़ में रिश्तेदारी की एक बरात में गए थे। घर पर उनका पुत्र रुद्र वर्मा अकेला था, जो अपने नाना के घर चला गया। इस दौरान चोरों ने सूना मकान देख उसे निशाना बना लिया। जब रुद्र वर्मा वापस घर लौटा तो दरवाजे का ताला टूटा देखकर उसके होश उड़ गए। अंदर जाकर देखा तो घर का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी से जेवरात व नगदी गायब थी। पीड़ित के अनुसार, चोरी में 15 जोड़ी चांदी की पायल, 25 जोड़ी चांदी के बिछिया, एक सोने का हार, एक सोने का मांग टीका, दो जोड़ी सोने के झाले, दो सोने की अंगूठियां तथा करीब 50 हजार रुपये की नगदी शामिल है।

शुभ लगन पैलेस से 15 वर्षीय किशोर लापता

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचारः थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव राजेपुर सेमरई निवासी 15 वर्षीय किशोर आदर्श वर्मा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। चिंतित परिजनों ने गोला थाने में तहरीर दी है।

आदर्श वर्मा के पिता ओमप्रकाश ने बताया कि हम सब अपनी बेटी की ममेरी ननद की शादी समारोह में 20 अप्रैल सोमवार को गोला के खुटार रोड स्थित शुभ लगन पैलेस में शामिल होने आये थे, जहां से देर रात आदर्श संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। घर वालों ने मंगलवार सुबह पांच बजे घर वापसी के लिये आदर्श वर्मा की खोजबीन की। रिश्तेदारी दोस्तों व आसपास के सभी संभावित स्थानों पर खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

बेटे के लापता होने से परेशान पिता ओमप्रकाश ने मंगलवार को कोतवाली गोला पहुंचकर तहरीर दी है। गोला प्रभारी निरीक्षक अम्बर सिंह ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए आसपड़ोस के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर जांच शुरू की जा रही है।

पेट्रोल-डीजल का संकट गहराया, नो स्टॉक की स्थिति

संवाददाता, सिंगाही

- किसानों और वाहन चालकों की बढ़ी मुश्किलें, सप्लाई बाधित होने से जनजीवन प्रभावित

अमृत विचारः थाना क्षेत्र में इन दिनों पेट्रोल और डीजल की किल्लत ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। क्षेत्र के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर ईंधन खत्म हो चुका है, जिससे लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। अचानक उत्पन्न इस संकट से वाहन चालकों, किसानों और व्यापारियों में नाराजगी देखने को मिल रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले दो-तीन दिनों से पेट्रोल पंपों पर ईंधन की आपूर्ति बाधित है। कई पंपों पर नो स्टॉक के बोर्ड लगे हुए हैं, जबकि कुछ पंप पूरी तरह बंद पड़े हैं। सुबह से ही लोग अपने वाहनों के साथ पंपों पर पहुंच रहे हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी उन्हें पेट्रोल या डीजल नहीं मिल पा रहा।इस संकट का सबसे अधिक असर किसानों पर पड़ रहा है। खेतों में चल रहे कार्य के बीच डीजल की कमी से ट्रैक्टर और अन्य कृषि यंत्र ठप हो गए हैं।

पेट्रोल भरवाने के लिए पंप पर खड़ी बाइकें। ● अमृत विचार

किसानों का कहना है कि समय पर सिंचाई और खेती के काम न हो पाने से फसलों को नुकसान का खतरा बढ़ गया है। दैनिक आवागमन करने वाले लोगों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग जरूरी काम छोड़कर ईंधन की तलाश में भटक रहे हैं। कुछ लोगों को मजबूरी में दूसरे क्षेत्रों से महंगे दामों पर ईंधन खरीदना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

आपूर्ति बाधित होने की आशंका

सूत्रों के मुताबिक पेट्रोलियम कंपनियों की सप्लाई में रुकावट के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। हालांकि अभी तक किसी भी विभाग द्वारा आधिकारिक कारण स्पष्ट नहीं किया गया है। पंप संचालकों का कहना है कि जैसे ही सप्लाई बहाल होगी, स्थिति सामान्य हो जाएगी।

कार में खींचकर ले गए युवक को लाठी-डंडों से पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र के वाजपेयी गांव निवासी एक युवक ने कुछ युवकों पर मारपीट करने के साथ अपहरण का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। तहरीर के अनुसार, शिवम वर्मा सोमवार देर रात अपने घर जा रहा था।

जंगली सुअर की हत्या में दो गिरफ्तार

संवाददाता, भीरा

- आरोपियों की निशानदेही पर हमले में इस्तेमाल भाला बरामद
- पल्हनापुर गांव में भटके सुअर पर ग्रामीणों ने किया हमला

अमृत विचारः भीरा वनरेंज क्षेत्र के पल्हनापुर गांव में जंगली सुअर की हत्या के मामले में वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सोमवार को एक जंगली सुअर भटककर गांव में पहुंच गया था। इस दौरान कुछ ग्रामीणों ने उस पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायल सुअर को उपचार के लिए नर्सरी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

सुअर की हत्या में गिरफ्तार आरोपी।

इसके बाद चिकित्सकों द्वारा सुअर का पोस्टमार्टम कराया गया, जिससे मौत की पुष्टि हुई।

वन क्षेत्राधिकारी वीपी सिंह ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान संदिग्धों की पहचान कर कार्रवाई की गई। वन विभाग की टीम ने सोमवार शाम करीब 4 बजे लाल बहादुर (57) पुत्र द्वारिका को गिरफ्तार किया। इसके बाद मंगलवार सुबह करीब 3:30 बजे सरवन (35) को भी पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर हमले में इस्तेमाल किया गया भाला बरामद कर लिया गया।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

फूलबेहड़, अमृत विचारः फूलबेहड़ थाना क्षेत्र के गांव तेंदुआ निवासी यूसुफ (55) अपनी पुत्री आफरी की दवा लेने लखीमपुर शहर जा रहे थे। महेवागंज के आगे सैधरी बाईपास मोड़ पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गए। इससे यूसुफ ट्रक के नीचे आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई, जबकि उनकी पुत्री आफरी सुरक्षित बच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुत्री आफरी ने बताया कि मृतक यूसुफ का एकमात्र पुत्र आफान गुजरात में सिलाई करता है।

7 संस्थानों पर एक-एक लाख का दंड

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- बिना मान्यता चल रहे स्कूलों पर शिक्षा विभाग ने कसा शिकंजा
- डीआईओएस ने मांगे रिकॉर्ड, 23 अप्रैल को कार्यालय में तलब

अमृत विचारः जिले में बिना वैध मान्यता के संचालित स्कूलों के खिलाफ शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। जांच के दौरान अनियमितताएं मिलने पर सात विद्यालयों के संचालकों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही सभी को निर्देश दिए गए हैं कि वे 23 अप्रैल को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पहुंचकर अपने विद्यालय से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करें, अन्यथा आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि अवैध रूप से चल रहे स्कूलों पर निगरानी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। इसके लिए विभाग की अलग-अलग टीमें बनाकर विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण कराया जा रहा है।

हाल ही में रमियाबेहड़ क्षेत्र के खरवहिया नंबर दो स्थित श्री नव ज्योति पब्लिक स्कूल, श्री जगन्नाथ पब्लिक स्कूल, सिसैया गांव के मॉडर्न एजुकेशन पब्लिक स्कूल, टापरपुरवा के श्री जमुना प्रसाद उर्मिला बाल विद्या मंदिर, मितौली क्षेत्र के नीमगांव स्थित बाल निकुंज इंटरनेशनल स्कूल, मॉडर्न पब्लिक रिजेंसी स्कूल और मानस स्थली पब्लिक स्कूल में जांच के दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि कई स्कूलों को सीमित कक्षाओं तक मान्यता होने के बावजूद उच्च कक्षाएं संचालित की जा रही थीं।

पार्वती तप व शिव विवाह की सुनाई कथा

बिझौली, अमृत विचारः चिंतापुरवा गांव स्थित देवीस्थान पर हो रहे सात दिवसीय संगीतमयी भागवत कथा में दूसरे दिन पंडित मुनीश अवस्थी ने राम जन्म पार्वती का तप और शिव विवाह की कथा सुनाई। शिव विवाह प्रसंग पर समूचे नर नारी झूम उठे। पुरुष बराती बने वहीं महिलाओं ने मां पार्वती के परिजन बनकर नाच गाकर समूचे भागवत पंडाल को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना व माता की पूजा अर्चना के बाद शिव विवाह प्रसंग पर समूचे नर नारी झूम उठे। पुरुष बराती बने वहीं महिलाओं ने मां पार्वती के परिजन बनकर नाच गाकर समूचे पंडाल को भाव विभोर कर दिया। भक्तजनों ने नाच गाकर शिव विवाह का आंनद उठाया। ओम नमः शिवाय, हर हर महादेव के जयकारों से समूचा पंडाल झूम उठा। राजेश वर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

खेती किसानी

तहसील सदर क्षेत्र के गांव सिमरिया निवासी भीमसेन ने शुरू की थी हाईब्रिड भिंडी की खेती

एक ने शुरू की, अब दर्जनों किसान उगाकर भिंडी

केपी शर्मा, बदायूं

अमृत विचार : जिले में अनाज उगाने वाले किसान अब सब्जियां उगा रहे हैं। जिससे उनकी माली हालत में साल दर साल सुधार आ रहा है। सिमरिया गांव के एक किसान ने अपने खेत में भिंडी उगा कर दो साल में करीब चार लाख की भिंडी बेची। किसान को देख कर अब अन्य किसानों ने भी अपने खेतों में भिंडी लगानी शुरू कर दी है जिससे उनकी आर्थिक स्थित में आशातीत बदलाव देखने को मिल रहा है। किसानों का कहना है भीमसेन ने कई किसानों की जिंदगी में बेहतर बदलाव किया है।

जनपद में 60 प्रतिशत खेतों में अनाज और गन्ना उगाया जाता है। जबकि 40 प्रतिशत रकबा में हरी सब्जियां और दलहनी फसलें तैयार की जाती हैं। लेकिन किसानों को अनाज उगाने में लाभ नहीं होता है। इसलिए अब किसान समय के साथ खेती को भी बदल रहे हैं।

खेत में तैयार खड़ी भिंडी। ● अमृत विचार

- प्रदेश के कई जिलों के अलावा दिल्ली और उत्तराखंड में भी सप्लाई कर रहे हाईब्रिड भिंडी

शहर के निकटवर्ती गांव सिमरिया निवासी भीमसेन ने दो साल पूर्व अपने चार बीघा खेत में हाइब्रिड भिंडी लगाई। पहले साल में उन्होने करीब ढाई लाख की भिंडी बेच दी। दूसरी साल भी उन्होने अपने खेत में हाइब्रिड भिंडी तैयार की फिर उन्होने दो लाख से अधिक की भिंडी बेंच दी। भीमसेन ने बताया कि हाइब्रिड भिंडी की पैदावार बेहतर है। एक बीघा में एक बार में दो क्विंटल भिंडी निकलती है जबकि एक सीजन में तीन से चार बार भिंडी निकालते हैं। बताया कि उनके खे की भिंडी बड़े व्यापारी दिल्ली और उत्तराखंड तक ले जाते हैं। थोक में उनकी भिंडी 20 से 25 रुपए किलो बिकती है जबकि वही भिंडी बाजारों में 40 से 50 रूपए किलो इस समय बिक रही है।

सिमरिया के निकटवर्ती गांव झंडापुर निवासी ललतेश्वर ने भी इस साल अपने दो बीघा खेत में भिंडी लगाई है। खेतेश्वर ने बताया कि उन्होंने सिमरिया निवासी भीमसेन से हाइब्रिड भिंडी उगाने की तकनीकी जानकारी लेकर खेत में भिंडी लगाई है। वह अब तक करीब चालीस हजार की भिंडी बेच चुके हैं, अभी सीजन में तीन से चार बार और भिंडी निकाली जाएगी। जिससे उन्हे अच्छा मुनाफा होगा। खेतेश्वर ने बताया कि अब व अगले साल गेहूं धान जैसी फसलें नहीं उगाएंगे। अब केवल सब्जियां उगाएंगे । कई अन्य किसानों ने भी भिंडी उगाने की बात कही है। भीमसेन अब अन्य किसानों को भिंडी तैयार करने का प्रशिक्षण भी देते हैं जिससे कुछ जागरूक किसान अन्य फसलें छोड़ कर हाइब्रिड भिंडी और टमाटर लगाते हैं जो अच्छे दामों पर बाजारों में बिकता है। अब भीमसेन को अन्य किसान अपना प्रेरणास्रोत मानने लगे हैं।

भिंडी और टमाटर की खेती बड़े पैमाने पर हो रही

गर्मी के दिनों में हरी सब्जियों में शामिल भिंडी और टमाटर की खेती अब बड़े पैमाने पर हो रही है। कुछ किसान हाइब्रिड टमाटर तैयार कर रहे हैं जो इस समय खेतों में तैयार खड़ा है। टमाटर भी जिले से बाहर जाता है जिससे किसानों को अच्छा मुनाफा होता है। सिमरिया के किसान भगवान सिंह ने अपने खेत में हाइब्रिड टमाटर और भिंडी लगाई है जो इस समय तैयार हो चुकी है। दोनो सब्जियां स्थानीय बाजारों से लेकर दूसरे जिलों तक बेची जा रही हैं जिससे किसानों की माली हालत सुधर रही है।

> दो साल से जनपद में हरी सब्जियों का रकबा बढ़ा है। हरी सब्जियों में टमाटर और भिंडी अधिक होती है, जबकि अन्य सब्जियों में बैंगन और लौकी, कद्दू लगाया जाता है। करीब 40 प्रतिशत रकबा हरी सब्जियों से भरा रहता है। अब किसान अनाज कम उगाते हैं, हरी सब्जियां अधिक तैयार करते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ अधिक होता है। हाइब्रिड भिंडी और टमाटर की पैदावार से किसानों को अच्छा लाभ हो रहा है। – **राजकुमार**, सहायक कृषि अधिकारी।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
कक्षा N.C. से VIIIth हेतु अनुभवी फीमेल टीचर्स की
(सैलरी योग्यतानुसार)
Interview
22 व 23 अप्रैल 2026
समय सुबह 11 बजे से 1 बजे तक
एल.बी.एस. कॉन्वेंट स्कूल
निकट होली चौराहा, संजय नगर, बरेली।
7060189500, 8533037097

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

NOTICE
It will be solely informed that my daughter khushman Preet Kaur d/o Lakhvir Singh has passed CBSE board 2023 exam from Oxford public School Sampurna Nagar, Lakhimpur kheri. Her Roll Number was 23215130 in class 10th. But In her marksheet. My name is wrongly recorded as Lakhveer Singh instead of my correct name Lakhvir Singh S/O Amar Singh, Mahanga Pur, Tahsil Palia Kalan, Lakhimpur Kheri (U.P).

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सोहेल को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **वली उल्ला पुत्र जमी उल्ला निवासी निकट हाजी गुलाम गौस चौराहा, मो. महादेव, कस्बा व तह. फरीदपुर, जिला बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमने अपने पुत्र विजय सिंह को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। हमारा व हमारे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **रामपाल पुत्र श्री लालमन व श्रीमती विरमा देवी पत्नी रामपाल निवासी ग्राम नगला थाना भमोरा तहसील आंवला जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

आवश्यकता है
- नर्स ANM/GNM
- पंचकर्म थेरेपिस्ट/असिस्टेंट (Male, Female)
- आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर पर कार्य हेतु अनुभवी लड़के/लड़की
- रसोइया/कैंटीन कुक/कैंटीन हेल्पर
- वार्ड बॉय/वार्ड आया

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड, बरेली
मो. +91-8077808309, 9837357497

पीएचसी उचौलिया खुद बीमार, कैसे हो मरीजों का उपचार

डॉक्टर नदारद, पानी नसीब नहीं, स्वास्थ्य केंद्र की हालत बदतर, मरीजों की घटती संख्या चिंता का कारण, आयुष चिकित्सक के भरोसे चल रहा केंद्र

अमृत विचार अभियान

संवाददाता, उचौलिया

अमृत विचार: फोरलेन नेशनल हाईवे किनारे स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) उचौलिया खुद ही बीमार हालत में नजर आ रहा है। बुनियादी सुविधाओं के अभाव में यह स्वास्थ्य केंद्र मरीजों के लिए राहत केंद्र बनने के बजाय बदहाली का उदाहरण बन गया है।

जिला मुख्यालय से करीब 100 किलोमीटर और ब्लॉक मुख्यालय पसगवां से 25 किलोमीटर दूर, शाहजहांपुर-हरदोई सीमा पर स्थित इस पीएचसी की उपयोगिता बेहद अहम है। इसके बावजूद यहां एक भी एमबीबीएस डॉक्टर तैनात नहीं है और पूरा केंद्र आयुष चिकित्सक के भरोसे चल रहा है। यही कारण है कि यहां ओपीडी का औसत महज 30 मरीज प्रतिदिन रह गया है। 10 बेड वाले इस पीएचसी का कैंपस बड़ा तो है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर लगभग शून्य है।

पूरे परिसर में एक भी छायादार पेड़ नहीं है, जिससे गर्मी में मरीजों और तीमारदारों को भारी परेशानी होती है। सबसे गंभीर समस्या पेयजल की है। कैंपस में लगी पानी की टंकी फूटी पड़ी है और मोटर खराब है। भवन की छत पर रखी टंकी भी बेकार हो चुकी है। एकमात्र इंडिया मार्का हैंडपंप लंबे समय से बंद है। ऐसे में स्टाफ द्वारा निजी तौर पर लगवाए गए छोटे नल से ही पानी की व्यवस्था हो रही है। हाईवे पर होने वाले हादसों में घायलों को यहां प्राथमिक उपचार देने के बजाय 25 किलोमीटर दूर सीएचसी या शाहजहांपुर रेफर किया जाता है। थाना होने के बावजूद मेडिकल परीक्षण के लिए भी पसगवां भेजना पड़ता है। जिला पंचायत सदस्य अनूप कुमार सिंह और ग्राम प्रधान इंद्रपाल समेत क्षेत्र के लोगों ने यहां एमबीबीएस डॉक्टर की तैनाती और बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त करने की मांग उठाई है।

रंगाई-पुताई को तरस रहे स्वास्थ्य कर्मियों के आवास। ● अमृत विचार

खराब पड़ा इंडिया मार्का हैंडपंप और सामने विशाल कैंपस। ● अमृत विचार

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उचौलिया का भवन।

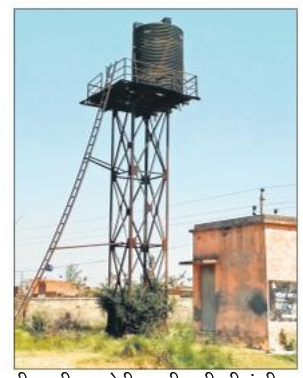

पीएचसी पर शोपीस बनी पानी की टंकी।

बिजली व्यवस्था भी लचर

बिजली की व्यवस्था भी लचर है। कुछ पंखे ही काम कर रहे हैं, कई खराब पड़े हैं और कई स्थानों पर बल्ब तक नहीं हैं। बिजली जाने पर बैकअप के लिए इन्वर्टर तक नहीं है। भवन में जगह-जगह खिड़कियों के शीशे टूटे हैं, टोंटियां खराब हैं और वर्षों से पुताई तक नहीं हुई। स्टाफ की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। यहां केवल एक आयुष चिकित्सक, एक फार्मासिस्ट, एक स्टाफ नर्स, एक एएनएम, एक चौकीदार-सफाईकर्मी और एक संविदा स्वास्थ्य कर्मी तैनात हैं, जबकि वार्ड ब्वाय तक नहीं है।

लोग बोले- दवाएं मिल जाती हैं पर पानी नसीब नहीं होता

स्थानीय लोगों का कहना है कि दवाएं और डॉक्टर मिल जाते हैं, लेकिन पानी जैसी बुनियादी सुविधा के अभाव में मरीजों को भारी दिक्कत होती है। एमबीबीएस डॉक्टर की अनुपस्थिति और शाहजहांपुर की नजदीकी भी यहां ओपीडी कम होने का बड़ा कारण है।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

सीएचसी पसगवां के अधीक्षक डॉ. अश्वनी वर्मा का कहना है कि पीएचसी की जो कमियां संज्ञान में आती हैं, उन्हें दूर कराया जा रहा है। समरसेबल सही है और पानी की टंकी जल्द ठीक कराई जाएगी।

सूखा पेड़ हटाने के लिए प्रदर्शन

बिल्सी, अमृत विचार : नगर बिल्सी से उझानी की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर सूखा पेड़ खड़ा है। जिसे हटाने की मांग को लेकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। कहा कि यह पेड़ कभी भी गिर सकता है, जिससे बड़े हादसे की आशंका है। अमित माहेश्वरी ने बताया कि देववाणी चौराहे पर दिनभर राहगीरों की आवाजाही बनी रहती है। आशंका जताई कि यदि समय रहते इसे नहीं हटाया गया तो किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है। चरत माहेश्वरी ने कहा कि कई बार अधिकारियों को पत्र दे चुके हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि संभावित हादसे को देखते हुए इस सूखे पेड़ को तत्काल हटाया जाए। प्रदर्शन करने वालों में शंकर लाल, गौरव गौतम, सचिन कुमार, टीटू गौतम, कुंवर पाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विज्ञापन

कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी बदायूँ के पत्र संख्या-सी 78 प्रोबे / मी०वा०जि०बा०सं०ई० / स्था० / 2026-27 दिनाँक 13 अप्रैल, 2026 के क्रम में "मिशन शक्ति" की उप योजना "सामर्थ्य" के अन्तरगर्त "हब फॉर इम्पावरमेंन्ट ऑफ वूमेन योजना, बदांयू के लिए बाहय सेवा आधारित निम्न पद पर परिक्षणोंपरान्त हेतु संस्था द्वारा आवेदन आमंत्रित किया जाता है-

क्र० सं०	पद का नाम	पद सं०	आयु सीमा	मानदेय (प्रतिमाह)	अर्हता
1	जेण्डर स्पेसलिस्ट	01	(21-50) वर्ष	24250/-	1. विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से सामाज कार्य/अन्य सामाजिक विषयो में स्नातक। 2. परास्नातक को वरीयता प्रदान की जायेगी। 3. सरकारी या गैर. सरकारी संगठनों में जेण्डर केन्द्रित कार्यक्रमों में न्यूनतम 03 वर्ष का अनुभव।

उपरोक्त पदों पर निर्धारित अर्हता रखने वाले योग्य अभ्यर्थी ऑनलाइन सेवायोजन पोर्टल के माध्यम से www.sewayojan.up.nic.in पर आवेदन कर सकते है। (विज्ञप्ति प्रकाशित होने के उपरान्त 07 दिनों तक ऑनलाइन आवेदन कर सकता / सकती है।)

डायरेक्टर/प्रबन्धक
(ए०पी०सर्विस प्रोवाइडर)
302, अमन ई-स्टेट, बी-1/35, सेक्टर- A, भिंडिया टोला, अलिगंज, कपूरथाला, लखनऊ, उ०प्र०।

भीम आर्मी आजाद के पदाधिकारी को पुलिस ने रोका

संवाददाता, बांकेगंज

मोतीपुर गांव से पहले बैरियर पर पुलिस से नोंकझोंक करते पदाधिकारी।

● पुलिस से हुई नोकझोंक, मोतीपुर गांव पहुंचने का किया था प्रयास

अमृत विचार: भीम आर्मी आजाद पार्टी के पदाधिकारी के मोतीपुर गांव पहुंचने की कोशिश को पुलिस ने नाकाम किया। पुलिस बल ने पदाधिकारी को धान मिल के पास लगाए गए बैरियर पर रोक लिया तथा समझा कर वापस लौटा दिया।

भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी के जिला महासचिव दीपक जाटव, जिला प्रभारी सिद्धार्थ भारती और विधानसभा अध्यक्ष पलिया अनिल कुमार जाटव के मोतीपुर गांव आने की सूचना पर पुलिस विभाग सक्रिय हो गया। गांव में आने से रोकने के लिए बांकेगंज कुकरा मार्ग पर धान मिल के पास बैरियर पर बांकेगंज की ओर आने वाले वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। चैपहिया वाहन में बैठे लोगों से पूछताछ के बाद ही आगे जाने दिया गया। पदाधिकारी अपनी गाड़ी लेकर करीब पौने तीन बजे बैरियर पर पहुंचे। वहां मौजूद मैलानी इंस्पेक्टर बृजेश कुमार मौर्य ने अपने दलबल के साथ उन्हें रोक लिया तथा गाड़ी से बाहर आने के लिए कहा।

नायब तहसीलदार ताहिर परवेज से जिला प्रभारी सिद्धार्थ भारती तथा जिला महासचिव दीपक जाटव से पुलिस की तीखी नोकझोक हुई परंतु पुलिस ने आगे नहीं जाने दिया। वह पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए जिद करते रहे। पुलिस बल ने उन्हें वहीं कुर्सियों पर बैठा लिया तथा घटना की वास्तविक स्थिति को समझाने लगे। इस पर जिला प्रभारी सिद्धार्थ भारती तथा जिला महासचिव दीपक जाटव ने बताया कि हम पुलिस के साथ हुए व्यवहार को सही नहीं ठहरा सकते, परंतु निर्दोषों के साथ पुलिस के द्वारा की जा रही प्रताड़ना भी सही नहीं है। दोषी व्यक्तियों की पहचान कर कार्रवाई की जाए। परंतु निर्दोषों को पुलिस प्रशासन परेशान न करें। पुलिस ने काफी देर तक वहीं बिठाए रखा। जिला प्रभारी तथा महासचिव में पुलिस के अधिकारियों से बातचीत की परंतु उन्हें गांव नहीं जाने दिया गया और फिर उन्हें वहीं से वापस भेज दिया।

टिकट संग्राहक महेश ने बनवाया अपना डाक टिकट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: केंद्रीय डाकघर की माय स्टांप योजना के तहत सामाजिक कार्यकर्ता एवं डाक टिकट संग्राहक महेश कुमार पटवारी ने अपना स्वयं का डाक टिकट बनवाकर नई मिसाल पेश की है। उन्होंने बताया कि उनके पास देश-विदेश के दुर्लभ डाक टिकटों का संग्रह है। लगभग एक वर्ष पहले केंद्रीय डाकघर द्वारा माय स्टांप योजना शुरू की गई थी, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति आधार कार्ड और फोटो जमा कर मात्र 300 रुपये में अपना डाक टिकट बनवा सकता है। इसके तहत उन्होंने अक्टूबर 2025 में आवेदन किया था। 20 अप्रैल को उनका डाक टिकट तैयार होकर आ गया। टिकट में 5 रुपये मूल्य के डाक टिकट पर ताजमहल की छवि के साथ उनकी फोटो भी अंकित है। इस टिकट का उपयोग डाक प्रेषण में किया जा सकता है। लखीमपुर खीरी मंडल के डाक अधीक्षक सुमनेश कुमार स्वयं गोला पहुंचे और उन्होंने उपमंडल निरीक्षक अनिमेश राय व पोस्टमास्टर मुकेश यादव के साथ महेश कुमार पटवारी को यह डाक टिकट भेंट किया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

पत्रांक : 247/न.पा.प.ब./2026-27 दिनांक : 20.4.26

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बहेड़ी स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/ अन्य सरकारी विभाग में डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर टाइड ग्रांट के अन्तर्गत पाइप लाइन की आपूर्ति एवं अधिष्ठापन के कार्य हेतु नीचे दर्शाये गये विवरण के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

E-Tender Publish Date and Time	22.04.2026 at 11:00 AM
Last Date and Time for Submission of e bid	11.05.2026 upto 05:00 PM
E-Tender opening Date	12.05.2026 at 05:00 PM
Place of opening of E-bid	Nagar Palika Parishad Baheri (Bareilly)
E-Tender Document Processing	टेण्डर हेतु आवश्यक प्रपत्रों हेतु अपलोड निविदा में देखें।
E-Tender Tender Fee	टेण्डर मूल्य/शुल्क हेतु अपलोड निविदा देखें।
E-Tender Security	10 प्रतिशत

नोट : सम्बन्धित निविदा शर्तें व विस्तृत विवरण एवं समस्त कार्यवाही ई-टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in की जायेगी।

(शशि प्रभा चौधरी)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

(रश्मि जायसवाल)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

सालाना उर्स: दरगाह पर दिखी भाईचारे की मिसाल

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कस्बे में स्थित हजरत सैयद अब्दुल रज्जाक उर्फ सैयद बड़े पीर के आस्ताने पर आयोजित दो दिवसीय सालाना उर्स शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। इस दौरान दूर-दराज से आए अकीदतमंदों ने दरगाह पर हाजिरी देकर अमन-चैन और तरक्की की दुआ मांगी। आयोजन में अलग-अलग समुदायों के लोगों की मौजूदगी ने आपसी सौहार्द की मिसाल पेश की। उर्स का आगाज पहले दिन चादरपोशी के साथ हुआ, जिसके बाद जलसे का आयोजन किया गया। जलसे में आए उलेमाओं ने अपने खिताब में इंसानियत, मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम दिया। वहीं नातख्वानों ने अपने कलाम पेश कर माहौल को रूहानी बना दिया। दूसरे दिन महफिल-ए-समा (कव्वाली) का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें बाहर से आए कव्वालों ने सूफियाना कलाम पेश किए। देर रात तक चली इस महफिल में लोग पूरी तन्मयता से शामिल रहे।

रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे ओवरब्रिज की दीवारों में दरारें

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: एनएच-730 पर रेलवे क्रॉसिंग के पास बन रहे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य में खामियां सामने आने लगी हैं। कंक्रीट की दीवारों में दरारें और गांठ पड़ने की शिकायतों के बाद स्थानीय लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बताया जा रहा है कि फरवरी 2021 में शुरू हुआ यह ओवरब्रिज निर्माण कार्य पांच साल बाद भी पूरा नहीं हो सका है। हाल के दिनों में सामने आए वीडियो में कंक्रीट की दीवारों में दरारें और उभार (फूलना) साफ दिखाई दे रहे हैं, जिससे लोगों ने इस्तेमाल हो रहे निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फरधान रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज का कार्य कई महीने पहले पूरा हो चुका है। ऐसे में बरसात से पहले तक इस ओवरब्रिज पर आवागमन शुरू होने की संभावना कम नजर आ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई जगह दीवारें फूल रही हैं, जिन्हें अस्थायी रूप से लकड़ी के गुटखों और कीलों के सहारे रोका गया है। कुछ स्थानों पर फूली हुई दीवार को संभालने के लिए अतिरिक्त दीवार (रिटेनिंग वॉल) खड़ी की जा रही है। इस संबंध में कार्यदायी संस्था विजय कंस्ट्रक्शन के साइट इंचार्ज दिलीप कुमार का कहना है कि बीच में हुई तेज बारिश के कारण सीलन और काई की समस्या आई थी, जिसे अब ठीक कराया जा रहा है।

कार्यालय जिलाधिकारी, लखीमपुर-खीरी

(नजारत-अनुभाग)

संख्याः- 406 /नौ-सी0एफ0-143/ठेकाविज्ञप्ति-कलेक्ट्रेटपरिसर/2026-27/नाजिरसदर, दिनांकः 16-04-2026

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2026-27 हेतु कलेक्ट्रेट परिसर लखीमपुर-खीरी की ठेका फोटो ग्राफी, ठेका कैन्टीन एवं ठेका फोटो स्टेट की नीलामी दिनांक 27-04-2026 को अपरान्ह 04-30 बजे से अटल सभागार कलेक्ट्रेट, लखीमपुर-खीरी में इस हेतु गठित समिति के समक्ष की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि व समय व स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी मे भाग ले सकते हैं। ठेकों का विवरण निम्नवत हैं:-

क0	विवरण ठेका	जमानत धनराशि	नीलामी तिथि	समय	स्थान
1	2	3	4	5	6
1	फोटो स्टेट	15,000-00	27-04-2026	04-30 बजे अपरान्ह	अटल सभागार कलेक्ट्रेट लखीमपुर-खीरी
2	ठेका फोटो ग्राफी	15,000-00	27-04-2026		
3	ठेका कैन्टीन	25,000-00	27-04-2026		

नोटः-नीलामी से सम्बन्धित शर्ते कलेक्ट्रेट स्थित नजारत अनुभाग से प्राप्त की जा सकती हैं।

UP - 250210 दिनांकः 20/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0)
लखीमपुर-खीरी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, पीलीभीत

पत्रांक: 158/न.पा.परि.पी./2025-26 दिनांक: 21.04.2026

ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद पीलीभीत द्वारा पालिका निधि/राज्य वित्त के अन्तर्गत निम्न विवरण अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा प्रपत्र उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेंट की वेबसाइट http:etender.up.nic.in में उपलब्ध है।

Bid Publishing Date	22-04-2026 4:00 PM
Bid Download and upload Date	22-04-2026 4:00 PM
Last Date & time of bid submission	28-04-2026 4:00 PM
Date & Time of technical bid opening	28-04-2026 4:30 PM

1. निविदा खुलने की तिथि में यदि अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। तकनीकी विड खुलने के बाद फाइनेन्शियल बिड खोली जायेगी। नियम एवं शर्ते पालिका के निर्माण विभाग में किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।
2. निविदा मूल्य नगर पालिका परिषद पीलीभीत के एक्सेस बैंक खाता सं. 628010100006255 आई.एफ.एस.सी. कोड UTIB0000628 NEFT/RTGS द्वारा जमा करने के उपरान्त रसीद की स्कैन कॉपी एवं जमानत धनराशि एन.एस.सी./ एफ.डी.आर. के रूप में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद पीलीभीत के नाम बन्धक कराकर निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य है। जमानत धनराशि NEFT/RTGS के माध्यम से भी उपरोक्त बैंक खाते में जमा की जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
पीलीभीत

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
पीलीभीत

न्यायालय श्रीमान् परगनाधिकारी (न्यायिक), दातागंज

ता. पेशी- 25.04.2026
केस नं.- 16213/2025 धारा- 116U.P.R.C.2006
देवेन्द्र पाल सिंह **बनाम** फूलसिंह आदि

1. फूल सिंह 2. खुशीराम पुत्रगण छत्तर 3. लोकराम पुत्र पोथीराम 4. ओमवती वेवा पोथीराम 5. शिव सिंह पुत्र ईश्वरी 6. सुरेशपाल पुत्र उदयवीर निवासीगण- ग्राम मथना परगना- उसैहत तह. दातागंज जिला बदायूं 7. राजकुमारी वेवा मदनपाल सिंह नि. मथना पर. उसैहत तह. दातागंज जिला बदायूं हाल निवासी- मोहल्ला किला कस्बा आंवला तह. आंवला जिला बरेली 8. ग्राम पंचायत मथना द्वारा प्रधान ग्राम पंचायत मथना परगना उसैहत तहसील दातागंज जिला बदायूं

हरगाह ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप व तारीख 25.04.2026 वबक्त 11 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार बाकई वाकिफ किया हो और जो कुल उमूर अहम मुताल्लिक में मुकदमे का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शख्स हो कि जो जबाव ऐसे सवालात का दे सके, हाजिर हो और जवाबदेही का दाबा करे और हर माह वही तारीख जो आपके इजहारों के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कमई मुकदमा के जहबीज हुई पर आपसी लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाहों की जिनकी शाहदत पर व बीच तमाम दस्तावेज का जिन पर आप अपनी जवाबदेही के ताईद में इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मसकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिर आपके मसमूअ और फैसला होगा। दरख्वास्त मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से आज व तारीख 21.04.2026 को जारी किया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, पीलीभीत

पत्रांक: 157/न.पा.परि.पी./2025-26 दिनांक: 21.04.2026

ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद पीलीभीत द्वारा पालिका निधि/राज्य वित्त के अन्तर्गत निम्न विवरण अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा प्रपत्र उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेंट की वेबसाइट http:etender.up.nic.in में उपलब्ध है।

Bid Publishing Date	22-04-2026 4:00 PM
Bid Download and upload Date	22-04-2026 4:00 PM
Last Date & time of bid submission	28-04-2026 4:00 PM
Date & Time of technical bid opening	28-04-2026 4:30 PM

1. निविदा खुलने की तिथि में यदि अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। तकनीकी विड खुलने के बाद फाइनेन्शियल बिड खोली जायेगी। नियम एवं शर्ते पालिका के निर्माण विभाग में किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।
2. निविदा मूल्य नगर पालिका परिषद पीलीभीत के एक्सेस बैंक खाता सं. 628010100006255 आई.एफ.एस.सी. कोड UTIB0000628 NEFT/RTGS द्वारा जमा करने के उपरान्त रसीद की स्कैन कॉपी एवं जमानत धनराशि एन.एस.सी./ एफ.डी.आर. के रूप में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद पीलीभीत के नाम बन्धक कराकर निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य है। जमानत धनराशि NEFT/RTGS के माध्यम से भी उपरोक्त बैंक खाते में जमा की जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
पीलीभीत

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
पीलीभीत

न्यायालय उपजिलाधिकारी, बीसलपुर (पीलीभीत)

वाद संख्या- टी-202212560204047
शंकरलाल वर्मा **बनाम**
रामरती उर्फ नन्दरानी उर्फ नन्हीं देवी आदि
धारा- 144 उ.प्र. राजस्व संहिता 2006
ग्राम- दियोहना म. पिपरिया
परगना व तहसील-बीसलपुर (पीलीभीत)

1. रामरती उर्फ नन्दरानी उर्फ नन्हीं देवी पत्नी तोताराम निवासी ग्राम ईटगांव, परगना व तहसील बीसलपुर, जिला पीलीभीत 2. जगदीश प्रसाद पुत्र प्यारेलाल निवासी ग्राम दियोहना म. पिपरिया, परगना व तहसील बीसलपुर, जिला पीलीभीत 3. नत्थूलाल पुत्र झम्मनलाल निवासी ग्राम दियोहना म. पिपरिया, परगना व तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत 4. रामप्रताप पुत्र मिश्रीलाल निवासी ग्राम दियोहना म. पिपरिया, परगना व तहसील बीसलपुर, जिला पीलीभीत 5. उ.प्र. राज्य सरकार द्वारा कलेक्टर, जिला पीलीभीत 6. ग्राम सभा द्वारा ग्राम प्रधान ग्राम दियोहना म. पिपरिया, तहसील बीसलपुर, जिला पीलीभीत ....प्रतिवादीगण

वाजै हो आपके खिलाफ नालिश दफा अंतर्गत 144 उ.प्र. राजस्व संहिता ग्राम दियोहना म. पिपरिया, परगना व तहसील बीसलपुर, जनपद पीलीभीत दायर की है। अतः आप वतारीख 08 माह 04 सन् 2026 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या अन्य कोई शख्स जो वाकिफ हाल मुकदमा हो उक्त तारीख पर अपना जवाबदेही पेश करो यह आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाहों की व नीज दस्तावेज जिसकी शहादत पर आप व ताईद अपना जवाबदेही इस्तदमाल करना चाहते हो पेश करो अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो उसकी समात आपकी गैर हाजिर में आपके मसमूअ फैसला होगा। मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से दिनांक 24.03.2026 को जारी किया गया।

न्यायालय उपजिलाधिकारी न्यायिक
बीसलपुर जनपद पीलीभीत

अलग-अलग क्षेत्रों में बाधित रहेगी सप्लाई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● निर्धारित समय पर होगा बिजली शटडाउन, विभाग ने जारी किया कार्यक्रम

अमृत विचार: गर्मी के बढ़ते मौसम में जहां बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है, वहीं व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विभाग ने तकनीकी सुधार कार्य तेज कर दिए हैं। इन्हीं कार्यों के चलते शहर और आसपास के कई इलाकों में तय समय पर बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से रोकी जाएगी। बिजली विभाग ने इसके लिए तारीखवार कार्यक्रम जारी कर लोगों से सहयोग की अपील की है, ताकि कार्य समय से पूरा हो सके और भविष्य में आपूर्ति बेहतर हो।

विद्युत वितरण खंड-प्रथम के अधिशासी अभियंता शैलेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि 33/11 केवी उपकेंद्र छाउछ क्षेत्र में लाइन सुधार और तकनीकी कार्य किए जा रहे हैं। इसके चलते 22 अप्रैल से 28 अप्रैल तक रोजाना सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अलग-अलग स्थानों पर शटडाउन रहेगा। 22 अप्रैल को छाउछ गांव, 23 अप्रैल को कृषि परिसर के आसपास, 24 अप्रैल को शांति धाम अस्पताल और छाउछ क्षेत्र, 25 अप्रैल को कृषि परिसर व पिपरिया शिव मंदिर क्षेत्र, 26 अप्रैल को शेरे पंजाब ढाबा के आसपास, 27 अप्रैल को फिर से छाउछ गांव तथा 28 अप्रैल को प्रधान वर्कशॉप इलाके में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

वहीं, नई बस्ती उपखंड क्षेत्र में भी तकनीकी जांच के चलते अस्थायी रूप से बिजली बंद रहेगी। 33/11 केवी उपकेंद्र नई बस्ती पर लगे 10 एमवीए ट्रांसफार्मर की टेस्टिंग के कारण 22 अप्रैल को सुबह 6 बजे से 7:30 बजे तक खीरी रोड, बस स्टेशन रोड, राजगढ़, मिशनपुरवा, वसुंधरा नगर, महाराज नगर, गैस एजेंसी क्षेत्र और राजापुर मंडी सहित आसपास के इलाकों में सप्लाई प्रभावित रहेगी। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि निर्धारित समय में आवश्यक कार्य पहले ही निपटा लें और शटडाउन के दौरान सहयोग बनाए रखें, ताकि मरम्मत कार्य समय से पूरा किया जा सके।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
नलकूप निर्माण खण्ड, लखनऊ

मैनुअल अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-17/अधि0अभि0/2026-27

महामहिम राज्यपाल महोदया उत्तर प्रदेश की ओर से अधोलिखित कार्य हेतु मोहर बन्द निविदायें दिनांक 29.04.2026 को 12:00 अपराह्न तक विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है, जो उसी तिथि को समय 04:45 बजे अपराह्न निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अद्योहस्ताक्षरी अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र तथा कार्य से सम्बन्धित समस्त विवरण मुल्य जमा करने के उपरान्त किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय अवधि में दिनांक 23.04.2026 से 29.04.2026 को समय 12:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं। यदि निविदा प्रपत्र डाक द्वारा प्रेषित की जाती है तो निविदा विलम्ब से पहुँचने पर कोई उत्तरदायियत्व इस कार्यालय का नहीं होगा। निविदा के साथ पंजीकरण प्रमाण/जिलाधिकारी द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र (IDT-1), हैशियत प्रमाण पत्र (IDT-2), स्वघोषणा शपथ पत्र (IDT-3), के समस्त अभिलेखों को जमा करना होगा एवं निविदा प्रपत्र के साथ निर्धारित धरोहर धनराशि, एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 के रूप में, जो अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड,लखनऊ के नाम बन्धक हो, लिफाफे बन्द करके निविदा के साथ जमा कराना आवश्यक होगा। बिना धरोहर धनराशि के निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ रू0 100 के जनरल स्टैम्प पेपर पर एक रूपये का राजस्व टिकट चिपका कर निविदादाता द्वारा हस्ताक्षर कर दरों की वैधता सम्बन्धी इकरारनाम संलग्न करना आवश्यक होगा। आवश्यकतानुसार कार्य की मात्रा घटाई-बढाई जा सकती है, निविदा के साथ सम्बन्धित समस्त प्रपत्र निविदादाता के हस्ताक्षर किये हुये होना चाहिये एवं अनुबन्ध के समय 10 प्रतिशत जमानत की धनराशि एफ0डी0आर0 के रूप में जो अधिशासी अभियन्ता नलकूप निर्माण खण्ड,लखनऊ के नाम बन्धक होगी तथा नियमानुसार देय दर के अनुसार स्टैम्प पेपर जमा करना अनिवार्य होगा। एक अथवा सभी निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को होगा। निविदा दरें 03 माह के लिये वैध रहेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	मात्रा	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा का मूल्य+G.S.T+ स्टेशनरी चार्ज (रू में)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
01	Supply and carriage of pea gravel, size 2.00 mm to 3.35 mm size from Lalkuan Nainital quarry to District- Lakhimpur in Tubewell Division-II Sitapur including cost of royalty, loading, unloading and Stacking at Site under project "1750 R&R State tubewells Project" district-Sitapur." (G.S.T Extra 5%)	117 M^3	7.72	15444.00	03 माह	225.00+ GST नियमानुसार + 500.00	"ए" श्रेणी (यॉत्रिक) अथवा उच्च

नोट- मैनुअल अल्पकालीन निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी हेतु अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड, लखनऊ के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

UP - 250200 दिनांकः 20/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(गौरव सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
नलकूप निर्माण खण्ड,लखनऊ

विधानसभा और लोकसभा चुनाव में दिखेगी 'आधी आबादी' की ताकत

लखनऊ में हुए प्रदर्शन में महिलाओं ने कुछ ऐसे विरोध दर्ज कराया।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नारी शक्ति वंदन विधेयक को लेकर हर स्तर पर जवाब की तैयारी
- महिला मंत्रियों समेत हजारों की भागीदारी, विपक्ष पर तीखा हमला

अमृत विचार: नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर राजधानी में आयोजित 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' ने साफ संकेत दिया कि आने वाले 2027 विधानसभा और 2029 लोकसभा चुनाव में महिलाएं निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

पदयात्रा में प्रदेश सरकार की कई महिला मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और संगठन पदाधिकारियों ने भाग लिया। मंच से वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक को गिराकर विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों का हनन किया है, जिसका जवाब अब पंचायत से लेकर संसद तक दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि महिलाओं को विपक्ष की "संकीर्ण सोच" को पहचानना होगा और अपने अधिकारों के लिए संगठित होना होगा। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने वोट की ताकत से 2027 और 2029 में स्पष्ट संदेश दें।

महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि संसद में विधेयक के विरोध के दौरान विपक्षी महिला सांसदों का व्यवहार "दुर्भाग्यपूर्ण" रहा। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे इस "अपमान" को याद रखें और लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दें। पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के लिए यह पहल लेकर आए, लेकिन विपक्ष ने इसे रोककर अपनी मानसिकता उजागर कर दी। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं एकजुट होकर अपनी शक्ति का परिचय देंगी। पदयात्रा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई महिलाओं की भागीदारी ने इसे व्यापक जनसमर्थन का स्वरूप दिया। नेताओं का कहना है कि यह आंदोलन केवल एक दिन का प्रदर्शन नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई का प्रतीक है, जो आने वाले चुनावों में निर्णायक असर डालेगा।

चुनावी असर का संकेत

- इस पदयात्रा ने साफ कर दिया है कि महिला मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि राजनीति की दिशा तय करने वाली शक्ति बन चुकी हैं। नेताओं ने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि यदि महिलाओं के अधिकारों की अनदेखी हुई, तो उसका जवाब सीधे चुनाव में मिलेगा। 2027 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर दिया गया संदेश इस आंदोलन को राजनीतिक रूप से और महत्वपूर्ण बनाता है। महिला भागीदारी का यह स्तर संकेत देता है कि आने वाले समय में चुनावी रणनीतियों में 'आधी आबादी' केंद्र में रहेगी और कोई भी दल इसे नजरअंदाज नहीं कर सकेगा।

महिला नेतृत्व की मजबूत उपस्थिति

- पदयात्रा की एक खास बात महिला नेतृत्व की सक्रिय भागीदारी रही। प्रदेश सरकार की महिला मंत्रियों से लेकर संगठन की पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि तक, सभी ने मंच और सड़क दोनों जगह अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इससे यह संदेश गया कि महिलाओं की भूमिका केवल समर्थक की नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता की भी है। विभिन्न जिलों से आई महिलाओं ने भी इस आंदोलन को मजबूती दी। यह सहभागिता दर्शाती है कि महिला सशक्तिकरण अब केवल नीतियों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर एक सशक्त जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

न्यूज ब्रीफ

यूपी विधानसभा का दूसरा सत्र 30 से

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा का वर्ष 2026 का द्वितीय सत्र 30 अप्रैल से शुरू होगा। विशेष सत्र का मुख्य उद्देश्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संसद से पारित न होन के खिलाफ चर्चा कराना है। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने इस सत्र को आहूत करने की मंजूरी दे दी है। विधानसभा सचिवालय प्रशासन के मुताबिक, गुरुवार 30 अप्रैल 2026 को प्रातः 11 बजे से विधानसभा मंडप, विधान भवन, लखनऊ में सत्र की कार्यवाही प्रारंभ होगी। यह सत्र वर्ष 2026 का दूसरा सत्र होगा, जिसमें सरकार विभिन्न विधायी और नीतिगत कार्यों को आगे बढ़ा सकती है। विधानसभा सचिवालय के अनुसार, सत्र बुलाने का यह निर्णय संवैधानिक प्रक्रिया के तहत लिया गया है। आमतौर पर ऐसे सत्रों में सरकार द्वारा विधेयक पेश किए जाते हैं, महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दों पर चर्चा होती है और विपक्ष को भी अपने मुद्दे उठाने का अवसर मिलता है।

आवास विकास बोर्ड बैठक कल

अमृत विचार, लखनऊ : आवास एवं विकास परिषद की बोर्ड बैठक 23 अप्रैल को महात्मा गांधी मार्ग स्थित मुख्यालय के नवीन सभागार में प्रमुख सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन की अध्यक्षता में होगी। बैठक में परिषद की विकसित कालोनियों में सम्पत्तियों के दाम बढ़ाने की तैयारी है। इनमें लखनऊ की वृंदावन योजना और अवध विहार योजना शामिल हैं। यहां डीएम सर्किल रेट के बराबर जमीन की कीमत निर्धारित की जाएगी। जहां कालोनियां अभी विकसित हो रही हैं वहां 8.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से जमीन की कीमत बढ़ाई जाएगी। बोर्ड बैठक में मार्जिन कॉस्ट लैंड रेट (एमसीएलआर) अधिनियम परिषद अंगीकृत करेगा। नई योजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण और संचालन के लिए बजट बढ़ाया जाएगा। भूमि अधिग्रहण के लिए करीब 1500 करोड़ और विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये का बजट पास हो सकता है। लखनऊ के मोहनलालगंज में न्यू जेल रोड पर जल्द ही लैंड पूलिंग पर अपनी पहली योजना शुरू करने जा रहा है।

ऊर्जा संविदा कर्मियों का सत्याग्रह तेज

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश में बिजली विभाग के संविदा कर्मियों ने मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। विद्युत संविदा कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर मंगलवार को सभी जिलों में सत्याग्रह किया गया। महासंघ अध्यक्ष आरएस राय ने कहा कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा में संविदा कर्मियों को विभाग से वेतन भुगतान, वेतन वृद्धि और ईपीएफ की सुविधा देने की घोषणा की गई थी, लेकिन पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन ऊर्जा निगमों के संविदा कर्मियों को इससे बाहर रखना चाहता है। प्रदेश प्रभारी पुनीत राय ने कहा कि छंटनी और ठेकेदारों के शोषण से बचने के लिए आउटसोर्स निगम में शामिल होना आवश्यक है। महासंघ के मीडिया प्रभारी विमल चंद्र पाण्डेय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 7 मई को प्रस्तावित कार्य बहिष्कार के बाद भी मांगें पूरी नहीं हुई, तो पूरे प्रदेश में अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू किया जाएगा। संविदा कर्मियों का यह आंदोलन आने वाले दिनों में और व्यापक रूप ले सकता है, जिससे प्रदेश की बिजली व्यवस्था के प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

विपक्ष के खिलाफ सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में मुख्यमंत्री योगी की अगुवाई में निकली पदयात्रा में शामिल हुईं हजारों महिलाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सड़कों पर उतरकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में पद यात्रा का नेतृत्व संभाला, तो कड़ी धूप के बावजूद जनसैलाब उमड़ पड़ा। तिरंगा हाथ में लहराते समूचा मंत्रिमंडल, भाजपा और सहयोगी दलों के शीर्ष नेता भी कदमताल करते दिखे। हजारों महिलाओं का हुजूम कांग्रेस-सपा समेत विपक्षी दलों के खिलाफ बैनर-पोस्टर और तख्तियों के साथ आक्रोशित नजर आया। मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर महिला विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आधी आबादी अब सबक सिखाएगी।

मुख्यमंत्री आवास से प्रारंभ होकर सिविल हॉस्पिटल होते हुए विधान भवन तक पहुंची इस रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को विधानसभाओं और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, किंतु कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके सहित इंडी गठबंधन के दलों द्वारा इसे बाधित करने का प्रयास उनके अलोकतांत्रिक और महिला-विरोधी चेहरे को उजागर करता है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इन दलों को अपनी नकारात्मक छवि सुधारने का अवसर दिया गया था, किंतु इन्होंने उसका दुरुपयोग करते हुए महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय किया। उन्होंने कहा कि देशभर में महिलाएं इस अन्याय के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रही हैं और लखनऊ की यह पदयात्रा उसी जनभावना का प्रतीक है। सुबह 7 बजे से ही 5 कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर महिलाओं का पहुंचना शुरू हो गया था। जैसे-जैसे दिन चढ़ा और धूप तेज होती गई, वैसे-वैसे महिलाओं का जोश और आक्रोश भी बढ़ता गया। हाथों में पोस्टर-बैनर लिए महिलाएं समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करती नजर आईं। पदयात्रा शुरू होने से पहले ही मुख्यमंत्री आवास के बाहर हजारों महिलाओं का हुजूम जुट चुका था। मंच से नेताओं ने इस भागीदारी को नारी शक्ति का प्रतीक बताया और महिलाओं के संकल्प को नमन किया। करीब 9 बजे जैसे ही कार्यक्रम ने गति पकड़ी, महिलाओं ने 'नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान', 'महिला आरक्षण पर राजनीति बंद करो' जैसे नारों के साथ विरोध दर्ज कराया। पोस्टरों पर विपक्ष पर महिला विरोधी होने के आरोप लिखे हुए थे।

मुख्यमंत्री योगी की अगुवाई में 5-कालीदास मार्ग से निकली जन आक्रोश यात्रा में तिरंगे, तख्तियां और बैनर लेकर शामिल महिलाएं व अन्य।

पूरे मार्ग पर दिखा अनुशासन और उत्साह का अद्वितीय संगम

- राजधानी लखनऊ के लिए यह एक अभूतपूर्व दृश्य था, पूरी सरकार ही सड़क पर थी। हजारों महिलाओं संग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे आगे थे। उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, सहयोगी दलों के नेता, मंत्रिमंडल के सदस्यों और भाजपा की विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी अग्रिम पंक्ति में चल रहे थे। रैली के दौरान पूरे मार्ग पर अनुशासन और उत्साह का अद्वितीय संगम देखने को मिला। युवा, वृद्ध, छात्राएं और कामकाजी महिलाएं, हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी रही। जगह-जगह आम जनता ने भी तालियों और नारों के साथ इस पदयात्रा का समर्थन-स्वागत और फूल भी बरसाए।

सूरज से अधिक धधकता दिखा महिलाओं का आक्रोश

- सुबह करीब 10 बजे मुख्यमंत्री आवास से प्रारंभ हुई इस पदयात्रा के समय भी चुभने वाली तेज धूप थी, लेकिन महिलाओं का आक्रोश उससे कहीं अधिक धधक रहा था। सुबह 7 बजे से ही मुख्यमंत्री आवास पर महिलाओं का जुटना शुरू हो गया था। हाथों में विपक्ष की कुत्सित राजनीति की निंदा करते हुए स्लोगन लिखी हुईं तख्तियां और 'बहन- बेटियों का अपमान-नहीं सहेगा हिंदुस्तान, महिला अधिकारों पर वार-सपा-कांग्रेस जिम्मेदार, कांग्रेस का हाथ-नारी शक्ति के खिलाफ, नारी के सम्मान में-एनडीए मैदान में' जैसे गूंजते नारों के साथ यह रैली विपक्ष को बेनकाब करती हुई आगे बढ़ी। हर कदम पर महिलाओं का हुजूम साफ संदेश दे रहा था कि आधी आबादी के सम्मान और अधिकारों पर कोई समझौता नहीं, कोई चुप्पी नहीं, कोई माफी नहीं। महिलाओं ने सपा और कांग्रेस के विरुद्ध नारेबाजी की और विपक्ष की महिला-विरोधी मानसिकता को खुलकर चुनौती दी।

सपा के विरोध में बैनर लहराती महिला।

तख्तियां और पोस्टर पर दिखे विपक्ष के खिलाफ तीखे संदेश

पदयात्रा में शामिल महिलाओं के हाथों में तख्तियां और पोस्टर थे, जिन पर विपक्ष के खिलाफ तीखे संदेश लिखे थे। 'सपा की पहचान—नारी शक्ति का अपमान', 'महिला आरक्षण पर घटिया राजनीति बंद करो', 'आधी आबादी का हक दिलाओ' जैसे नारों ने पूरे माहौल को गरमा दिया। महिलाओं ने एक स्वर में कहा कि उनके अधिकारों के साथ समझौता स्वीकार नहीं है। यह विरोध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सम्मान और बराबरी की लड़ाई है। नारों की गूंज ने यह स्पष्ट कर दिया कि महिलाएं अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और मुखर हो चुकी हैं।

धूप से बचने को सिर पर पंफलेट पहने महिला।

मंच पर पहुंचते ही महिलाओं ने योगी का किया नारों से स्वागत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: करीब 9:40 बजे योगी आदित्यनाथ के मंच पर पहुंचते ही माहौल और उत्साहित हो उठा। महिलाओं ने जोरदार नारे लगाते हुए उनका स्वागत किया। इसके बाद करीब 10 बजे मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पदयात्रा शुरू हुई, जो मुख्यमंत्री आवास से सिविल हॉस्पिटल होते हुए विधान भवन तक पहुंची। तपती धूप के बावजूद हजारों महिलाएं बिना रुके, बिना थके पदयात्रा में शामिल रहीं।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पूरी यात्रा पैदल तय की। रास्ते भर लोगों ने उनका अभिवादन किया और पदयात्रा में शामिल महिलाओं के समर्थन में नारे लगाए। विधान भवन के सामने समापन पर मुख्यमंत्री ने सभी महिलाओं का आभार जताते हुए कहा कि यह आक्रोश नारी सम्मान के लिए है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कई जिलों से आईं महिलाएं

- इस पदयात्रा में केवल राजधानी ही नहीं, बल्कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली। हरदोई, बाराबंकी, उन्नाव और अयोध्या सहित कई जिलों से महिलाएं सुबह-सुबह लखनऊ पहुंचीं। छात्राएं, गृहिणियां और कामकाजी महिलाएं—हर वर्ग की भागीदारी ने इस आयोजन को व्यापक स्वरूप दिया।

गुलाब की पंखुड़ियों से उतारी जा रही श्रीराम की आरती

कार्यालय अयोध्या

अमृत विचार: चिलचिलाती धूप व गर्मी के प्रकोप का असर मंदिरों में भी पड़ रहा है। गर्भगृह में विराजमान भगवान को गर्मी से बचाने के लिए एसी, कूलर लगाए गए हैं। श्री रामलला को गर्मी से बचाने के लिए गुलाब की पत्तियों से भगवान के शरीर को ढक कर रखने के साथ दोपहर में आरती की जा रही है।

राम मंदिर के एक पुजारी ने मंगलवार को बताया कि राम जन्मभूमि परिसर में विराजमान श्री रामलला बालक रूप में पूजा की जाती है। जिस प्रकार से मां अपने बच्चे की सेवा करती है उसे तरह पुजारी आने भगवान की सेवा करते हैं। इसलिए उनको मौसम के अनुसार सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। गर्मी को लेकर गर्भगृह में एसी, पंखा, कूलर, लगाया गया है। श्री रामलला के शरीर को गुलाब के फूलों से ढका जाता है।

गुलाब की पंखुड़ियों से रामलला की आरती उतारते पुजारी। • अमृत विचार

साजिश

फर्जी कॉन्फ्रेंस के नाम पर छात्राओं को दिल्ली ले जाने की थी तैयारी, पुलिस कर रही जांच

केजीएमयू में पकड़ा गया फर्जी डॉक्टर, धर्मांतरण रैकेट की आशंका

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) प्रशासन ने मंगलवार को एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करते हुए धर्मांतरण रैकेट की आशंका में एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी हस्साम अहमद 12वीं पास है, लेकिन खुद को मेडिकल छात्र बताकर विवि में सक्रिय था।

केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने ब्राउन हॉल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मड़ियांव के अजीज नगर सेमरा गौढ़ी निवासी आरोपी ने कार्डियो सेवा संस्थान नाम से एक ट्रस्ट बना रखा था। वह विश्वविद्यालय में घूमकर खुद को सीनियर छात्र बताता और छात्रों-छात्राओं पर प्रभाव जमाता था। इतना ही नहीं, वह इलाज के लिए आने वाले मरीजों से वसूली भी करता था। जांच में सामने आया कि 13 अप्रैल को आरोपी ने केजीएमयू की कई छात्राओं को दिल्ली में होने वाली एक कथित कॉन्फ्रेंस के नाम पर फर्जी चयन पत्र जारी किया। इस पत्र पर प्रो. केके सिंह के फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे और इसमें अमेरिका के डॉक्टरों से मुलाकात का लालच भी दिया गया था। आरोपी इन छात्राओं को 29 अप्रैल को दिल्ली ले जाने की तैयारी में था। इससे पहले 20 अप्रैल को वह छात्राओं को हुसैनाबाद घंटाघर के पास लगे एक चिकित्सा शिविर में भी ले गया था। छात्राएं उसके प्रभाव में थीं और उसके साथ दिल्ली जाने को तैयार थीं। मामला संदिग्ध लगने पर प्रशासन ने फर्जी पत्र जब्त किया और शिविर की जांच की। मंगलवार को जैसे ही आरोपी जनरल सर्जरी विभाग के पास पहुंचा, छात्रों की मदद से उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। उसके खिलाफ तहरीर दे दी गई है। इस संबंध में इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकारों को जानकारी देते डॉ.केके सिंह, डॉ. प्रेमराज सिंह, डॉ. ओपी सिंह और डॉ. अमिय अग्रवाल और मीडिया के सवालों का जवाब देता आरोपी हस्साम अहमद। अमृत विचार

ऐसे लेता था झांसे में

- आरोपी हस्साम अहमद ने स्वीकार किया है कि वह केजीएमयू का डीन बनकर व्हाट्सएप पर छात्रों से संपर्क करता था। उसकी प्रोफाइल फोटो में डीन की तस्वीर लगी होने के कारण छात्र-छात्राएं आसानी से उसके प्रभाव में आ जाते थे। जांच में सामने आया कि आरोपी पहले छात्रों से विश्वास कायम करता, फिर उन्हें एक कथित कॉर्डियो सेवा फाउंडेशन से जोड़ने का लालच देता था। वह फाउंडेशन के नाम पर पुरस्कार, सम्मान और करियर में मदद का झूठा सपना दिखाता था। इसी जाल में फंसकर एक छात्रा पूरी तरह प्रभावित हो गई। उसने बिना अपने परिवार या केजीएमयू प्रशासन को सूचना दिए दिल्ली जाने का फैसला तक कर लिया। पूछताछ के दौरान छात्रा ने बताया कि आरोपी ने उसे कई पुरस्कार मिलने का भरोसा दिलाया था। पत्रकार वार्ता में ट्रॉमा सीएमएस डॉ. प्रेमराज सिंह, डॉ. ओपी सिंह, डॉ. अमिय अग्रवाल, डॉ. भास्कर अग्रवाल, डॉ. अंकुर बजाज डॉ. कुमार शांतनु मौजूद रहे।

डॉक्टरों के नाम का दुरुपयोग

- आरोपी ने दावा किया कि उसके ट्रस्ट से एसजीपीजीआई और शहर के दो नामी निजी मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टर जुड़े हैं। मीडिया को डॉक्टरों के नाम भी बताए। उसके दावों की सत्यता की जांच की जा रही है।

व्हाट्सएप पर लगा रखी थी केजीएमयू प्रवक्ता की फोटो

- विश्वास जीतने के लिए आरोपी ने अपने व्हाट्सएप डीपी पर प्रो. केके सिंह की फोटो लगा रखी थी और उसी के नाम से दस्तावेज जारी कर रहा था। चयनित छात्राओं ने पत्र को सोशल मीडिया पर डाल रखा था। जिसके बाद यह मामला पकड़ में आया।

विदेश भेजने की साजिश

- प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी विशेष रूप से हिंदू छात्राओं को निशाना बनाता था। शक है कि वह धर्मांतरण के साथ उन्हें विदेश भेजने की साजिश बना रहा था, जहां उनके साथ अनैतिक गतिविधियों की आशंका जताई जा रही है। हिन्दू लड़कियां आसानी से उसके झांसे में आ जाएं इसके लिए वह अपने धर्म के लोगों को जोड़ने के साथ ही एमबीबीएस कर रहे लड़कों को भी जोड़ता था।

40.32 लाख महिलाओं का सहारा बनी विधवा पेंशन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री का निर्देश, कोई भी पात्र महिला योजना से न रहे वंचित

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर सरकार लगातार सक्रिय है। प्रदेश की 40.32 लाख से अधिक विधवा महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री की स्पष्ट हिदायत है कि कोई भी पात्र महिला योजना से वंचित न रहे।

निदेशालय की निदेशक डॉ. वंदना वर्मा ने बताया कि निराश्रित महिला (विधवा) पेंशन योजना प्रदेश की लाखों महिलाओं के लिए संबल बनकर उभरी है। इस योजना के अंतर्गत सहायता राशि वर्ष में चार किस्तों में दी जाती है। हर तीन महीने की राशि एक साथ लाभार्थियों के खातों में भेजी जाती है। अप्रैल-जून, जुलाई-सितंबर, अक्टूबर-दिसंबर और जनवरी-मार्च—इन चार चरणों में भुगतान सुनिश्चित किया जाता है। वर्ष 2021 में सरकार ने बड़ा निर्णय लेते हुए पेंशन राशि को 500 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दिया था। यह धनराशि सीधे आधार लिंक बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। वर्ष 2016-17 से पहले जहां लगभग 17.31 लाख महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 40 लाख से अधिक हो गई है। यह वृद्धि दर्शाती है कि सरकार अधिक से अधिक जरूरतमंद महिलाओं तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। योजना का लाभ केवल उत्तर प्रदेश की स्थायी निवासी उन महिलाओं को मिलता है, जिनके पति का निधन हो चुका है, जिनकी आयु 18 वर्ष से अधिक है और परिवार की वार्षिक आय 2 लाख रुपये से कम है।

अमृत विचार
बुधवार, 22 अप्रैल 2026

कभी-कभी क्लास बंक करके दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करना बेहतर होता है, क्योंकि अब जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो नंबर मुझे हंसाते नहीं, बल्कि यादें हंसाती हैं।

एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

रणनीतिक साझेदारी

भारत-दक्षिण कोरिया के बीच हुए हालिया समझौते केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और वैश्विक व्यापार में उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच होर्मुज संकट, आपूर्ति श्रृंखला के टूटने और वैश्विक ध्रुवीकरण के इस दौर में भारत और दक्षिण कोरिया द्वारा द्विपक्षीय सहयोग के तहत 25 अहम समझौते करना तथा 2030 तक आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य इसके एक रणनीतिक उत्तर के रूप में देखा जाना चाहिए। ये समझौते बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के संकेत हैं।

समझौतों का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सहयोग का विस्तार पारंपरिक व्यापार से आगे बढ़कर रणनीतिक और उच्च तकनीकी क्षेत्रों तक है। सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, शिपबिल्डिंग, रक्षा उत्पादन और महत्वपूर्ण खनिज इसके कुछ उदाहरण हैं। 'चिप से शिप' तक का यह विस्तार भारत की उस नीति के अनुरूप है, जिसमें वह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय विकल्प बनना चाहता है। दक्षिण कोरिया की उन्नत तकनीक और भारत के विशाल बाजार और श्रमबल का संयोजन इस साझेदारी को स्वाभाविक मजबूती देता है। शिपबिल्डिंग में सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। दक्षिण कोरिया इस क्षेत्र का वैश्विक नेता है और भारत अपनी समुद्री क्षमता बढ़ाने के प्रयास में है। दक्षिण भारत में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड शिपयार्ड और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल औद्योगिक विकास को गति देंगे, बल्कि भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सामरिक बढ़त भी दिला सकते हैं। रक्षा क्षेत्र में संयुक्त उत्पादन और टेक्नोलॉजी साझेदारी भारत की 'आत्मनिर्भर रक्षा' नीति को गति दे सकती है। वहीं सेमीकंडक्टर और डिजिटल ब्रिज जैसे समझौते भारत की तकनीकी संप्रभुता को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम हैं। यह विशेष महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि वैश्विक चिप आपूर्ति पर अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा का गहरा प्रभाव है। इन समझौतों के कई सकारात्मक पहलू हैं, पर कुछ सवाल भी। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच व्यापार असंतुलित है, भारत का आयात अधिक है, निर्यात कम। यदि इस असंतुलन को ठीक नहीं किया गया तो यह साझेदारी एकतरफा लाभ की ओर झुक जाएगी। भारत में 700 से कम कोरियाई कंपनियां सक्रिय हैं, जो बहुत कम है। छोटे और मझोले कोरियाई उद्यमों के लिए औद्योगिक टाउनशिप की योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए हमें अपने नियामक ढांचे, भूमि अधिग्रहण और निवेश का वास्तविक प्रवाह तथा श्रम सुधारों में खासी तेजी लानी होगी।

आखिरी बात यह कि पश्चिम एशिया के संघर्ष के चलते यदि समुद्री मार्ग बाधित होते हैं और ऊर्जा कीमतें बढ़ती हैं, तो निवेश और उत्पादन लागत दोनों प्रभावित होंगे। इन सबके बावजूद समझौतों का व्यापक प्रभाव सकारात्मक है। यह भारत को दुनिया में चीन-निर्भर आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकल्प के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा। साथ ही इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक स्थिर और नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देगा, जो दोनों देशों के साझा हित में है।

प्रसंगवश

स्वच्छ भारत मिशन ने बदली गांवों की तस्वीर

स्वच्छता किसी भी समाज की बुनियादी पहचान होती है। यह केवल स्वास्थ्य से नहीं, बल्कि सामाजिक विकास और सम्मान से भी जुड़ी होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता का स्तर किसी जिले के समग्र विकास का आईना होता है। अधिकांश ग्रामीण इलाकों में खुले में शौच एक आम समस्या थी। गांवों की गलियों और खेतों के आसपास गंदगी फैली रहती थी, जिससे मलेरिया, डायरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों का खतरा बना रहता था, लेकिन वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत मिशन लागू होने के बाद से इस स्थिति में धीरे-धीरे बदलाव देखने को मिला है।

स्वच्छ भारत मिशन ने ग्रामीण क्षेत्र में अहम किरदार अदा किया है, जिसके तहत सरकार द्वारा प्रत्येक पात्र परिवार को शौचालय निर्माण के लिए 12,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। इस राशि में केंद्र और राज्य सरकार का संयुक्त योगदान होता है, जिसमें लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार का होता है। इस सहायता राशि ने गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों को अपने घर में शौचालय बनवाने के लिए प्रेरित किया। दूसरी ओर अब गांवों की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर पहले की तुलना में कम गंदगी दिखाई देती है। लोग घर के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित हुए हैं।

रागिनी कुमारी
एक्टिविस्ट

केंद्र और राज्य सरकार ने स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कई अन्य योजनाएं भी लागू की हैं। स्वच्छ भारत मिशन के दूसरे चरण में अब केवल शौचालय निर्माण ही नहीं, बल्कि ठोस और तरल कचरा प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत गांवों में कचरा संग्रहण केंद्र, कम्पोस्ट गड्ढे और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। छोटे गांवों के लिए प्रति व्यक्ति लगभग 60 रुपये तक ठोस कचरा प्रबंधन और 280 रुपये तक गंदे पानी के प्रबंधन के लिए सहायता दी जाती है। इससे गांवों में स्वच्छता बनाए रखने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित हो रही है।

वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में भी स्वच्छता को एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में शामिल किया गया है। इस बजट में स्वच्छ भारत मिशन के लिए कुल लगभग 9,692 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम के लिए 7,192 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए यह राशि महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

गांव के विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय निर्माण होने से बच्चों, विशेषकर लड़कियों की उपस्थिति में भी सुधार हुआ है। इससे न केवल स्वच्छता बढ़ी है, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके बावजूद चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। कई बार शौचालय बनने के बाद भी उसका नियमित उपयोग नहीं किया जाता या उसकी साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जाता।

इसी प्रकार कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए पर्याप्त संसाधनों और तकनीकी ज्ञान की कमी भी एक बड़ी समस्या है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी और पुराने व्यवहार भी इस दिशा में बाधा बनते हैं, इसलिए केवल सरकारी योजनाएं ही नहीं, बल्कि सामुदायिक सहभागिता भी इस अभियान की सफलता के लिए आवश्यक है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

नया समझौता भारत-रूस मैत्री का अहम पड़ाव

दिग्विजय सिंह
कानपुर

भारत और रूस के बीच हुए अहम समझौते के तहत अब दोनों देश एक-दूसरे के देश में तीन हजार सैनिकों के अतिरिक्त 10 लड़ाकू विमान, पांच युद्धपोत तैनात कर सकेंगे।

रूस, भारत का स्वाभाविक मित्र है। जब भी भारत पर किसी भी तरह का संकट आया, रूस ने संकटमोचक की भूमिका अदा की। रूस को अपने पाले में करने के लिए पाकिस्तान ने एड़ी-चोटी का जोर लगा रखा है, लेकिन भारत और रूस के बीच हुए एक अहम समझौते ने न सिर्फ पाकिस्तान को परेशान कर दिया है, बल्कि चीन और अमेरिका जैसे देश भी सकते में हैं। अमेरिका तो कभी नहीं चाहता कि रूस और भारत की दोस्ती बनी रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो इस दोस्ती को खत्म कराने के लिए एक के बाद एक चाल चली, लेकिन वे कामयाब नहीं हुए। भारत की रूस से दोस्ती और गहरी हो गई।

भारत और रूस के बीच हुए अहम समझौते के तहत अब दोनों देश एक-दूसरे के देश में तीन हजार सैनिकों के अतिरिक्त 10 लड़ाकू विमान, पांच युद्धपोत तैनात कर सकेंगे। दशकों पुराने दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच हुआ ये ऐतिहासिक करार से पाकिस्तान के हुक्मरान चिंतित हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इस वक्त क्वाड और नाटो की तर्ज पर ही इस्लामिक नाटो का खाका खींचने में लगे हुए हैं। उनके इस प्लान को तुर्किए, मिश्र और सऊदी अरब ने समर्थन दिया है। इससे भारत की चिंता बढ़ी है।

पाकिस्तान के दोगलेपन का जो इतिहास है, उससे यह सभी को पता है कि इस्लामिक नाटो यदि बन भी जाता है, तो बहुत दिन तक टिक नहीं पाएगा, क्योंकि पाकिस्तान स्वार्थी देश है और जहां उसे लगेगा कि इस गठबंधन से उसका आर्थिक नुकसान हो रहा है, तो वह तुरंत बाहर भी आ जाएगा। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच नाटो की तरह ही पिछले वर्ष समझौता हुआ था। इसके तहत इनमें से किसी भी देश पर हमला दोनों देशों पर हमला माना जाएगा, लेकिन ईरान द्वारा सऊदी अरब पर की गई बमबारी के दौरान पाकिस्तानी सेना चुप रही। उसने सऊदी अरब की तरफ से ईरान को कोई जवाब नहीं दिया।

भारत और रूस के बीच लॉजिस्टिक्स सपोर्ट के पारस्परिक आदान-प्रदान के इस समझौते से अब पूरी दुनिया को पता लग गया है कि यह दोस्ती अटूट है। उसे न तो ट्रंप टैरिफ रूपी हथियार से तोड़ पाएंगे न ही चीन, रूस पर दबाव बनाकर खत्म करा पाएगा। पाकिस्तानी एक्सपर्ट तो अब यहां तक कहने लगे हैं कि रूस, भारत पर दांव लगाकर बेवकूफी कर रहा है, हालांकि पाकिस्तानी एक्सपर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति के कायल नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि भारत बड़ी ही खूबसूरती से अमेरिकी निवेश, रूस के हथियार और चीन के उत्पाद एक साथ चाहता है और इसमें सफल भी हो रहा है।

रूस की चीन के साथ पारंपरिक दोस्ती है। कई मौकों पर चीन ने रूस की मदद भी की है। ऐसे में अब पाकिस्तान को यह लग रहा है कि कहीं चीन और भारत के कड़वाहट भरे दिन दूर न हो जाएं। अगर चीन और भारत की दोस्ती रूस के जरिए और गहरी होती है, तो इसका नुकसान पाकिस्तान को ज्यादा होगा। भारत में इसी साल होने वाली ब्रिक्स देशों की बैठक में चीनी राष्ट्रपति के भी आने की उम्मीद है। गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद दोनों देशों के बीच कड़वाहट आई थी, लेकिन अब धीरे-धीरे वह खत्म हो रही है। इसमें रूस भी बहुत हद तक दोनों देशों की मदद कर रहा है।

चीन नहीं चाहता था कि रूस और भारत के बीच यह समझौता हो, लेकिन इस समझौते पर उसने किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया भी नहीं दी है, क्योंकि वह भारत से बिगड़ चुके रिश्ते को बहाल करने में लगा हुआ है। इस समझौते से अब भारत, रूस के मुरमांस्क और सेवेरोमोर्स्क में स्थित बड़े बंदरगाहों का उपयोग आसानी से कर सकेगा। यह समझौता सामरिक दृष्टि से भी दोनों देशों के लिए बड़ा मददगार होगा। रूस को हिंद महासागर में भारतीय नौसेना से लॉजिस्टिक्स सहयोग मिलेगा। इससे रूस को ईंधन भरने, मरम्मत, कलपुर्जे और अन्य सहायता मिलने में आसानी होगी।

यह समझौता दोनों देशों को लंबी दूरी के अभियानों में पैसे और समय की बचत करने में मदद भी करेगा।

इंडो-रशियन रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट' फरवरी 2025 में हुआ था, जो अब पूरी तरह से लागू हो गया है। इसके तहत दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और मानवीय सहायता अभियानों में संयुक्त रूप से शामिल होंगी। यह केवल सैन्य तैनाती तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें लॉजिस्टिक सहयोग का भी प्रावधान किया गया है। दोनों देश युद्धपोतों को बंदरगाह सेवा, मरम्मत सुविधा, पानी, भोजन और अन्य तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराने के साथ ही सैन्य विमानों के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल, उड़ान से जुड़ी सूचनाएं, नेविगेशन सिस्टम का उपयोग, पार्किंग और सुरक्षा जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगे।

भारत रूस से सर्वाधिक हथियारों की आपूर्ति करता है। अगर इतिहास की बात करें तो रूस हर मौके पर भारत के साथ खड़ा रहा है। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ, तो ब्रिटेन-अमेरिका जैसे देश भारत के विरुद्ध खड़े हो गए थे। उस समय सोवियत संघ (रूस) ही था, जिसने सीना तानकर भारत की मदद का न सिर्फ एलान किया, बल्कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों को स्पष्ट रूप से कहा कि यदि किसी ने पाकिस्तान की सैन्य मदद करने की कोशिश की तो वह भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ेगा।

यहां तक संयुक्त राष्ट्र संघ में भी रूस ने वीटो करके भारत को राजनयिक सुरक्षा प्रदान की थी। रूस की सक्रियता के कारण ही चीन, पाकिस्तान की मदद नहीं कर पाया था, जबकि पाकिस्तान को उम्मीद थी कि ब्रिटेन, अमेरिका और चीन उसके पक्ष में भारत के विरुद्ध हमले करेंगे। विदेशी मामलों के कुछ जानकार कहते हैं कि भारत और रूस के बीच कई और सामरिक समझौते जल्द होंगे, जो दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करेंगे।

आमने सामने

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव भी यही चाहते हैं कि सिर्फ उनकी पत्नी सांसद बनकर लोकसभा जाएं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि देश में 272 बहनें लोकसभा पहुंचें और महिलाओं को सही मायने में सशक्त बनाया जाए।

-सम्राट चौधरी
मुख्यमंत्री, बिहार

जघन्य अपराध करने वाले, अपराध से बचने के लिए उम्र बदलने वाले, विचारहीन और सिद्धांतहीन होकर दल बदलने वाले, किसी को छल से हटाने वाले तथा भ्रष्टाचार के शिरोमणि कहलाने वाले व्यक्ति बिहार के मुख्यमंत्री कैसे बन सकते हैं?

-अखिलेश यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष, सपा

देश के लिए अहम है फास्ट ब्रीडर रिएक्टर कार्यक्रम

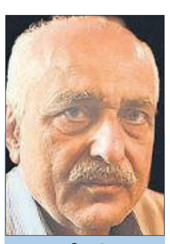

रनबीर सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

कलपक्कम में चालू किया गया प्रोटोटाइप फास्ट फ्रीडर रिएक्टर हमारी न्यूक्लियर इंजीनियरिंग उद्यमिता को दर्शाने का तसल्ली बख्श कदम है।

इस महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु में कल्पक्कम पहुंचे और 500 मेगाइलेक्ट्रान क्षमता तक बिजली बनाने वाले एक 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' को इनके सामने चालू किया गया। परमाणु संयंत्र ने सफलतापूर्वक 'क्रिटिकैलिटी' हासिल की। भारत पहले से ही यूरेनियम खनिज को एनरिच करके और बाहर से खरीद कर भी 20 परमाणु संयंत्रों को चलाकर बिजली बना रहा है। भारत के इस पहले चरण में परमाणु विद्युत् ऊर्जा उत्पादन के लिए संवृद्ध यूरेनियम-235 का इस्तेमाल होता है। दूसरे चरण के विकास में थोरियम खनिज से विद्युत् उत्पादन आता है, जिसके लिए पहले टेस्ट रिएक्टर बनाया गया और अब पूरी क्षमता का फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टर बना कर चालू किया है, जिसके लिए थोरियम खनिज से प्राप्त प्लूटोनियम का इस्तेमाल हुआ है।

इसे फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में इस्तेमाल होने वाले फ्यूल ग्रेड मटीरियल में बदलने की प्रक्रिया में न्यूट्रॉन एक्टिवेशन, यूरेनियम-233 का विखंडन, ऊर्जा का उपयोग और लगातार ब्रीडिंग वाले चरण शामिल होते हैं। थोरियम-232 एकल/सिंगल न्यूट्रॉन सोख लेता है और थोरियम-233 में बदल जाता है जो टूटकर प्रोटैक्टिनियम-233 बनता है। यह आगे टूटकर यूरेनियम-233 बन जाता है, जिसका विखंडन होता है और इस प्रक्रिया में यह ऊर्जा और अतिरिक्त न्यूट्रॉन पैदा करके कुछ और विखंडन उत्पाद बनता है। विखंडन से मिली ऊर्जा गर्मी में बदल जाती है, जिसका इस्तेमाल फिर बिजली बनाने के लिए किया जाता है। थोरियम को प्रॉसेस करके एक न्यूक्लियर फ्यूल के तौर पर काम में लाया जा सकता है, भले ही वह शुरू में विखंडनीय न हो। रिएक्टर की कोर में ऐसी व्यवस्था की जाती है, जिससे यूरेनियम-233 की लगातार ब्रीडिंग होती है और नियंत्रित तरीके से उसका इस्तेमाल संभव है। थोरियम फ्यूल आधारित रिएक्टर प्रॉसेस्ड और एनरिच्ड और मिक्स्ड ऑक्साइड फ्यूल के इस्तेमाल और कचरा कम करने के मामले में ज़्यादा कुशल हैं।

थोरियम फ्यूल साइकिल को यूरेनियम-आधारित न्यूक्लियर रिएक्टरों के एक व्यवहार्य पूरक विकल्प के तौर पर पहचान मिली है, क्योंकि इसमें न्यूक्लियर सुरक्षा, प्रसार और स्थिरता है। भारत ने इस विकल्प को इसलिए चुना है, क्योंकि हमारे पास केरल के समुद्र तट पर थोरियम का विशाल भंडार है, जो अगले पांच सौ साल तक बिजली की वर्तमान खपत बढ़ने के बाद भी ख़त्म नहीं होने वाला नहीं। संवर्द्धित यूरेनियम सप्लायर देशों पर इससे हमारी निर्भरता कम हो जाएगी। हमारा फास्ट ब्रीडर रिएक्टर सोडियम तरल से ठंडा किया जाता है। थोरियम-आधारित परमाणु ऊर्जा के प्रति चीन का दृष्टिकोण भी पारंपरिक ठोस-ईंधन वाले फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टरों की तुलना में अलग तरह से डिज़ाइन किया गया है।

चीन मुख्य रूप से मोल्टन सॉल्ट रिएक्टरों को विकसित करने में अग्रणी है, जो पारंपरिक रिएक्टरों में इस्तेमाल होने वाली ठोस ईंधन छड़ों के बजाय तरल ईंधन का उपयोग करते हैं। भारत ने ऐसा नहीं किया, बल्कि सुरक्षा कारणों की समीक्षा करके प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के लिए यूरेनियम-प्लूटोनियम मिक्स्ड ऑक्साइड फ्यूल राड्स का इस्तेमाल किया है। थोरियम-232 का इस्तेमाल कोर के चारों ओर एक ठोस ब्लैंकेट सामग्री के तौर पर किया जाता है, ताकि भविष्य में इस्तेमाल के लिए यूरेनियम-233 बनाया जा सके। इस तरह यह तरल ईंधन के इस्तेमाल के बजाय एक ठोस-अवस्था वाली ब्रीडिंग प्रक्रिया बन जाती है।

कलपक्कम में चालू किया गया प्रोटोटाइप फ़ास्ट फ्रीडर रिएक्टर हमारी न्यूक्लियर इंजीनियरिंग उद्यमिता को दर्शाने के अलावा विशाल थोरियम भंडारों का उपयोग करने की दिशा में एक तसल्ली बख्श कदम है। रूस के बाद, भारत ने ही कमर्शियल-स्केल पर फास्ट ब्रीडर रिएक्टर चला कर यह क्षमता हासिल की है। प्रोटोटाइप रिएक्टर में लिक्विड सोडियम कूलेंट का इस्तेमाल करके यूरेनियम-238 को प्लूटोनियम-239 में बदला जाता है। कलपक्कम में स्थापित इस पहले प्रोटोटाइप रिएक्टर का डिजाईन स्थित इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र ने और फेब्रिकेशन इंजीनियरिंग का कार्य भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड ने किया है। इस कार्य में 200 से ज़्यादा भारतीय उद्योगों का अहम योगदान रहा है, जिसने साबित किया है कि परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल करने के लिए सभी तरह की प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग में हमें इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर लिया है।

कलपक्कम में प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर की 500 मेगा इलेक्ट्रान वोल्टस विद्युत उत्पादन इकाई के लिए मॉक्स-फ्यूल या मिक्स्ड-ऑक्साइड ईंधन इस्तेमाल हुआ है। यह एक ऐसा परमाणु ईंधन है, जिसे प्लूटोनियम ऑक्साइड को यूरेनियम ऑक्साइड के साथ मिलाकर बनाया जाता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

नेहरू परिवार की यहूदी बहू

इतिहास में कुछ जीवन ऐसे होते हैं जो अपने भीतर की संवेदनशीलता और साहस के कारण याद किए जाते हैं। शोभा नेहरू, जिन्हें परिवार और मित्र 'आंटी फोरी' कहकर पुकारते थे, ऐसी ही एक असाधारण स्त्री थीं। उनका जीवन किसी उपन्यास की तरह कई महाद्वीपों, संस्कृतियों और संकटों से होकर गुजरा और हर मोड़ पर उन्होंने एक नया रूप धारण किया।

राज गोपाल सिंह वर्मा
लेखक

बुडापेस्ट की एक यहूदी लड़की के रूप में जन्मी फोरी ने बचपन में ही हिंसा और भय का चेहरा देखा। उन्होंने बाद में याद किया था कि एक बार ट्रेन से यात्रा करते हुए उन्होंने रास्ते में पेड़ों से लटके लोगों को देखा था। वह दृश्य उनके मन में हमेशा के लिए बस गया। उस समय शायद उन्हें यह आभास नहीं था कि जीवन उन्हें एक ऐसे देश में ले जाएगा, जहां वे केवल एक परिवार की सदस्य नहीं, बल्कि संकट के समय लोगों की संरक्षक बनेंगी।

लंदन में पढ़ाई के दौरान उनकी मुलाकात जवाहर लाल नेहरू के भतीजे बृज कुमार नेहरू से हुई। प्रेम हुआ और फिर विवाह का निर्णय। यह निर्णय आसान नहीं था। उस समय धर्म, जाति और नस्ल के प्रश्न विवाह के रास्ते में बड़ी दीवार की तरह खड़े होते थे। फिर भी उन्होंने जोखिम उठाया और 1935 में लाहौर में हिंदू रीति से विवाह किया। भारत आने पर उन्होंने जीवन का ढंग भी बदल लिया। साड़ी पहनना, हिंदी सीखना और भारतीय परिवार की परंपराओं में घुलना उनके लिए एक आत्मिक परिवर्तन की तरह था।

उनके ससुराल वालों ने उनका नाम शोभा रखा, जिसका अर्थ है चमक या सौंदर्य। इस विवाह को व्यापक रूप से प्रचारित किया गया और इसकी तस्वीरें कई समाचार पत्रों में छपीं। नेहरू परिवार ने फोरी को पूरी तरह स्वीकार किया। जवाहरलाल नेहरू उस समय जेल में थे, जिनसे मिलने फोरी भी गई थीं। बीके नेहरू अपनी आत्मकथा 'नाइस गाइज़ फ़िनिश सेकेंड' में लिखते हैं, 'जवाहर लाल की नज़र से ये छिपा नहीं रह सका कि फोरी की आंखों में आंसू थे। अगले दिन उन्होंने फ़ोरी को पत्र लिख कर कहा, अब जब तुम नेहरू परिवार का सदस्य बनने जा रही हो, तुम्हें परिवार के क़ायदे-क़ानून भी सीख लेने चाहिए। सबसे पहली चीज़ जिस पर तुम्हें ध्यान देना चाहिए, वो ये है कि चाहे जितना बड़ा दुख हो, नेहरू कभी किसी के सामने नहीं रोते।'

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

तेजी से बढ़ा तापमान बदलते मौसम का चेतावनी संकेत

इस वर्ष गर्मी ने अपने तेवर समय से पहले ही दिखाने शुरू कर दिए हैं। अप्रैल के महीने में ही तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है, वह केवल मौसम का सामान्य बदलाव नहीं, बल्कि एक गहरे पर्यावरणीय संकट की ओर संकेत करता है। यह स्थिति हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम वास्तव में प्रकृति के संतुलन को समझ पा रहे हैं, या फिर हम इन परिवर्तनों को अनदेखा करते हुए उन्हें सामान्य मानने लगे हैं। कभी जो मौसम अपने निर्धारित समय और स्वरूप के अनुसार चलता था, आज वह असंतुलित होता दिखाई दे रहा है। असामान्य गर्मी, अनियमित वर्षा और बढ़ता जल संकट, ये सभी संकेत हैं कि प्रकृति के साथ हमारा संबंध अब संतुलित नहीं रह गया है।

शहरीकरण और औद्योगिकीकरण की तेज गति ने विकास तो दिया है, लेकिन इसके साथ पर्यावरणीय दबाव भी लगातार बढ़ाया है। शहरों में कंक्रीट का विस्तार, हरियाली की कमी और प्राकृतिक सतहों का नष्ट होना तापमान को और अधिक बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बढ़ती गर्मी का प्रभाव केवल असुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य, जल संसाधनों और कृषि व्यवस्था पर भी गहरा असर डाल रहा है। हीटवेव की घटनाएं अब अधिक सामान्य होती जा रही हैं, जिससे विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और श्रमिक वर्ग को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लंबे समय तक तेज गर्मी में काम करने वाले लोगों के लिए यह स्थिति कई बार जानलेवा भी हो सकती है। इसके साथ ही, फसलों पर पड़ने वाला प्रभाव खाद्य सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय बनता जा रहा है।

संध्या अग्रवाल
लेखिका

जल स्रोतों का सूखना और पानी की कमी इस संकट को और गंभीर बना रही है। भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और कई क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। जल संरक्षण के पारंपरिक उपायों की अनदेखी ने इस समस्या को और गहरा कर दिया है। इसके साथ ही, प्रदूषण इस संकट को बढ़ाने वाला एक प्रमुख कारण है। वायु प्रदूषण वातावरण के तापमान को प्रभावित करता है, जबकि जल और भूमि प्रदूषण प्राकृतिक संसाधनों की गुणवत्ता को कम करता है। विशेष रूप से प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है।

प्लास्टिक कचरा न केवल जमीन और जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, बल्कि इसके कारण पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित होता है। ऐसे में आवश्यक है कि हम प्लास्टिक के उपयोग को सीमित करें और उसके स्थान पर इको-फ्रेंडली विकल्पों को अपनाएं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हम इन परिवर्तनों को धीरे-धीरे सामान्य मानने लगे हैं। एयर कंडीशनर और कूलर के सहारे हम अस्थायी राहत तो पा लेते हैं, लेकिन यह समाधान नहीं, बल्कि समस्या को और बढ़ाने का एक कारण भी बनता है।

ऊर्जा की बढ़ती खपत और उससे जुड़ा प्रदूषण इस संकट को और गहरा कर रहे हैं। यह समय केवल चिंता करने का नहीं, बल्कि अपनी जिम्मेदारी को समझने और उसे निभाने का है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक का सीमित उपयोग और पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवनशैली— ये छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े परिवर्तन की दिशा तय कर सकते हैं। इसके साथ ही, नीति स्तर पर भी ठोस और दीर्घकालिक कदम उठाने की आवश्यकता है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

आदिवासी कला का पुनरुत्थान

भारतीय आदिवासी कला के इतिहास में सन् 1980 का दशक सदैव याद किया जाएगा, क्योंकि इस समय मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भारत भवन की स्थापना हुई और भारतीय आदिवासी कला का तो जैसे पुनरुत्थान काल आरंभ हुआ। उस समय तक लोग आदिवासी चित्रकला के नाम पर महाराष्ट्र के वारली, मध्य प्रदेश के भील, गुजरात के राठवा और ओडिशा के सौंरा आदिवासियों के चित्र ही जानते थे। इनमें भी वारली आदिवासियों के चित्र प्रसिद्धि के शिखर पर थे।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

कलाकारों की खोज का अभियान

भारत भवन की स्थापना के साथ ही प्रसिद्ध चित्रकार जगदीश स्वामीनाथन के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के विभिन्न आदिवासी समुदायों की कला परंपराओं और प्रतिभाशाली कलाकारों की खोज का एक सुविचारित अभियान आरंभ हुआ। इसका केंद्रबिंदु आदिवासी मानस की सृजन क्षमता की पहचान, परख और उसे पल्लवित होने के अवसर प्रदान करना था। परिणाम स्वरूप मध्य प्रदेश की परधान, गोंड, बैगा , मुरिया, भील, भिलाला, कोरवा, नगेसिया, बादी, कोरकू , भारिया, ओरांव जैसे अनेक आदिवासी समुदायों के कलाकार सामने आए। इनके साथ ही अनेक पिछड़े समुदायों के लोक कलाकारों को भी पहचान मिली। इस आभियान का फोकस समुदाय से अधिक व्यक्तिगत सृजनशीलता और संभावनाओं पर था। अत : किसी कलाकार के व्यक्तिगत सृजन को भी उसकी समूचि समुदायिक कला चेतना की अभिव्यक्ति का परिणाम मान लिया गया। यह स्थिति प्रधान-गोंड चित्रकार जनगढ़ सिंह श्याम के साथ रही और यही स्थिति बस्तर के मुरिया चित्रकार बेलगूर तथा झाबुआ की भील चित्रकार भूरी बाई और लड़ो बाई के साथ रही। उनकी व्यक्तिगत चित्रकारी क्षमताएं ही उनके समुदाय की प्रतिनिधि चित्रकला समझी जाने लगीं। यहां यह बता दूं कि मैं व्यक्तिगत तौर पर भारत भवन, भोपाल के इस अभियान का अंग रहा हूं और यह सब कुछ मेरी आंखों के सामने हो रहा था।

बैगा जनजाति में विकसित होती कला

भोपाल में स्वामीनाथन के प्रयोगों की सफलता से प्रेरित और उत्साहित होकर अन्य स्थानों पर अन्य अनेक कलाकारों एवं कला संस्थाओं ने इसी प्रकार के प्रयोग करना आरंभ किए। कुछ प्रयोग सफल भी हुए और कुछ आगे नहीं बढ़ सके। सन् 1985 के दौरान गुजरात के अहमदाबाद में ख्यातिप्राप्त चित्रकार हाकु भाई शाह ने गणेश जोगी और

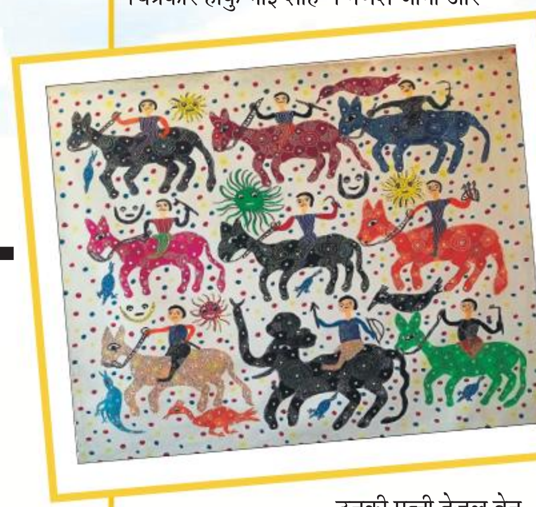

उनकी पत्नी तेजल बेन के साथ ऐसा ही प्रयोग आरंभ किया और उनसे चित्र बनवाना आरंभ किया। गणेश जोगी मूलतः राजस्थान की घुमक्कड़ जोगी समुदाय से थे, जो गांव-गांव घूमकर भजन और लोक कथाएं गाते हैं। उस समय राजस्थान में सूखा पड़ा था और गणेश का परिवार मजदूरी की तलाश में अहमदाबाद आया था। वे और उनकी पत्नी सड़क किनारे गड्ढे खोदने का काम कर रहे थे, जहां से हाकु शाह उन्हें लाए थे। हाकु शाह का प्रयोग सफल रहा गणेश और तेजल दोनों ही प्रतिभा संपन्न निकले और उन्होंने लोक चित्रकला की एक नई जोगी चित्रशैली को जन्म दिया। बाद में भारत सरकार ने गणेश जोगी को जोगी चित्रकला में उनके योगदान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। वर्तमान में उनके कुटुंब के लगभग 15-20 सदस्य चित्रकारी कर रहे हैं और जोगी लोकचित्र, कला जगत में अपनी पहचान बना चुकी हैं। ऐसा ही एक अन्य प्रयोग आशीष स्वामी नाम के एक युवा चित्रकार ने मध्य प्रदेश के उमरिया क्षेत्र के बैगा आदिवासियों के गांव में आरंभ किया। आशीष भोपाल के भारत भवन से भी जुड़ा हुआ था और स्वामीनाथन जी से बहुत प्रभावित था। वह अपने व्यक्तिगत प्रयासों से बैगा आदिवासियों के लोढ़ा गांव में रहकर उन्हें कलाकर्म के लिए प्रेरित करने लगा। बैगा लोगों की अपनी पारंपरिक भित्ति अलंकरण और मिट्टी के काम तथा लकड़ी के मुखौटे बनाने की एक सीमित परंपरा थी। आशीष ने उन्हें कागज और रंग-ब्रश देकर चित्र बनाने के लिए उत्साहित किया। अंततः एक साठ वर्षीय बैगा महिला जुधैया बाई ने उसकी पहल को स्वीकार किया और अपनी व्यक्तिगत कला प्रतिभा के बल पर कुछ ही वर्षों में वे एक सफल बैगा चित्रकार के रूप में स्थापित हो गईं। जुधैया बाई को भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया और एक नई बैगा चित्रकला विश्व में विख्यात हो गई। वर्तमान में यह कला आसपास के कुछ गांवों के अनेक बैगा स्त्री-पुरुष कर रहे हैं।

तेलंगना सरकार खरीदती है चित्र

राजस्थानी भील मांडना चित्रों का व्यवसायीकरण भी आरंभ किया गया था। सन् 1984 में जब उदयपुर के जनजातीय अनुसंधान संस्थान के सांस्कृतिक अधिकारियों को इस क्षेत्र में भेजा गया, तो उन्होंने गोमा परगी और फूला परगी नामक दो युवा भील कलाकारों को अपने पारंपरिक भित्तिचित्र मांडनो को कागज और कैनवास पर चित्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया था। उन दोनों चित्रकारों ने इन सामग्रियों का उपयोग करते हुए चित्रकारी की परंपरा को आगे बढ़ाया। परंतु इन चित्रकारों को आशातीत सफलता नहीं मिल सकी। संभवतः यह चित्रकार उतने प्रतिभशाली नहीं थे कि पारंपरिक चित्रों को एक नई ऊंचाई तक ले जा सकें।

वर्तमान में लगभग दस-पंद्रह भील चित्रकार इससे अपनी आजीविका कमा रहे हैं। इस समय यशपाल बरंडा प्रसिद्ध राजस्थानी भील चित्रकार हैं, वे उदयपुर जिले की नयागांव तहसील के कनबई गांव के रहने वाले हैं। बाद में दक्षिण भारत में भी इस प्रकार के प्रयास हुए। सन् 2016 में तेलंगाना के भद्राचलम स्थित इंटीग्रेटेड ट्राइबल डेवलपमेंट एजेंसी ने हैदराबाद स्थित नेहरू सेंटिनरी म्यूजियम के साथ मिलकर, कोया आदिवासियों के लिए जनजातीय चित्रकारी का एक ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया, जिसके अंतर्गत बीस कोया आदिवासी युवक-युवतियों को चित्रकारी की ट्रेनिंग दी गई। एक सप्ताह की इस ट्रेनिंग को वर्ष में तीन बार आयोजित किया गया। इसके परिणामस्वरूप कोया आदिवासी चित्रकला का उदय हुआ। इस ट्रेनिंग कार्यक्रम के मुखिया नेहरु सेंटिनरी म्यूजियम के क्यूरेटर डॉ. सत्यनारायण थे तथा चित्रकारी सिखाने के लिए

कला महाविद्यालय के शिक्षकों को लाया गया था। उन्होंने निश्चित किया कि चित्र केवल गेरू मिट्टी के लाल और सफेद मिट्टी के रंग से बनाए जाएंगे, जिनका प्रयोग कोया आदिवासी पहले से अपने घर पोतने के लिए करते रहे हैं। चित्रों के विषय भी कोया दैनिक जीवन की गतिविधियों से लिए गए। इनमें गौर सींघ नृत्य तथा सर पर लकड़ी का गट्ठर ले जाती महिला प्रमुख हैं। इस कार्यक्रम को स्वरोजगार योजना से भी जोड़ा गया है। अतः इन प्रशिक्षित चित्रकारों के बनाए चित्र प्रतिमाह राज्य सरकार खरीद लेती है। वर्तमान में कुछ कोया आदिवासी चित्रकार सक्रिय हैं।

भारतीय कला के उन्नयन में योगदान

दक्षिण भारत में अनेक आदिवासी समुदाय निवास करते हैं, लेकिन उनकी चित्रकला के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। सन् 2022 में तमिलनाडु के नीलगिरी क्षेत्र में रहने वाले कुरुंबा आदिवासियों द्वारा पूजा अनुष्ठानों के लिए बनाए जाने वाले भित्तिचित्रों के बारे में चेन्नई की एक संस्था सी .पी . रामास्वामी अय्यर फाउंडेशन को पता लगा और उन्होंने कुछ कुरुंबा चित्रकारों को कागज पर इन चित्रों को बनाने के लिए प्रेरित किया। इसका परिणाम बहुत उत्साहजनक रहा। बाला सुब्रमण्यन और कृष्णन नामक दो कुरुंबा आदिवासी चित्रकारों का आदिवासी कला जगत में उदय हुआ। चेन्नई स्थित दक्षिण चित्र संग्रहालय ने इन कुरुंबा चित्रकारों को अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित किया और इस प्रकार दक्षिण भारत की पहली आदिवासी चित्रकला से कला प्रेमियों का परिचय हुआ। इस प्रकार सन् 1982 में कला चिंतक और चित्रकार जगदीश स्वामीनाथन द्वारा भारत भवन, भोपाल के माध्यम से आरंभ किए गए, आदिवासी कला की विभिन्न परंपराओं के पुनरुत्थान के अभियान के परिणामस्वरूप भारत के अनेक आदिवासी समुदायों के चित्रकार प्रकाश में आ सके और वे अब भारतीय कला के उन्नयन में अपना योगदान दे रहे हैं।

लोकायन

परंपरा, वीरता और उत्सव की जीवंत अभिव्यक्ति

नागालैंड के लोक नृत्य वहां की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत और आकर्षक रूप हैं। ये नृत्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परंपराओं, धार्मिक आस्थाओं और सामूहिक जीवन की अभिव्यक्ति भी हैं। आमतौर पर ये नृत्य त्योहारों, धार्मिक अनुष्ठानों और विशेष अवसरों पर समूहों में प्रस्तुत किए जाते हैं। नागा समाज में पुरुषों का युद्ध नृत्य विशेष रूप से प्रसिद्ध है, जो साहस, शक्ति और वीरता का प्रतीक माना जाता है। इस नृत्य की शैली में मार्शल आर्ट जैसी ऊर्जा और एथलेटिक गति देखने को मिलती है, जिसमें नर्तक युद्ध-घोष और गीतों के साथ प्रदर्शन करते हैं।

नागालैंड की विभिन्न जनजातियों के अपने-अपने पारंपरिक नृत्य हैं, जिनमें कुछ समानताएं भी देखने को मिलती हैं। अधिकतर नृत्यों में शरीर को सीधा रखते हुए पैरों की लयबद्ध गतिविधि प्रमुख होती है। फसल कटाई के समय किए जाने वाले नृत्य विशेष रूप से उल्लासपूर्ण होते हैं, जिनमें समुदाय के लोग मिलकर अपनी खुशियों का इजहार करते हैं।

जेलियांग जनजाति का नृत्य इस दृष्टि से विशिष्ट है कि इसमें महिलाएं भी पुरुषों के साथ सक्रिय भागीदारी करती हैं। नृत्य की शुरुआत में प्रतिभागी धीमी गति से मंच पर प्रवेश करते हैं और फिर वृत्त या अन्य आकृतियां बनाते हुए लय में बंध जाते हैं। इसके बाद पैर पटकते हुए तालमेल के साथ नृत्य शुरू होता है। समूह में गाए जाने वाले शब्द, तालियां और सामूहिक स्वर इस नृत्य को एकजुटता और उत्साह से भर देते हैं। कई बार नर्तक काल्पनिक शत्रु पर आक्रमण का दृश्य प्रस्तुत करते हैं, जिसमें हाथों में लिए गए हथियारों को लयबद्ध ढंग से घुमाया जाता है। जेमी जनजाति के नृत्य भी अपनी विविधता के लिए प्रसिद्ध हैं। इन नृत्यों के नाम अक्सर पक्षियों, जानवरों या कीड़ों की चाल-ढाल से प्रेरित होते हैं, जैसे मुर्गा नृत्य या क्रिकेट नृत्य। कुछ नृत्य केवल पुरुषों द्वारा किए जाते हैं और इनमें गीत-संगीत का साथ होता है, जिसमें झांझ जैसी वाद्य ध्वनियां भी शामिल होती हैं। नागालैंड के विभिन्न उत्सवों, विशेषकर फसल और सांस्कृतिक पर्वों के दौरान, ये नृत्य पूरे उत्साह के साथ प्रस्तुत किए जाते हैं। पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण और सामूहिक भागीदारी इन प्रस्तुतियों को और भी आकर्षक बनाते हैं। इस प्रकार, नागालैंड के लोक नृत्य वहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामुदायिक जीवन की गहराई को दर्शाते हैं।

सिनाई की 5000 वर्ष पुरानी शिलाकृति सत्ता, हिंसा और इतिहास का दृश्य दस्तावेज

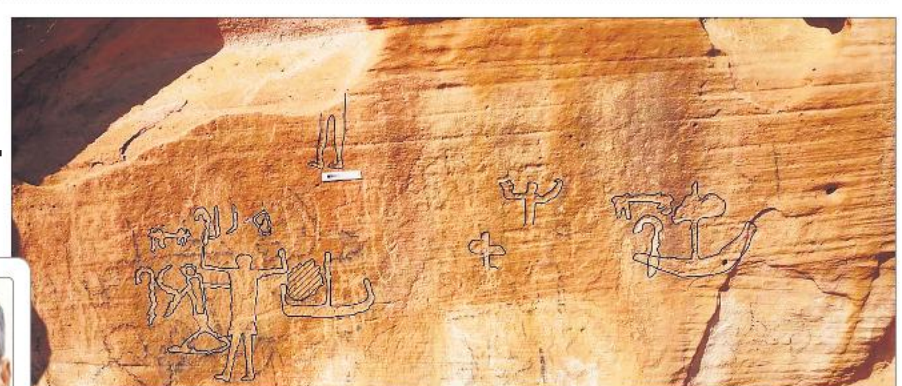

सामान्यत : कला और साहित्य को प्रेम, सौंदर्य और शांति के वाहक के रूप में देखा जाता है, किंतु मानव इतिहास का यथार्थ इससे कहीं अधिक जटिल रहा है। विश्व की विभिन्न कला परंपराओं- चाहे वह भारतीय लघुचित्र हों या पाश्चात्य आधुनिक चित्रकला में, युद्ध, विजय और सत्ता-संघर्ष के दृश्य बार-बार उभरते हैं। भारतीय संदर्भ में मुगल और राजपूत शैली के लघुचित्रों में युद्ध और विजय के प्रसंग मिलते हैं, जबकि पश्चिम में द्वितीय विश्वयुद्ध से प्रेरित अनेक कलाकृतियां निर्मित हुईं। स्पष्ट है कि विजेताओं की गाथाओं के साथ-साथ उनके दृश्यांकन की परंपरा भी उतनी ही पुरानी है। इसी परिप्रेक्ष्य में मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप से प्राप्त लगभग 5000 वर्ष पुरानी एक शिलाकृति (पेट्रोग्लिफ) ने पुरातत्वविदों का विशेष ध्यान आकर्षित किया है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

जर्मनी के बॉन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वादी खामिला क्षेत्र में शैल-कला के एक सर्वेक्षण के दौरान मिस्र के पुरातत्वविद मुस्तफा नूर एल-दीन और बॉन विश्वविद्यालय के विद्वान लुडविग मोरेन्ज ने इस महत्वपूर्ण खोज को सामने रखा। यह शिलाकृति प्रारंभिक मिस्री राजवंशीय काल से जुड़ी मानी जा रही है और इसमें दक्षिणी सिनाई क्षेत्र पर एक प्रारंभिक फराओ की विजय का दृश्य अंकित है।

इस उत्कीर्णन में एक व्यक्ति को लंगोटी पहने खड़े हुए दर्शाया गया है, जिसके हाथ ऊपर उठे हैं मानो वह विजय या शक्ति का प्रदर्शन कर रहा हो। उसके सामने एक अन्य आकृति घुटनों के बल बैठी है, जिसके हाथ बंधे हुए हैं और उसके सीने में एक तीर धंसा हुआ दिखाई देता है। यह दृश्य केवल एक सामान्य चित्रण नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से हिंसा, दमन और सत्ता-प्रदर्शन का प्रतीक है। यही कारण है कि विद्वानों ने इसे 'क्रूर कथा' के रूप में अभिहित किया है। शैलीगत दृष्टि से यह चित्रण मिस्र के प्रथम राजवंश से जुड़े अन्य स्थलों विशेषतः नूबिया क्षेत्र में स्थित गेबेल शेख सुलेमान पर प्राप्त चित्रों से साम्य रखता है। इससे यह संकेत मिलता है कि उस समय मिस्रवासी अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर रहे थे और सिनाई जैसे क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित करना चाहते थे। इस क्षेत्र का महत्व विशेष रूप से वहां उपलब्ध खनिज संसाधनों- जैसे तांबा और फिरोजा के कारण था।

इस शिलाकृति के साथ एक शिलालेख भी प्राप्त हुआ है, जिसका अनुवाद "देवता मिन, तांबे की खान/खनन क्षेत्र के शासक" के रूप में किया गया है। यहां मिन का उल्लेख अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिन प्राचीन मिस्र के ऐसे देवता थे, जिन्हें उर्वरता, प्रजनन, पुरुष शक्ति और यात्रियों के संरक्षक के रूप में पूजा जाता था। इस प्रकार यह शिलालेख न केवल धार्मिक आस्था को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि इस विजय को दैवीय संरक्षण के अंतर्गत वैध ठहराया गया। विद्वानों के अनुसार, इस प्रकार की शिलाकृतियां केवल कलात्मक अभिव्यक्ति नहीं होतीं, बल्कि वे एक प्रकार की 'राजनीतिक घोषणा' भी होती हैं। इस चट्टान पर उकेरा गया दृश्य संभवतः सिनाई क्षेत्र पर मिस्र के अधिकार की औपचारिक उद्घोषणा रहा होगा। उल्लेखनीय है कि बाद के काल में इस चित्र और शिलालेख के ऊपर नबातियन और अरबी लिपियों में लेख अंकित कर दिए गए, जिससे मूल विजेता शासक का नाम अस्पष्ट हो गया। इस खोज का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि अब तक वादी खामिला क्षेत्र को मुख्यतः नबातियन शिलालेखों के संदर्भ में ही जाना जाता था, जो इस खोज से लगभग 3,000 वर्ष बाद के हैं। ऐसे में यह नई खोज इस क्षेत्र के इतिहास को कहीं अधिक प्राचीन और जटिल बनाती है।

कला-इतिहास और पुरातत्व की दृष्टि से यह शिलाकृति इस बात का सशक्त प्रमाण है कि प्रारंभिक मानव समाजों में भी सत्ता, संघर्ष और संसाधनों पर नियंत्रण की प्रवृत्ति विद्यमान थी। यह हमें यह भी समझाती है कि कला केवल सौंदर्यबोध की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि सत्ता और भय के प्रदर्शन का माध्यम भी रही है। अंततः सिनाई की यह 5,000 वर्ष पुरानी शिलाकृति केवल एक पुरातात्विक खोज नहीं है, बल्कि मानव सभ्यता के उस पक्ष का सजीव दस्तावेज है, जिसमें विकास के साथ-साथ हिंसा, वर्चस्व और राजनीतिक आकांक्षाएं भी अंतर्निहित रही हैं। यह खोज हमें अतीत के माध्यम से वर्तमान को समझने और मानव इतिहास के बहुआयामी स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करती है।

अनोखी परंपरा

प्रकृति और परंपरा का संगम मेंढकों की शादी

भारत की विविध लोक परंपराओं में कई ऐसे अनोखे रीति-रिवाज देखने को मिलते हैं, जो पहली नजर में आश्चर्यचकित कर देते हैं, लेकिन उनके पीछे गहरी आस्था और प्रकृति से जुड़ा सांस्कृतिक संबंध होता है। पेड़ों की शादी की परंपरा के बारे में तो आपने सुना ही होगा, लेकिन मेंढक और मेंढकी की शादी भी भारत के कुछ हिस्सों में विशेष महत्व रखती है। विशेष रूप से असम के जोरहाट जिले और अन्य पूर्वोत्तर क्षेत्रों के गांवों में यह परंपरा प्रचलित है। यहां के लोगों का मानना है कि जब लंबे समय तक वर्षा नहीं होती और सूखे जैसी स्थिति बन जाती है, तब मेंढकों की शादी कराने से वर्षा देवता प्रसन्न होते हैं और अच्छी बारिश होती है। यह मान्यता प्राचीन समय से चली आ रही है और आज भी लोग इसे पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाते हैं।

इस अनोखी शादी में सभी पारंपरिक हिंदू विवाह रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है। सबसे पहले गांव के लोग एक नर और एक मादा मेंढक को पकड़ते हैं। इसके बाद उन्हें स्नान कराया जाता है और हल्दी लगाई जाती है। फिर छोटे-छोटे कपड़े या फूलों से उन्हें सजाया जाता है। शादी के लिए मंडप बनाया जाता है और बाकायदा एक पुजारी को बुलाया जाता है, जो मंत्रोच्चार के साथ विवाह संपन्न कराता है। विवाह के दौरान 'बारात' भी निकलती है, जिसमें गांव के लोग गीत गाते और नाचते हुए शामिल होते हैं। इस परंपरा का एक वैज्ञानिक पहलू भी माना जाता है। मेंढक आमतौर पर बारिश के मौसम में अधिक सक्रिय होते हैं और उनकी टर्र-टर्र की आवाज वर्षा के आगमन का संकेत मानी जाती है। इसलिए यह विवाह एक प्रतीकात्मक प्रयास भी हो सकता है, जिससे लोग मानसून के प्रति अपनी आशा और विश्वास व्यक्त करते हैं।

केवल असम ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भी इस तरह की परंपराएं देखने को मिलती हैं। कहीं-कहीं इसे 'मेंढक विवाह' के रूप में त्योहार की तरह मनाया जाता है, जिसमें पूरे गांव की भागीदारी होती है। हालांकि आधुनिक विज्ञान इन मान्यताओं को अंधविश्वास मान सकता है, लेकिन सामाजिक दृष्टि से यह परंपरा लोगों को एकजुट करती है और संकट के समय सामूहिक आशा और सकारात्मकता का संचार करती है। इस तरह की लोक परंपराएं भारत की सांस्कृतिक विविधता और प्रकृति के साथ उसके गहरे संबंध को दर्शाती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	79,273.33	24,576.60
बढ़त	753.03	211.75
प्रतिशत में	0.96	0.87

सोना 1,57,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,58,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, बुधवार, 22 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन- तुलसी 2550, राज श्री 1960, फ़ॉर्चून कि. 2680, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2360, जय जवान 2095, सचिन 2300, सूरज 2095, अवसर 2065, उजाला 2100, गृहणी 13 kg 2130, क्लासिक (kg) 2455, मोर 2300, चक्र टिन 2520, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2505
किराना- निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150
चावल-(प्रति कु0)-डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400
दाल दलहन- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छौंटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10300-11900, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600
चीनी- पीलीभीत 4320, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4260

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम- सोना पक्के आभूषण 154000, सोना गिन्नी 150000, चांदी (पक्की) 2470 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

अकासा एयर के बेड़े में शामिल हुआ नया विमान

नई दिल्ली। अकासा एयर ने एक बोइंग 737 मैक्स 8-200 विमान की आपूर्ति प्राप्त की है। इसके साथ उसके बेड़े में विमानों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है। कंपनी ने बताया कि इस साल के पहले चार महीनों में सात विमान शामिल किए जा चुके हैं। अगस्त 2022 में उड़ान शुरू करने वाली इस कंपनी ने कहा कि इससे उसका नेटवर्क और मजबूत होगा।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 753 अंक उछला

प. एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदों से ब्रेंट क्रूड 0.75% गिरकर 94.76 डॉलर प्रति बैरल

मुंबई, एजेंसी

कच्चे तेल में नरमी और ईरान-अमेरिका के बीच शांति वार्ता में प्रगति की उम्मीदों से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स 753 अंक चढ़कर बंद हुआ जबकि निफ्टी 212 अंक की बढ़त में रहा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 753.03 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79,273.33 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 846.78 अंक चढ़कर 79,367.08 के स्तर तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 211.75 अंक यानी 0.87 प्रतिशत बढ़कर 24,576.60 अंक पर बंद हुआ।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.75 प्रतिशत गिरकर 94.76 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.73 प्रतिशत चढ़ गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.29 प्रतिशत की तेजी रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में एफएमसीजी खंड सर्वाधिक 2.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि रियल्टी खंड में 2.17 प्रतिशत एवं निजी बैंक सूचकांक में 1.67 प्रतिशत की तेजी रही। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 2,531 कंपनियों के शेयर चढ़कर बंद हुए जबकि 1,760 कंपनियों में गिरावट रही और 162 अन्य अपरिवर्तित रहीं।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि अमेरिका-ईरान युद्धविराम की समयसीमा खत्म होने के पहले सबकी नजरें दूसरे दौर की शांति वार्ता पर टिक गई हैं।

बाजारों ने इससे उम्मीदें लगा रखी हैं लेकिन अगर तनाव बढ़ता है तो गिरावट का जोखिम भी है। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए।

यूरोपीय बाजार सकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को मामूली गिरावट के साथ बंद हुए थे। इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,059.93 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। सेंसेक्स सोमवार को 26.76 अंक बढ़कर 78,520.30 और निफ्टी 11.30 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,364.85 अंक पर बंद

कच्चे तेल की कीमतों में कमी से सुधार की संभावना

विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर. ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से आयात पर निर्भर भारत जैसे देश के लिए मुद्रास्फीति के दबाव में कमी आती है और कंपनियों के मार्जिन में सुधार की संभावना बढ़ती है।

ये रहे लाभ में

बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक

गिरावट वाले शेयर

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एनटीपीसी

चांदी 700 रुपये मजबूत सोने में 300 की तेजी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमत 700 रुपये बढ़कर 2.58 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जबकि वैश्विक अनिश्चितता और मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बीच सोने की कीमतों में भी मामूली बढ़त देखने को मिली। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 300 रुपये बढ़कर 1,57,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक, गौरव गर्ग ने बताया कि पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ने से निवेशक 'सुरक्षित निवेश' की ओर रुख कर रहे हैं। इसीलिए सोने की कीमत में मामूली तेजी देखने को मिली।

रुपया 28 पैसे टूटकर 93.44 प्रति डॉलर पर

मुंबई। पश्चिम एशिया शांति वार्ता को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच अमेरिकी मुद्रा में स्थिरता और कच्चे तेल की अस्थिर कीमतों के कारण रुपया मंगलवार को 28 पैसे टूटकर 93.44 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा विश्लेषकों के मुताबिक, घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख भी स्थानीय मुद्रा को सहारा नहीं दे पाया।

वर्तमान परिस्थितियों में मल्टी-एसेट में करें निवेश: बजाज फिनसर्व एएमसी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के बीच बजाज फिनसर्व एएमसी ने निवेशकों को एक ही तरह की परिसंपत्तियों की बजाय विविध परिसंपत्तियों (मल्टी-एसेट) में निवेश की सलाह दी है। बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट के प्रमुख (इक्विटी) सौरभ गुप्ता ने कहा कि इस माहौल में लार्ज-कैप इक्विटी आकर्षक वैल्यूएशन और अस्थिर परिस्थितियों में स्थिरता प्रदान करती है। साथ ही, मल्टी-एसेट रणनीति भू-राजनीतिक और कॅमोडिटी से जुड़ी अनिश्चितता के बीच झटकों को सहने में मददगार हो सकती है। उन्होंने स्मॉल-कैप में निवेश करने वालों को अल्पावधि की अस्थिरता से निपटने के लिए अनुशासित एसआईपी की सलाह दी है।

प. एशिया संघर्ष के बीच दूध की आपूर्ति निर्बाध जारी, दाम स्थिरः सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बावजूद देशभर में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं और आपूर्ति में कोई बाधा नहीं आई है।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग में निदेशक पूजा रुस्तगी ने पश्चिम एशिया के हाल के घटनाक्रम पर अंतर-मंत्रालयीय बैठक में कहा कि दुग्ध क्षेत्र को ईंधन, गैस तथा प्लास्टिक पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, डेयरी उद्योग को एलपीजी के स्थान पर पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।

- डेयरी उद्योग को दी एलपीजी के स्थान पर पीएनजी का इस्तेमाल करने की सलाह

रुस्तगी ने संवाददाताओं से कहा कि मौजूदा पश्चिम एशिया संकट के बीच भी देशभर में दूध की खरीद, प्रसंस्करण एवं आपूर्ति बिना किसी बाधा के बनी हुई है।

दूध और दुग्ध उत्पादों के दाम स्थिर हैं। बाजार में किसी प्रकार की आपूर्ति बाधित नहीं हुई है और पश्चिम एशिया संकट की अवधि के दौरान डेयरी किसानों को भुगतान भी जारी रहा है।

भारत, दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। वर्ष 2024-25 के दौरान देश का कुल दूध उत्पादन 24.787 करोड़ टन रहा।

देश को 100% एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखना चाहिए: नितिन गडकरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएफजीई के हरित परिवहन सम्मेलन में बोले गडकरी-ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी
- हरित हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बताया, कहा-एक डॉलर प्रति किलो होनी चाहिए कीमत

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि देश को निकट भविष्य में 100 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट के बीच तेल आपूर्ति की अनिश्चितता ने देश के लिए ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी कर दिया है। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल से लागू होने वाले कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता-तीन मानकों का इलेक्ट्रिक और 'फ्लेक्स-फ्यूल' वाहनों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

गडकरी ने इंडियन फेडरेशनल ऑफ ग्रीन एनर्जी (आईएफजीई) के हरित परिवहन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश इस समय पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है, इसलिए ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में नरेन्द्र मोदी ने 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई-20) की शुरुआत की थी और वर्तमान में वाहन मामूली बदलाव के साथ इस पर चल सकते हैं। ब्राजील जैसे देशों में 100 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण पहले से लागू है। गडकरी ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का करीब 87 प्रतिशत तेल आयात करता है। इसलिए वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन का उत्पादन बढ़ाना जरूरी है।

क्या है फ्लेक्स फ्यूल वाहन

'फ्लेक्स फ्यूल' वाहन एक ऐसा वाहन है जिसमें पेट्रोल/डीजल इंजन लगा होता है और इसे एक से अधिक प्रकार के ईंधन पर चलने के लिए डिजाइन किया गया है। आमतौर पर पेट्रोल को एथनॉल या मेथनॉल के साथ मिलाकर 'फ्लेक्स फ्यूल' के रूप में इसका उपयोग किया जाता है।

हरित हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बताते हुए उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन पंप के संचालन की लागत कम करना जरूरी है, ताकि यह आर्थिक रूप से व्यवहारिक बन सके। हाइड्रोजन के परिवहन में भी चुनौतियां हैं और इसकी लागत घटाकर करीब एक डॉलर प्रति किलोग्राम करना होगा, ताकि भारत ऊर्जा निर्यातक बन सके।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट 'इकोनॉमिक एंड सोशल सर्वे ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक 2026' के अनुसार 2025 में वृद्धि दर बढ़कर 7.4 प्रतिशत हो गई

भारत की अर्थव्यवस्था इस वर्ष 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत की अर्थव्यवस्था के इस वर्ष 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग एशिया व प्रशांत (ईएससीएपी) ने सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाएं 2025 में 5.4 प्रतिशत की दर से बढ़ीं जबकि 2024 में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत थी। इसमें भारत की मजबूत वृद्धि का प्रमुख योगदान रहा।

'इकोनॉमिक एंड सोशल सर्वे ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक 2026' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की वृद्धि दर 2025 में बढ़कर 7.4 प्रतिशत हो गई।

इस मजबूत खपत, विशेष रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था से मांग, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती और अमेरिका के शुल्क लागू होने से पहले निर्यात में तेजी ने समर्थन दिया।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में 2025 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ीं क्योंकि अगस्त 2025 में 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद अमेरिका को निर्यात में 25 प्रतिशत की गिरावट आई। सेवा क्षेत्र प्रमुख वृद्धि चालक बना रहा।

इसमें अनुमान लगाया गया है कि भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और अगले वर्ष 6.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि करेगा। देश में मुद्रास्फीति के इस वर्ष 4.4 प्रतिशत और 2027 में 4.3 प्रतिशत रहने के आसार हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि व्यापार तनाव एवं भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच विकासशील एशियाई एवं प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह घटा है। 2024 में 0.6 प्रतिशत वृद्धि के बाद 2025 में इस क्षेत्र में एफडीआई दो प्रतिशत घटा जबकि वैश्विक प्रवाह में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

रिपोर्ट में कहा गया कि अपने देश से बाहर कार्यरत एशिया और प्रशांत के श्रमिकों द्वारा भेजा जाने वाला व्यक्तिगत धन प्रेषण (रेमिटेंस) लगातार बढ़ रहा है जिससे घरेलू रोजगार की कमजोर परिस्थितियों के प्रभाव को कम करने में मदद मिली।

रिपोर्ट में साथ ही कहा गया कि सरकारें ऊर्जा बदलाव का उपयोग पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ अर्थव्यवस्था की दिशा में नए घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने और सहायक समूहों का निर्माण करने के लिए कर सकती हैं।

इसमें भारत की उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यह दर्शाता है कि किस प्रकार व्यापक आर्थिक नीतियां एवं फोटोवोल्टिक, बैटरी व हरित हाइड्रोजन के घरेलू विनिर्माण के लिए प्रोत्साहन देकर हरित औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे सकती हैं।

भारत ने आकर्षित किया सर्वाधिक एफडीआई

इसमें कहा गया कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहले तीन तिमाहियों में जिन देशों ने नए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को सबसे अधिक आकर्षित किया... वे भारत, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया गणराज्य और कजाखस्तान हैं... जहां क्रमश: 50 अरब डॉलर, 30 अरब डॉलर, 25 अरब डॉलर और 21 अरब डॉलर के निवेश की घोषणाएं हुईं।

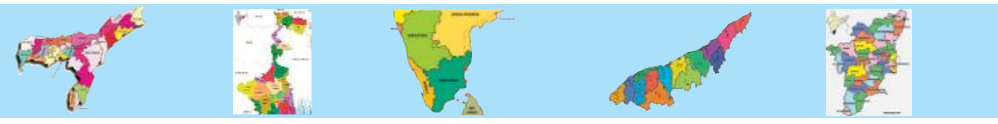

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में प्रचार थमा, मतदान कल

नई दिल्ली, एजेंसी

- तमिलनाडु की सभी 234 और पश्चिम बंगाल के पहले चरण में 152 सीटों पर पड़ेंगे वोट

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में गुरुवार को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम पांच बजे थम गया। तमिलनाडु की सभी 234 सीटों और पश्चिम बंगाल के पहले चरण के लिए 152 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा। मतदान से 48 घंटे पहले जनसभाएं रोक दी जाती है। प्रचार थमने के बाद उम्मीदवार और उनके कार्यकर्ता मतदाताओं से घर-घर जाकर संपर्क साधते हैं। दोनों राज्यों में 23 अप्रैल को मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा। पश्चिम बंगाल में 142 सीटों पर दूसरे चरण का चुनाव 29 अप्रैल को होगा।

चुनाव आयोग के अनुसार तमिलनाडु में कुल 4,023 उम्मीदवार मैदान में हैं। मुख्य मुकाबला वर्तमान सत्तारूढ द्रविड़ मनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन और उसके मुख्य प्रतिद्वंदी अन्नाद्रमुक, गैर-भारतीय जनता पार्टी बीच है। अभिनेता सी जोसफ विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम ने कुछ सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान होगा। राज्य में चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आयोग ने सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किये हैं और संवेदनशील इलाकों में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल की सघन तैनाती की गयी है। इनमें उत्तर बंगाल के आठ, दक्षिण बंगाल के तीन व जंगलमहल अंचल के पांच जिले शामिल हैं।

विजय का रोड शो

तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने चेन्नई में रोड शो कर वोट मांगे। विजय की नई पार्टी ने राज्य में मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है।

प्रचार थमने से पहले अन्नाद्रमुक ने किए 10 और वादे

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार थमने से कुछ ही घंटे पहले, मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने मतदाताओं को लुभाने के लिए 10 नये चुनावी वादों की घोषणा की है। 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले, पार्टी ने अपने पहले से घोषित विस्तृत घोषणापत्र के अतिरिक्त इन नयी योजनाओं को पेश किया है। अन्नाद्रमुक महासचिव और राजग के मुख्यमंत्री पद के चेहरे ई. के. पलानीस्वामी ने बयान जारी कर बताया कि सत्ता में आने पर कामकाजी युवाओं को दोपहिया वाहन खरीदने के लिए 10,000 रुपये की सब्सिडी दी जायेगी, जिससे करीब 10 लाख युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा श्री पलानीस्वामी ने आम उत्पादक किसानों के लिए एमएसपी निर्धारित करने की घोषणा की। साथ ही निर्माण श्रमिकों और ताड़ के पेड़ों पर चढ़ने वाले किसानों के लिए मुआवजे की राशि में भारी बढ़ोतरी का वादा किया है। श्रमिक की मृत्यु की स्थिति में मृतक के परिवारों को क्रमशः 25 लाख और 20 लाख रुपये का मुआवजा देने की बात कही गयी है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में 24x7 'वार रूम' स्थापित करने और कुड्डालोर व विल्लुपुरम जैसे जिलों में काजू उद्योग में लगी महिलाओं के लिए मुफ्त उपकरण देने की घोषणा की है। सरकारी केबल टीवी के शुल्कों में 50% की कटौती का वादा किया है।

तृणमूल कांग्रेस फिर लौटेगी: ममता

हल्दिया, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार राज्य की सत्ता में आएगी और कोई नहीं चाहता कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बनाए। पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने विपक्षी दलों का आह्वान किया कि केंद्र से भाजपा नीत राजग सरकार को हटाने के लिए सब साथ में आएं।

उन्होंने कहा कि भाजपा इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव नहीं जीतेगी। तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर सरकार बनाएगी। हम 2026 में ही दिल्ली से भी भाजपा को हटा देंगे।

पीएम मोदी हैं ममता सरकार के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर: अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी

- उनका झाड़ग्राम में झालमुड़ी खरीदना सबूत है टीएमसी ने खत्म की माओवादी हिंसा

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को नरेन्द्र मोदी को पश्चिम बंगाल की मौजूदा सरकार का 'सबसे बड़ा ब्रांड एंबेसडर बताया। कहा कि प्रधानमंत्री का झाड़ग्राम में झालमुड़ी खरीदना सबूत है कि टीएमसी ने इस क्षेत्र को माओवादी हिंसा से बचाया है। उन्होंने भाजपा पर जमीनी हकीकतों को नजरअंदाज करते हुए टीएमसी सरकार पर निराधार राजनीतिक हमले करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहा कि जो लोग बंगाल की कानून व्यवस्था की आलोचना करते हैं और राज्य को गुजरात, उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश में बदलने का वादा करते हैं, उन्हें याद करना चाहिए कि 2011 से पहले यहां जीवन कैसा था। ममता बनर्जी की टीएमसी ने 2011 में पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा को सत्ता से बेदखल कर दिया था। उन्होंने कहा कि उस समय झाड़ग्राम, गोपीबल्लभपुर, लालगढ़, बिनपुर और निताई में लोग दोपहर के बाद घर से बाहर नहीं निकल सकते थे। उस समय प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर भी झाड़ग्राम में नहीं उतर पाता। लेकिन आज की स्थिति देखिए।

घुसपैठियों को बचा रहीं ममता : शाह

शालबनी (प. बंगाल), एजेंसी

जनसभा के दौरान पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाकर जनता का अभिवादन करते अमित शाह।

- शालबनी में केंद्रीय गृहमंत्री बोले- हम पश्चिम बंगाल में नहीं बनने देंगे बाबरी मस्जिद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी घुसपैठियों को संरक्षण, और वंशवादी राजनीति को बढ़ावा दे रही हैं। राज्य में बाबरी मस्जिद के समान मस्जिद बनाने के प्रयासों का समर्थन कर रही हैं, जिसे भाजपा किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेगी।

शाह ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी में चुनाव के पहले चरण से पहले एक रैली को संबोधित करते हुए इस चुनावी मुकाबले को सीधे भाजपा और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच वैचारिक लड़ाई के रूप में पेश करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव घुसपैठ और भ्रष्टाचार से पश्चिम बंगाल को मुक्त कराने का लेकर है। बोले- मैं आपसे कह रहा हूं, 23 अप्रैल को ईवीएम पर कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) का बटन दबाइए और भाजपा की सरकार बंगाल से हर घुसपैठिये को बाहर निकाल देगी। कहा कि ममता जी अपने भतीजे को बंगाल का मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं। शाह ने कहा कि मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि बंगाल का अगला मुख्यमंत्री भाजपा से होगा, जो बंगाल में जन्मा और पला-बढ़ा होगा और बांग्ला बोलेगा। निश्चित रूप से वह भाईपो नहीं, भाजपा का कार्यकर्ता होगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

रूस ने किया यूक्रेन के लुगांस्क क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण का दावा

मॉस्को। रूसी जनरल स्टाफ के प्रमुख वैलेरी गेरासिमोव ने मंगलवार को घोषणा की कि रूसी सेना ने लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (एलपीआर) को पूरी तरह से मुक्त करा लिया है। गेरासिमोव ने कहा कि लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक की मुक्ति का कार्य पूरी तरह संपन्न हो चुका है। इस समय रूसी सेना सभी मोर्चों पर तेजी से आगे बढ़ रही हैं और उनका अभियान जारी है। लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (एलपीआर) यूक्रेन के लुहान्स्क क्षेत्र में एक स्वघोषित अलगाववादी क्षेत्र है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र समेत अधिकांश देश इसे यूक्रेन का ही हिस्सा मानते हैं। रूसी सैन्य प्रमुख ने यूक्रेनी कमान पर निशाना साधते हुए कहा कि वे फरवरी और मार्च में अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए सूचना अभियान चला रहे हैं।

इमरान खान के साथ जेल में अमानवीय व्यवहार का आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने आरोप लगाया है कि उनके भाई को एकांत कारावास में रखकर अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है और उन्हें पर्याप्त चिकित्सीय सुविधा नहीं दी जा रही। अलीमा द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इमरान खान को 16 अक्टूबर 2025 से एकांत कारावास में रखा गया है। उन्होंने 2025 में केवल दो बार और फरवरी 2026 में एक बार वह भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, अपने बेटों से बात की थी। उन्हें पढ़ने के लिए किताबें भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं और जो किताबें भेजी गईं, उनमें से केवल तीन ही उन्हें मिल पाईं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी तरह स्वस्थ खान की आंख में अचानक खून का थक्का बन गया, लेकिन उन्हें समय पर चिकित्सा नहीं दी गई।

शहबाज और मुनीर के लिए नोबेल पुरस्कार का प्रस्ताव पेश किया

पेशावर। खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में मंगलवार को पेश किए गए एक प्रस्ताव में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को कूटनीति के जरिए क्षेत्रीय तनाव कम करने में उनकी भूमिका के मद्देनजर नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की विधायक फराह खान ने यह प्रस्ताव विधानसभा सचिवालय को दिया। इसमें वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर बढ़ते तनाव के समय पाकिस्तान की जिम्मेदार, विवेकपूर्ण और सक्रिय कूटनीतिक भागीदारी की सराहना की गई है। प्रस्ताव के अनुसार, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर पर शांति को बढ़ावा देने और उसे बनाए रखने में पाकिस्तान के योगदान को स्वीकार किया गया है।

कांग्रेस ने बिरला को दिया प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

राष्ट्र के नाम संबोधन में संसद में हुई चर्चा को अपने उद्देश्यों के लिए सड़कों पर ले जाने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को दिया। पार्टी ने आरोप लगाया कि सदन में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के पारित न होने के बाद प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्षी दलों पर आक्षेप लगाया, जो सदन के विशेषाधिकार का हनन और अवमानना का गंभीर मामला है।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 222 के तहत बिरला को दिए नोटिस में यह आग्रह भी किया कि संसद की गरिमा और इसके सदस्यों को दी गई संवैधानिक सुरक्षा को बनाए रखने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाया जाए ताकि इस तरह के उल्लंघन को न दोहराया जा सके।

लोकसभा सदस्य वेणुगोपाल ने दावा किया कि गत 17 अप्रैल को लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 के पारित नहीं होने के बाद 18 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित किया था और 29 मिनट के अपने संबोधन में उन्होंने विधेयक को रोकने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की, साथ ही विपक्ष के सदस्यों के मतदान के तरीके का प्रत्यक्ष रूप से उल्लेख किया और इसमें निहित उद्देश्यों को जोड़ दिया। वेणुगोपाल के मुताबिक यह एक स्थापित परंपरा है कि संसद सदस्यों की ओर से संसद में दिए गए भाषणों के संबंध में सदन के बाहर उन पर बात करना, आक्षेप लगाना या किन्हीं उद्देश्यों को लेकर दोषारोपण विशेषाधिकार का घोर उल्लंघन के साथ सदन की अवमानना भी है।

बिरला को संबोधित पत्र में उन्होंने कहा, वह विशेषाधिकार हनन का यह नोटिस उन्हें सौंप रहे हैं ताकि इस गंभीर घटना और जानबूझकर किए गए विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का संज्ञान लिया जा सके तथा मामले को विस्तृत जांच के लिए लोकसभा की विशेषाधिकार समिति को भेजा जा सके ताकि प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार कार्यवाही शुरू की जा सके। उन्होंने बिरला कहा कि वह संसद की गरिमा और उसके सदस्यों को दी गई संवैधानिक सुरक्षा को बनाए रखने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाएं ताकि इस तरह के उल्लंघनों को न दोहराया जाए।

राष्ट्र के नाम संबोधन में कांग्रेस पर साधा 59 बार निशाना प्रधानमंत्री के रिकॉर्ड में यह स्थायी दाग बनकर रहेगा

वेणुगोपाल के पत्र को टैग करते हुए, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, मेरे वरिष्ठ सहयोगी, केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में प्रधानमंत्री के नापाक मंसूबों के नाकाम होने के बाद राष्ट्र के नाम उनके संबोधन के लिए प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। एक प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन हमेशा राष्ट्रीय एकता और विश्वास निर्माण के सर्वोपरि उद्देश्य के लिए समर्पित होता है। रमेश ने कहा, इस संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने पक्षपातपूर्ण ढंग से बात की, कांग्रेस पार्टी पर 59 अलग-अलग बार नाम लेकर हमले किए। यह प्रधानमंत्री के रूप में उनके रिकॉर्ड पर एक और स्थायी दाग होगा।

संसद में बहुमत न जुटा पाने को लेकर राष्ट्र को संबोधित करना बेहद अनैतिक

वेणुगोपाल ने कहा, मौजूदा मामले में यानी 16 व 17 अप्रैल 2026 को विपक्षी दलों के संसद सदस्य अपनी वास्तविक चिंताएं व्यक्त कर रहे थे। इसके तहत उन्होंने उक्त संविधान संशोधन विधेयक के खिलाफ संसद में अपना वोट डाला। वेणुगोपाल ने कहा, पहले देश के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय चिंता के एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर राष्ट्र को संबोधित करते रहे हैं। इसलिए, प्रधानमंत्री के ऐसे संबोधन बहुत कम होते हैं। सरकार के संसद में अपेक्षित बहुमत न जुटा पाने को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को संबोधित करना अभूतपूर्व है जो अनैतिक और सत्ता का खुला दुरुपयोग है। देश के प्रधानमंत्री का इस तरह का बयान देना सदन के विशेषाधिकार का हनन और अवमानना का गंभीर मामला है।

- वेणुगोपाल ने कहा कि इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया जाना चाहिए, क्योंकि एक निर्वाचित प्रतिनिधि पर अपना कर्तव्य निभाने को लेकर सवाल उठाया जाना न केवल एक व्यक्तिगत हमला है, बल्कि संसद के अधिकार और भारत के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है।

विपक्ष की शिकायत की जांच करेगा निर्वाचन आयोग

निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने कहा है कि वह विपक्ष की इस शिकायत की जांच करेगा कि प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन था। वामपंथी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर यह शिकायत की थी। विभिन्न क्षेत्रों के 700 प्रमुख लोगों ने भी चुनाव आयोग से यही शिकायत की है।

पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

विवेक बंजारा और राजवीर।

- दिल्ली में ग्रेनेड हमलों और लक्षित हत्याओं को अंजाम देने की थी साजिश

दिल्ली पुलिस ने आईएसआई के लिए काम करने वाले पाकिस्तानी गैंगस्टर शाहज़ाद भट्टी से जुड़े आपराधिक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए उसके दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि इन गिरफ्तारियों से शाहजाद भट्टी की ओर से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में गोलीबारी/ग्रेनेड हमले और लक्षित हत्याएं करने के लिए रची गई एक आपराधिक साजिश का खुलासा हुआ है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों की पहचान मध्य प्रदेश के ग्वालियर निवासी 21 वर्षीय राजवीर और 19 साल के विवेक बंजारा के तौर पर हुई है। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि खुफिया जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर शाहजाद भट्टी और आईएसआई के अन्य एजेंट भारत के कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र और आसपास के इलाकों में ग्रेनेड हमले और लक्षित हत्याओं को अंजाम देने की आपराधिक साजिश रच रहे हैं। उन्होंने बताया कि 31 मार्च को मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पता चला कि एक आरोपी बंजारा ग्वालियर जिले के डबरा में है, 16 अप्रैल को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एक अदालत ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। बंजारा से पूछताछ के आधार पर राजवीर को 18 अप्रैल को दिल्ली के सराय काले खां इलाके से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि राजवीर शाहजाद भट्टी के निर्देशानुसार दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र के किसी प्रमुख होटल पर गोलीबारी करने की फिराक में था। पुलिस ने उसके पास से एक पिस्तौल और छह कारतूस तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए जिनमें आपत्तिजनक वीडियो और वाइस नोट मिले। जांच में पता चला कि राजवीर को सोशल मीडिया पर शाहजाद भट्टी के सहयोगी राणा भाई ने भर्ती किया था और बाद में, राजवीर ने बंजारा को राणा भाई और भट्टी से मिलवाया।

केरलः पटाखा गोदाम में आग, 13 की मौत, 40 घायल

त्रिशूर। केरल में त्रिशूर के समीप मुंडाथिकोड में पटाखे गोदाम में मंगलवार शाम भीषण आग लग जाने से 13 लोगों की मौत हो गई जबकि 40 लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर है। केरल में प्रसिद्ध त्रिशूर पूरम के लिए गोदाम में पटाखे तैयार किए जा रहे थे। घटना के बाद धान के खेत में कई शव बिखरे पड़े दिखाई दिए। पुलिस ने बताया कि दमकल और पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन आग की लपटों के कारण घटनास्थल के पास नहीं पहुंच सके। घायलों को पास के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कनाडा में गाजियाबाद के छात्र के हत्यारे को उम्रकैद की सजा

गाजियाबाद/टोरंटो, एजेंसी

- आरोपी की मानसिक विकार के कारण अपराध करने की दलील अदालत ने खारिज की

टोरंटो की एक अदालत ने भारतीय छात्र कार्तिक वासुदेव की हत्या के मामले में आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई और उसकी यह दलील खारिज कर दी कि मानसिक विकार के कारण वह आपराधिक रूप से जिम्मेदार नहीं है।

न्यायमूर्ति जेन केली की अध्यक्षता वाली टोरंटो की सुपीरियर कोर्ट ने सोमवार को रिचर्ड एडविन को सात और नौ अप्रैल 2022 को दो अजनबियों की हत्या के लिए फर्स्ट-डिग्री मर्डर (साजिश के तहत की गई हत्या) के दो मामलों में दोषी ठहराया। एडविन ने गाजियाबाद निवासी एवं सेनेका कॉलेज के 21 वर्षीय छात्र वासुदेव को गोली मारने की बात स्वीकार की लेकिन बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी मानसिक बीमारी से ग्रस्त था और सही-गलत में फर्क नहीं कर सकता था, इसलिए उसे आपराधिक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। अदालत ने माना कि घटना के समय एडविन सिजोफ्रेनिया से पीड़ित था, लेकिन दलील खारिज करते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

अदालत के आदेश के अनुसार, वासुदेव शेरबोर्न स्टेशन से ब्लूर स्ट्रीट ईस्ट की सीढ़ियों की ओर जा रहा था, तभी एडविन उसके पास से गुजरा, फिर पीछे मुड़कर वासुदेव की पीठ पर कई गोलियां दाग दीं।

शहीद अग्निवीर की मां की याचिका पर केंद्र ने चार महीने बाद भी नहीं दिया जवाब

मुंबई, एजेंसी

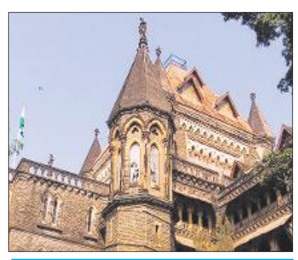

- बंबई हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी, भारी जुर्माना लगाने की चेतावनी
- याचिका में की गई थी सैनिकों के जैसे मरणोपरांत लाभ की मांग

बंबई हाईकोर्ट ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए एक अग्निवीर की मां की याचिका का चार महीने बाद भी जवाब न देने पर मंगलवार को केंद्र पर नाराजगी जताते हुए भारी जुर्माना लगाने की चेतावनी दी। अग्निवीर की मां ने अग्निवीरों के लिए भी सैनिकों के समान मरणोपरांत लाभ देने की मांग की थी।

न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति हितेन वेनेगांवकर की पीठ ने केंद्र को अग्निवीर मुरली नाइक की मां की याचिका के जवाब में अपना हलफनामा दाखिल करने के लिए 6 मई तक का समय दिया। नाइक पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जम्मू कश्मीर में सीमा पार से हुई गोलाबारी में मारे गए थे। अदालत ने कहा कि केंद्र को पिछले साल दिसंबर और फिर जनवरी में नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन आज तक जवाब दाखिल नहीं किया गया है। न्यायमूर्ति घुगे ने चेतावनी दी, यह याचिका पिछले साल से लंबित है। याचिका में उठाए गए मुद्दों पर याचिकाकर्ता ने पिछले साल जुलाई में सरकार को लिखे एक पत्र में भी बात की है। अगर अगली तारीख तक जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया गया, तो हम भारी जुर्माना लगाएंगे।

अदालत ने कहा कि अब और कोई स्थगन नहीं लगाया जाएगा। अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 18 जून को करना तय किया। मुरली नाइक की मां ज्योतिबाई नाइक ने अपनी याचिका में कहा कि केंद्र की अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच मनमाना फर्क पैदा करती है। उन्होंने परिवार को मरणोपरांत मिलने वाले पूरे लाभ नहीं दिए जाने में भेदभाव का आरोप लगाया।

मेक्सिको में गोलीबारी, कनाडाई नागरिक की मौत

- हमलावरों ने पर्यटकों को बनाया निशाना, कई देशों के पर्यटक घायल

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राजधानी के उत्तर में स्थित ऐतिहासिक टियोटिहुआकन पिरामिडों में से एक के ऊपर खड़े एक हथियारबंद व्यक्ति ने पर्यटकों पर गोलियां चलाईं, जिसमें एक कनाडाई नागरिक की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सुरक्षा अधिकारियों को घटनास्थल से एक बंदूक, एक चाकू और गोला-बारूद मिला है। इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराए गए लोगों में छह अमेरिकी, तीन कोलंबियाई, एक रूसी, दो ब्राज़ीलियाई और एक कनाडाई नागरिक शामिल है। वीडियो और तस्वीरों में एक व्यक्ति पिरामिड पर बंदूक लिए खड़ा दिख रहा है, लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं।

पाकिस्तान को सऊदी अरब से मिले एक अरब डॉलर

कराची। पाकिस्तान को सऊदी अरब से एक अरब डॉलर की दूसरी एवं अंतिम किस्त प्राप्त हुई है। यह तीन अरब डॉलर के सहायता पैकेज का हिस्सा है जिसका उद्देश्य उसके विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाना है। सऊदी अरब ने पिछले सप्ताह पाकिस्तान के लिए तीन अरब डॉलर जमा करने का भरोसा दिलाया था और अपनी मौजूदा पांच अरब डॉलर की सुविधा को तीन वर्ष के लिए बढ़ा दिया था। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की और लिखा कि उसे सऊदी अरब से दूसरी किस्त प्राप्त हो गई है।

क्रूर हमले की यादें

जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले की मंगलवार को पहली बरसी पर यादें फिर ताजा हो गईं। मुंबई में एक कलाकार ने इस हमले में मारे गए लोगों को चित्र बनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पाकिस्तान ने भारतीय विमानन कंपनियों पर हवाई प्रतिबंध बढ़ाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानों पर लगाए गए प्रतिबंध को एक महीने के लिए और बढ़ा दिया। पाकिस्तान ने 24 अप्रैल 2025 से भारतीय उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद रखा है, जिससे भारतीय विमानन कंपनियों को अरबों का नुकसान हुआ है। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण ने नोटिस टू एयरमेन (नोटम) में कहा है कि सभी भारतीय-पंजीकृत, पट्टे पर लिए गए, वाणिज्यिक और सैन्य विमानों को 24 मई 2026 को सुबह पांच बजे तक पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।

मैंडलसन को दबाव में बनाया गया था अमेरिका में राजदूत

लंदन, एजेंसी

- ब्रिटेन के पूर्व अधिकारी के बयान से एप्स्टीन मामले में फिर घिरे स्टार्मर

पीटर मैंडलसन को अमेरिका में ब्रिटेन के राजदूत के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लेने वाले एक पूर्व अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं को जताने के बावजूद उन पर मैंडलसन की नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूरी करने का राजनीतिक दबाव बनाया गया। हालांकि ये चिंताएं यौन अपराधी जेफरी एप्स्टीन के साथ मैंडलसन के संबंधों से अलग थीं।

विदेश कार्यालय के पूर्व प्रमुख ऑली रॉबिन्स ने सांसदों की ओर से पूछे जाने पर उन्होंने यह बताने से इन्कार कर दिया कि सरकारी जांच एजेंसी ने मैंडलसन को संभावित सुरक्षा जोखिम के रूप में क्यों चिह्नित किया। रॉबिन्स ने कहा कि जांच एजेंसी ने मैंडलसन को संदिग्ध मामला माना और उसका मत उन्हें सुरक्षा मंजूरी देने के खिलाफ सिफारिश करने का था। विदेश कार्यालय ने फिर भी उन्हें मंजूरी देने का फैसला किया। इस फैसले को लेकर प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर ने पिछले हफ्ते रॉबिन्स को बर्खास्त कर दिया। स्टार्मर को इस नियुक्ति को लेकर अपने फैसले पर सवालों का सामना करना पड़ रहा है और उनसे इस्तीफे की मांग भी की जा रही है। रॉबिन्स ने मंगलवार को हाउस ऑफ कॉमन्स की विदेश मामलों की समिति को बताया कि स्टार्मर कार्यालय से दबाव का माहौल बनाया जा रहा था। उनसे बहुत प्रबल अपेक्षा की गई थी कि मैंडलसन को जल्द पदभार ग्रहण करके अमेरिका में होना चाहिए।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज हर बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। किसी भी स्थिति को समझकर निर्णय लें। जल्दबाजी से नुकसान हो सकता है।

वृष — आज सही प्लानिंग करने पर आगे चलकर लाभ मिलेगा। आपका ध्यान धन और स्थिरता पर रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

मिथुन — आज आप एक्टिव और निर्णायक रहेंगे। फोकस बनाए रखना जरूरी है। सही दिशा में प्रयास करेंगे, तो अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कर्क — आज शांत रहकर काम करना बेहतर रहेगा। हर बात में शामिल होने की जरूरत नहीं है। अपनी ऊर्जा सही जगह इस्तेमाल करें।

सिंह — आज नया अवसर मिल सकता है। नेटवर्क मजबूत करने का दिन है। लोगों से जुड़कर काम करने का फायदा मिलेगा।

कन्या — आज काम को लेकर गंभीरता रखें। कोई जिम्मेदारी आपके ऊपर आ सकती है, उसे टालने के बजाय पूरा करना ही बेहतर रहेगा।

तुला — आज बदलाव आपके लिए अच्छा साबित होगा। आपको नया सीखने का मौका मिलेगा। पुराने तरीका छोड़कर नया अपनाना फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक — आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। किसी स्थिति में अचानक बदलाव आ सकता है। धैर्य बनाए रखें और जल्दबाजी से बचें।

धनु — आज रिश्तों और सहयोग पर ध्यान देना होगा। किसी के साथ मिलकर काम करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। बातचीत में स्पष्टता रखें।

मकर — आज काम का दबाव रहेगा। आपको लगातार व्यस्त रहना पड़ेगा। सही प्राथमिकता तय करेंगे तो दिन आपके पक्ष में जाएगा।

कुंभ — आज रचनात्मक सोच आपके काम आएगी। कुछ अलग करने का मन करेगा। अपने तरीके से काम करें।

मीन — आज किसी बात को सुलझाने का समय है। बाहर से ज्यादा अंदर की स्थिति पर फोकस करें। निजी मामलों पर ध्यान दें।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

शु. 2 | श. बु. 12 मं. | चं. 3 गु. | सू. 1 | 11 रा. | 4 | 10 | 7 | के. 5 | 9 | 6 | 8

आज की ग्रह स्थिति : 22 अप्रैल, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 22.49 तक तत्पश्चात सप्तमी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-आर्द्रा 22.13 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

सुडोकू - 126 का हल

2	8	1	9	3	7	6	5	4
4	6	7	1	8	5	2	3	9
5	3	9	6	4	2	1	8	7
1	4	3	5	6	8	7	9	2
7	2	5	3	9	1	4	6	8
6	9	8	2	7	4	5	1	3
8	5	2	4	1	3	9	7	6
9	7	4	8	5	6	3	2	1
3	1	6	7	2	9	8	4	5

सुडोकू -127

		7		4		5		
	5			6	1			
		9			3			
	6	3		7		2		
	8		3		9		4	
		2			6	8	9	
			8			3		
4			2	3				
		5		9		1		

परमाणु हथियारों की होड़ कर रहे हैं ब्रिटेन और फ्रांसः रूस

मास्को। रूस ने कहा है कि ब्रिटेन और फ्रांस अपनी परमाणु क्षमता में वृद्धि करके परमाणु हथियारों की होड़ को आगे बढ़ा रहे हैं जो परमाणु अप्रसार संधि के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है। रूस ने इसे क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए अतिरिक्त रणनीतिक जोखिम करार दिया है।

रूस के उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुशको ने एक साक्षात्कार में कहा कि फ्रांस के नए सैद्धांतिक दृष्टिकोण कई मायनों में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की विस्तारित परमाणु निवारण नीति की याद दिलाते हैं और वे खुले तौर पर नाटो के संयुक्त परमाणु मिशनों में सहायक बनने की योजनाओं को भी उजागर करते हैं। ग्रुशको ने कहा, ऐसे कदम नाटो के सदस्य देशों की उकसाने वाली सैन्य-परमाणु गतिविधियों के सामान्य पैटर्न के अनुरूप हैं।

इराक-सीरिया सीमा मार्ग एक दशक के बाद फिर खुला

बगदाद। इराक और सीरिया के बीच एक अहम सीमा पार मार्ग एक दशक से अधिक समय तक बंद रहने के बाद पुनः खोल दिया गया, जिसके बाद क्षेत्रीय व्यापार और तेल निर्यात को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सीरिया ने इस मार्ग को तेल निर्यात के लिए सुरक्षित जमीनी विकल्प के रूप में पेश किया है, खासकर ऐसे समय में जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर अनिश्चितता बनी हुई है। इराक में राबिया और सीरिया में यारुबियाह के नाम से जाना जाने वाला यह मार्ग 2011 में सीरियाई गृहयुद्ध शुरू होने के बाद बंद कर दिया गया था। बाद में 2014 में इस क्षेत्र पर इस्लामिक स्टेट के लड़ाकों ने कब्जा कर लिया, जिसे इराकी कुर्द बलों ने फिर से अपने नियंत्रण में ले लिया।

खतरे की घंटी — देश के हथियार उद्योग को मजबूत करने और रक्षा साझीदारों से सहयोग मजबूत करने की इच्छा जताई

जापान ने शांतिवादी रुख छोड़ा, हथियारों का निर्यात करेगा

टोक्यो, एजेंसी

जापान ने मंगलवार को घातक हथियारों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने को मंजूरी देते हुए साफ किया कि देश हथियार उद्योग को मजबूत करने के साथ अपने रक्षा भागीदारों के साथ सहयोग को गहरा करना चाहता है। जापान के इस फैसले को उसकी युद्धोत्तर शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री साने ताकाइची के मंत्रिमंडल की ओर से नए दिशा-निर्देशों को मंजूरी मिलने के साथ ही जापान के युद्धोत्तर हथियार निर्यात के रास्ते में मौजूद अंतिम बाधाएं भी दूर हो गई हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के बीच देश अपनी सैन्य क्षमता को तेजी से मजबूत करने में जुटा है। जहां इस नीति बदलाव की चीन ने आलोचना की है, वहीं ऑस्ट्रेलिया जैसे जापान के रक्षा सहयोगी देशों ने इसका स्वागत किया है, और दक्षिण-पूर्व एशिया तथा यूरोप के देशों में भी इसके प्रति रुचि देखी जा रही है। विरोधियों का कहना है कि यह बदलाव जापान के शांतिवादी संविधान की भावना के खिलाफ है और इससे वैश्विक तनाव बढ़ सकता है, साथ ही जापानी नागरिकों की सुरक्षा पर भी खतरा हो सकता है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरु किहारा ने कहा, तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच नई नीति जापान की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

दूसरे विश्वयुद्ध के बाद बना था शांतिवादी संविधान

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बने अपने शांतिवादी संविधान के तहत जापान लंबे समय तक अधिकांश हथियारों के निर्यात पर रोक लगाए रहा। हालांकि, हाल के वर्षों में वैश्विक और क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के कारण इसमें कुछ ढील दी गई, लेकिन निर्यात को बचाव, परिवहन, सतर्कता, निगरानी और बारूदी सुरंग हटाने के केवल पांच क्षेत्रों तक सीमित रखा गया था। नए दिशा-निर्देश इन सीमाओं को समाप्त करते हैं और लड़ाकू विमान, मिसाइल और विध्वंसक जैसे उपकरणों के निर्यात को अनुमति देते हैं।

'' गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगाया गया शतक टीम और मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। पिछले चार-पांच मैचों से मेरे दिमाग में लगातार एक ही बात चल रही थी कि मैंने क्रीज पर ज्यादा समय नहीं बिताया है। मेरा लक्ष्य विकेट पर समय बिताना था।''

-तिलक वर्मा, मुंबई इंडियंस

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 22 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

लखनऊ सुपर जॉयंट्स

बनाम

राजस्थान रॉयल्स

समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-283 रन
- शुभमन गिल गुजरात-251 रन
- विराट कोहली बेंगलुरु-247 रन

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई - 13 विकेट
- प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात - 11 विकेट
- प्रिंस यादव लखनऊ- 11 विकेट

लखनऊ सुपर जॉयंट्स के टॉप आर्डर को जोफ्रा आर्चर से रहना होगा सावधान

लखनऊ, एजेंसी

आईपीएल 2026 में हार की हैट्रिक लगा चुकी लखनऊ सुपर जॉयंट्स (एलएसजी) अपने घर में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का सामना करेगी। लगातार चार जीत के साथ शानदार शुरुआत करने वाली आरआर ने भी पिछले दो मैचों में लगातार हार झेली है। हालांकि, इसके बावजूद आरआर की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है, लेकिन एलएसजी नौवें स्थान पर है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए छह में से चार मैच आरआर ने जीते हैं। इकाना स्टेडियम में दोनों टीमों की अब तक एक ही भिड़ंत हुई है जिसमें आरआर ने आसानी से जीत दर्ज की थी।

आईपीएल 2025 से अब तक एलएसजी ने अपने घर में नौ में से सात मैच गंवाए हैं तो आगामी मैच से पहले उनके ऊपर भारी दबाव होगा। एलएसजी के टॉप ऑर्डर की परीक्षा लेंगे आर्चर इस सीज़न लगातार तीन मैच हो चुके हैं जिनमें जोफ्रा आर्चर ने पहली गेंदों पर ही विकेट निकाले हैं। अब उनका सामना एलएसजी के उस टॉप ऑर्डर से होगा जो इस सीजन काफ़ी संघर्ष करती दिख रही है। इस सीजन पावरप्ले में आर्चर ने छह पारियों में 8.6 की इकॉनमी के साथ छह विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक-रेट 11 का रहा है। एलएसजी का टॉप आर्डर इस सीजन काफ़ी ख़राब फ़ॉर्म में दिख रहा है। मिचेल मार्श ने इस सीज़न 134 और ऋषभ पंत ने 136 की स्ट्राइक-रेट से रन बनाए हैं। मार्श ने छह पारियों में 155 रन बनाए हैं और अब तक एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके हैं। पंत ने एक अर्धशतक तो लगाया है, लेकिन इस सीजन अब तक केवल 147 रन ही बना पाए हैं। एडन मारक्रम टीम के सबसे अच्छे बल्लेबाज़ नजर आए हैं जिन्होंने छह पारियों में 160 की स्ट्राइक-रेट से 162 रन बनाए हैं। क्या आरआर के ओपनर्स को परेशान करेंगे प्रिंस? आरआर के ओपनर बल्लेबाज़ों ने इस सीजन धमाकेदार प्रदर्शन किया है और ख़ास तौर से पावरप्ले में उन्होंने काफ़ी तेज़ी से रन बनाए हैं। अब उनका सामना प्रिंस यादव से होगा जो इस सीजन शानदार गेंदबाज़ी कर रहे हैं।

मैच में चप्पे-चप्पे पर होगी निगरानी

अमृत विचार, लखनऊ: भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल मैच को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पूरे स्टेडियम परिसर को तीन सुपर जोन, छह जोन और 16 सेक्टर में विभाजित कर हर स्तर पर निगरानी सुनिश्चित की गई है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए संदिग्ध गतिविधियों, अराजकतत्वों और टिकट ब्लैक करने वालों पर नजर रखी जाएगी। कंट्रोल रूम से अधिकारी लगातार सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था की मॉनिटरिंग करेंगे। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था बबलू कुमार के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था में एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस), एंटी माइन टीम, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वायड, अर्धसैनिक बल और पुलिस मिलाकर 2000 से अधिक जवान तैनात किए गए हैं। इसके तहत तीन पुलिस उपायुक्त, छह अपर पुलिस उपायुक्त, 16 सहायक पुलिस आयुक्त, 35 इंस्पेक्टर, 254 दरोगा और 465 सिपाही ड्यूटी पर रहेंगे।

अभ्यास के दौरान एक दुसरे से मिलते एलएसजी व राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी।

अभिषेक बने हैदराबाद की जीत के सूरज

आईपीएल-2026 : सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को 47 रन से दी शिकस्त

हैदराबाद, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के 10 चौकों और 10 छक्कों से सजे नाबाद 135 रन की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल मुकाबले में मंगलवार को 47 रन से करारी शिकस्त दे दी। हैदराबाद ने दो विकेट पर 242 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद दिल्ली को नौ विकेट पर 195 रन पर थाम लिया। हैदराबाद सात मैचों में अपनी चौथी जीत के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि दिल्ली छह मैचों में तीसरी हार के साथ पांचवें स्थान पर है।

विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की तरफ से नीतीश राणा ने 57, समीर रिजवी ने 41, के एल राहुल ने 37 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 27 रन बनाए। हैदराबाद की तरफ से ईशान मलिंगा ने 32 रन देकर चार विकेट झटके। हर्ष दुबे ने पारी के आखिरी ओवर में तीन विकेट हासिल किये। इससे पहले टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरे अभिषेक ने मात्र 68 गेंदों में अपनी नाबाद शतकीय पारी खेली। यह उनका आईपीएल में दूसरा शतक और ओवरआल टी 20 में नौवां शतक है जिसके साथ ही वह टी 20 में सर्वाधिक शतक बनाने में रन मशीन विराट कोहली की बराबरी पर आ गए हैं। यह आईपीएल इतिहास में पांचवां सर्वाधिक स्कोर भी है। अभिषेक शर्मा ने एकदम सही समय पर धमाकेदार शुरुआत की और अपना दूसरा आईपीएल शतक पूरा किया। 135 रन बनाकर नाबाद रहे-जो टूर्नामेंट में उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था-उन्होंने पूरी पारी में बल्ला चलाते हुए 10 लंबे छक्के मारे। हालांकि हेड और क्लासेन ने बहुत अच्छा साथ दिया, लेकिन अभिषेक की पारी शानदार थी; 49 रन पर उन्हें एक लाइफलाइन मिली जब राहुल ने एक आसान रन-आउट का मौका गंवा दिया। उन्हें 87 रन के स्कोर पर नीतीश राणा ने भी बॉउंड्री पर जीवनदान दिया। इन दो मौकों को छोड़कर उनकी पारी पूरी तरह बेदाग़ रही। ट्रेविस हेड 26 गेंदों पर 37 रन में दो चौके और दो छक्के मारे। क्लासेन ने मात्र 13 गेंदों पर नाबाद 37 रन में तीन चौके और तीन छक्के मारे। कप्तान ईशान किशन ने 13 गेंदों पर 25 रन में दो चौके और एक छक्का लगाया। 243 रन के टारगेट का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स कभी ठीक से चल नहीं पाई। राहुल और नीतीश राणा ने 50 से ज़्यादा रन की पार्टनरशिप करके टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन वे तब आउट हुए जब इनिंग्स ने थोड़ी रफ़्तार पकड़नी शुरू की थी।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	6	5	0	1	11	1.420
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	0	8	1.171
3.	सनराइज़र्स हैदराबाद	7	4	3	0	8	0.820
4.	राजस्थान रॉयल्स	6	4	2	0	8	0.599
5.	दिल्ली कैपिटल्स	6	3	3	0	6	-0.130
6.	गुजरात टाइटंस	6	3	3	0	6	-0.821
7.	मुंबई इंडियंस	6	2	4	0	2	0.067
8.	चेन्नई सुपर किंग्स	6	2	4	0	4	-0.780
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	6	2	4	0	4	-1.173
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

ऑरेंज आर्मी के सामने परफॉर्म करना स्पेशल : शर्मा

आईपीएल मुकाबले में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 135 रन बनाने वाले अभिषेक शर्मा ने कहा कि ऑरेंज आर्मी के सामने परफॉर्म करना हमेशा स्पेशल होता है। अभिषेक ने शतकीय पारी खेलने के बाद कहा कि पिछले साल के शतक की तुलना इस साल के शतक से कर सकते हैं। हर कोई जानता है कि इस ग्राउंड के लिए मेरा प्यार बेमिसाल है। लेकिन हाँ, जिस तरह से उन्होंने डेथ ओवर्स में बॉलिंग की, मुझे लगा कि वे असल में अपने प्लान पर काम कर रहे थे और बस, मुझे लगता है कि मैंने डेथ बैटिंग की ठीक से प्रैक्टिस नहीं की है। यही सिचुएशन थी। लेकिन जिस तरह से क्लासी ने इनिंग्स खत्म की, मुझे लगता है कि इससे वहां के टोटल में सच में मदद मिली।

तिलक काफी प्रतिभावान बल्लेबाज : हार्दिक पंड्या

अहमदाबाद, एजेंसी

सोमवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस (जीटी) पर मिली जीत को मुंबई इंडियंस (एमआई) के कप्तान हार्दिक पंड्या ने "टीम के लिए बहुत जरूरी" बताया। हार्दिक ने गेंद से जॉस बटलर को आउट किया और इससे पहले तिलक वर्मा के साथ 81 रनों की साझेदारी भी की। इससे आईपीएल 2026 में उनके लगातार चार हार का सिलसिला भी टूट गया। तिलक इस मैच के सबसे बड़े सितारे रहे। उनकी 45 गेंदों में नाबाद 101 रन की पारी ने एमआई को आख़िरी चार ओवरों में 73 रन बनाने में मदद की और उन्होंने जीटी के सामने 200 रन का लक्ष्य रखा। यह तिलक का पहला आईपीएल शतक था, जिसमें आठ चौके और सात छक्के शामिल थे। हार्दिक ने मैच के बाद ब्रॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा कि तिलक के पास जितनी प्रतिभा है, उन्हें ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मैं उन्हें बस यही कहता रहा कि गेंद को देखो और मारो। क्योंकि मुझे सच में लगता है कि उनके बल्ले से गेंद जिस तरह निकलती है, वह बहुत ख़ास है। समय आ गया था कि वह आकर प्रदर्शन करें। मुझे लगता है कि मैं डगआउट में इतना ज़ोर से चिल्लाया कि मुझे थोड़ा चक्कर आ गया। लेकिन यह टीम के लिए जरूरी था, तिलक के लिए जरूरी था, मुंबई इंडियंस के लिए जरूरी था। एक कप्तान के तौर पर भी मुझे उस तरह की ऊर्जा चाहिए थी ताकि चीज़ें बदली जा सकें।

नरवाल को स्वर्ण, चिराग को कांस्य पदक

काहिरा। भारत के शीर्ष निशानेबाज शिवा नरवाल ने लंबे अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार वापसी करते हुए आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप (राइफल, पिस्टल, शॉटगन) की पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। चिराग शर्मा ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के पहले दिन महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पनाह भुगरा ने रजत पदक जीतकर देश के पदकों की संख्या तीन कर दी। नरवाल ने पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 241.8 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। चिराग ने 218.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि एक अन्य भारतीय निशानेबाज अभिनव देशवाल 136.7 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहे। पनाह भुगरा ने महिला 10 मीटर एयर राइफल में क्वालीफिकेशन में 629.4 अंक हासिल कर फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने लगातार स्थिर प्रदर्शन करते हुए 250.6 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

हाईलाइट

आयुष म्हात्रे आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं, जो पांच बार की चैंपियन टीम के लिए करारा झटका है। म्हात्रे 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सीएसके के पिछले मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और उन्हें छह से 12 सप्ताह तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरना पड़ेगा। सीएसके ने सोशल मीडिया पर कहा कि आयुष म्हात्रे 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आने के कारण आईपीएल 2026 के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं।

हेडन ने गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाजों को लताड़ा

अहमदाबाद। गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाजी कोच मैथ्यू हेडन ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के हाथों मिली 99 रन की हार के लिए अपने खिलाड़ियों की कड़ी आलोचना करते हुए इसके लिए अपने बल्लेबाजों के 'भयावह प्रदर्शन' और डेथ ओवरों में खराब गेंदबाजी को जिम्मेदार ठहराया। इस मैच में मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी लेकिन उसने अंतिम चार ओवर में 73 रन बनाकर पांच विकेट पर 199 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में गुजरात टाइटन्स की टीम 100 रन पर ढेर हो गई, जिसमें वाशिंगटन सुंदर के 26 रन सर्वोच्च स्कोर रहा।

हॉकी इंडिया के महासचिव अवमानना के दोषी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह को जानबूझकर उसके आदेश की अवहेलना करने के लिए अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया है। न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने कहा कि वह चार मई को सजा के मुद्दे पर सुनवाई करेंगे, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने भोलानाथ सिंह को 'उचित समझे जाने वाले उपाय' करके अवमानना को 'सुधारने' की स्वतंत्रता दी। कोर्ट ने हॉकी इंडिया की निर्वाचित उपाध्यक्ष सईद असीमा अली द्वारा दायर अवमानना से संबंधित याचिका पर 20 अप्रैल को फैसला सुनाया।

अंतर्राष्ट्रीय संस्था ने भारतीय वॉलीबॉल महासंघ की मान्यता की रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी।

विश्व वॉलीबॉल महासंघ (एफआईवीबी) ने 'कानूनी और प्रशासनिक मानकों' के उल्लंघन का हवाला देते हुए भारतीय वॉलीबॉल महासंघ की मान्यता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब कुछ दिन पहले ही दो अनुभवी खिलाड़ियों ने 'खराब सुविधाओं' तथा चयन में 'राजनीति' का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय शिविर छोड़ दिया था।

एफआईवीबी ने बयान में कहा कि उसके नियमों के अनुरूप आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक शर्तों का पालन नहीं किया गया, जिसके कारण भारतीय संघ की अंतरिम मान्यता वापस ले ली गई है। एफआईवीबी ने देश में खेल की निरंतरता और खिलाड़ियों के हितों की रक्षा के लिए एक संचालन समिति गठित की है, जिसमें विश्व संस्था और भारतीय ओलंपिक संघ के प्रतिनिधि शामिल हैं। संचालन समिति का मुख्य उद्देश्य बदलाव के इस दौर में खेल संचालन में स्थिरता, पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित करना है। इसके तहत खिलाड़ियों के हितों की सुरक्षा, एथलीट आयोग का गठन, राज्य संघों के चुनाव और संविधान को कानूनी मानकों के अनुरूप बनाना शामिल है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की नजरें स्मृति व दीप्ति पर

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

भारतीय महिला टीम बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत की राह पर लौटकर श्रृंखला में अपनी दावेदारी बरकरार रखना चाहेगी। इसके लिए उसे स्मृति मंधाना व ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे है। तीसरे मैच को जीतकर श्रृंखला में विजयी बढ़त बनाना चाहेगी।

टीम की सबसे प्रभावशाली बल्लेबाज स्मृति शुरुआती दो मैच में 13 और 12 रन ही बना पाई हैं। भारतीय टीम इन मुकाबलों में 157 और 147 रन ही बना सकी जिन्हें मेजबान टीम ने आसानी से जीत लिया। टीम के लिए दीप्ति की फॉर्म अधिक चिंता का विषय है। पहले मैच में नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने नाबाद एक रन बनाया जबकि दूसरे मैच में छठे नंबर पर खेलते हुए भी एक रन बनाकर आउट हुईं।

दोनों ही मैच में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। भारतीय पारी काफी हद तक स्मृति की तेजतर्रार शुरुआत पर निर्भर करती है और बाएं हाथ की यह बल्लेबाज पहले दो मैच के खराब प्रदर्शन की भरपाई करना चाहेंगी।

तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच

महिला टी20 में भारतीय खिलाड़ियों के रैंकिंग में उछाल

दुबई। भारत की ओपनर शेफाली वर्मा डरबन में दूसरे टी20 में 38 बॉल में 57 रन बनाने के बाद आईसीसी महिला टी20 बैटिंग रैंकिंग में दो स्लॉट ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर आ गई हैं। ओपनर ने दो छक्के और चार चौके मारे, लेकिन यह उनकी टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने मैच आठ विकेट से जीत लिया। मेजबान टीम वीकेंड की शुरुआत में छह विकेट से मिली जीत के बाद पांच मैचों की सीरीज़ में 2-0 से आगे है, इस हफ्ते मैच डरबन से जोहान्सबर्ग शिफ्ट हो रहे हैं। वर्मा की तरक्की से वेस्टइंडीज की कैप्टन हेली मैथ्यूज एक स्लॉट ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गई हैं। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पहले मैच में 33 बॉल में नाबाद 47 रन बनाए थे, जिससे उन्हें दो स्लॉट ऊपर चढ़कर जॉइंट 11वें नंबर पर जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका की कैप्टन लॉरा वोल्वार्ट अब तक सीरीज़ में सबसे ज़्यादा 105 रन बना चुकी हैं, उन्होंने पहले दो मैचों में 51 और 54 रन बनाए थे। वह बैट्समैन में पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं। लिस्ट में दूसरी रैंकिंग में एनेरी डर्कसेन और सुने लुस शामिल हैं।

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्र्स अवाड्र्स | लगातार दूसरे साल मैड्रिड में हुई यह सेरेमनी

अल्काराज़ और सबालेंका को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार

मैड्रिड, एजेंसी

स्पेनिश टेनिस प्लेयर कार्लोस अल्काराज को सोमवार रात 2026 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवाड्र्स में वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर चुना गया। अल्काराज ने साइकिलिस्ट तादेज पोगाकर, जिन्होंने 2025 में अपना चौथा टूर डी फ्रांस जीता था, और कई दूसरी रेस जीती थीं, और अपने मुख्य टेनिस राइवल, जानिक सिनर जैसे कैंडिडेट्स को हराया।

टेनिस को एक और कामयाबी तब मिली जब आर्यना सबालेंका को वर्ल्ड स्पोर्ट्सवुमन ऑफ़ द ईयर चुना गया। उन्होंने कहा कि इस समय स्पोर्ट्स में बहुत सारी मजबूत, महान और इंस्पायरिंग महिलाएं हैं। उन्होंने एक ऐसे कमरे में शुक्रिया अदा किया जहां "बहुत सारे स्टार्स" थे।

यह सेरेमनी लगातार दूसरे साल मैड्रिड में हुई, जिसमें टेनिस प्लेयर नोवाक जोकोविच और चीनी फ्रीस्टाइल स्कीयर गु ऐलिंग प्रेजेंटिंग ड्यूटी पर थे। गु ने अपनी नई भूमिका की तुलना स्कीइंग से करते हुए कहा कि दोनों से उनके पेट में "तितलियाँ" दौड़ जाती हैं। एफसी बार्सिलोना के स्पेन इंटरनेशनल खिलाड़ी लैमिन यामल को वर्ल्ड यंग स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ़ द ईयर चुना गया, गु ने अपनी जीत का एक कारण यह बताया कि उनका "पूरी पीढ़ी पर" असर पड़ा है। एक और फुटबॉल जीत हुई जब यूरोपियन चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन को लॉरियस वर्ल्ड टीम ऑफ़ द ईयर का अवॉर्ड मिला, जिसमें उन्होंने इंग्लैंड महिला फुटबॉल टीम और भारत महिला क्रिकेट टीम जैसे अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराया। वर्ल्ड कमबैक ऑफ़ द ईयर का अवॉर्ड मौजूदा यूएस मास्टर्स गोल्फ चैंपियन रोरी मैक्लरॉय को मिला, जिन्होंने यूरोप को यूनाइटेड स्टेट्स में राइडर कप जीतने में भी मदद की थी। मैक्लरॉय ने कहा, "मैं कई बार बाल-बाल बचा, लेकिन इससे मुझे और मेहनत करना और कभी हार न मानना सिखाया और पिछले साल ऑगस्टा में इसका इनाम मिला।"

उन्होंने दो हफ़्ते से भी कम समय पहले अपना मास्टर्स टाइटल बरकरार रखा था। फ़ॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियन लैंडो नोरिस वर्ल्ड ब्रेकथ्रू ऑफ़ द ईयर के विनर रहे, इस कैटेगरी में चीन के यू ज़िदी भी नॉमिनीज़ में से एक थे। वर्ल्ड स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ़ द ईयर विद अ डिसेबिलिटी ब्राज़ील के पैरालंपिक स्विमर गैब्रियल अराउजो बने, जबकि क्लोई किम को 2019 और 2020 में लगातार जीत के बाद तीसरी बार वर्ल्ड एक्शन स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ़ द ईयर चुना गया। स्पोर्टिंग इंस्पिरेशन अवॉर्ड रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख के पूर्व मिडफील्डर टोनी क्रूस के लिए था, जिनकी एक एकेडमी है और वे अपने देश जर्मनी में बीमार बच्चों के साथ काम करते हैं। उन्होंने अपनी एक्सेप्टेंस स्पीच में कहा, "अगर हम सब एक हो जाएं और मिलकर काम करें, तो हम सब एक बड़ा कदम आगे बढ़ा सकते हैं।" जबकि फुटबॉल मास प्रोजेक्ट को स्पोर्ट फ़ॉर गुड अवॉर्ड मिला।

सूर्यकुमार यादव स्केचर्स क्रिकेट टीम में हुए शामिल

मुंबई, एजेंसी

स्केचर्स, द कम्फर्ट टेक्नोलॉजी कंपनी, सूर्यकुमार यादव को साइन करके अपने क्रिकेट सफर को तेज कर रही है-जो इंडियन क्रिकेट टीम के सबसे काबिल और असरदार बैट्समैन में से एक हैं और हाल ही में 2026 टी 20 वर्ल्ड कप चैंपियन बने हैं। अपनी कंसिस्टेंसी, शांत और मैच जिताने वाले परफॉर्मेंस के लिए मशहूर, सूर्यकुमार यादव अब स्केचर्स क्रिकेट फुटवियर में खेल रहे हैं और क्रिकेट और दूसरे परफॉर्मेंस फुटवियर कलेक्शन को सपोर्ट करने वाले ब्रांड के मार्केटिंग कैंपेन में शामिल होंगे।

इस एसोसिएशन पर बात करते हुए, टीम इंडिया के टी20 वर्ल्ड कप कैप्टन, सूर्यकुमार यादव ने कहा कि क्रिकेट के सबसे ऊंचे लेवल पर, आराम आपको फोकस्ड और कंसिस्टेंट रहने में मदद करने में अहम रोल निभाता है। आराम को परफॉर्मेंस के साथ जोड़ने का स्केचर्स का तरीका सच में सबसे अलग है और इसी वजह से यह ब्रांड मेरे लिए एकदम सही है। चाहे मैच का दिन हो या ट्रेनिंग, उनके जूते खेल की ज़रूरतों को पूरा करते हैं, और मैं स्केचर्स परिवार का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। मुंबई में जन्मे, सूर्यकुमार यादव ने 35 साल की उम्र में खुद को एक डाइनैमिक राइट-हैंडेड टी20 बैट्समैन के तौर पर स्थापित किया है।